3 राजधानी
प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी आग

6 अभिमत
हमास के हमले के दूरगामी परिणाम

10 विदेश
सुरक्षा आंशकाओं के बीच लंदन स्थित यहूदी स्कूल बंद

11 राष्ट्रीय
बच्चों की पिटाई, अभिभावकों ने स्कूल में किया हंगामा

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 336
नई दिल्ली, शनिवार, 14 अक्टूबर, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

जरूरत पड़ी तो तीन स्पिनर के साथ खेलेंगे
स्पोर्ट्स-12

मोदी बोले, आतंकवाद कही भी, कभी भी हो आतंक होता है

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

● **प्रधानमंत्री ने इस बात पर अफसोस जताया कि दुनिया अभी भी आतंकवाद से निपटने के मुद्दे पर आम सहमति नहीं बना पाई है, जिसका शिकार भारत भी रहा है**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि आतंकवाद, चाहे कहीं भी हो या किसी भी कारण से हो, मानवता के खिलाफ है। जी20 देशों के संसदीय (पी20) अध्यक्षों के शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद का शिकार रहा है और दो दशक पहले यहां तक? कि संसद भी आतंकवाद का शिकार हुई थी। कार्यक्रम में पी20 सदस्यों और आमंत्रित देशों की संसदों के अध्यक्षों ने भाग लिया।

पिछले महीने नई दिल्ली जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में अफ्रीकी संघ के जी20 का सदस्य बनने के बाद पैन-अफ्रीकी संसद ने पहली बार पी20 शिखर सम्मेलन में भाग लिया। मोदी ने इस बात पर अफसोस जताया कि दुनिया अब भी आतंकवाद से निपटने के मुद्दे पर आम सहमति नहीं बना पाई है, जिसका शिकार भारत भी रहा है। मोदी ने जी20 देशों के पीठासीन अधिकारियों के साथ पिछले अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि आतंकवादी सांसदों को बंधक बनाना, मारना चाहते थे। भारत ऐसी कई आतंकी घटनाओं से निपटा है। पश्चिम एशिया क्षेत्र में बड़े पैमाने पर इजराइल-फलस्तीन संघर्ष की पृष्ठभूमि में, प्रधानमंत्री ने आगाह किया कि आज दुनिया जिन संघर्षों और टकरावों का सामना कर रही है, उससे किसी को कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया को मानव-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना होगा। मोदी ने कहा कि अब दुनिया भी समझ रही है कि आतंकवाद दुनिया के लिए कितनी बड़ी चुनौती है। आतंकवाद चाहे कहीं भी हो, किसी भी कारण से हो, किसी भी रूप में हो, मानवता के विरुद्ध है। ऐसे में हमें आतंकवाद से निपटने के लिए सख्त रुख अपनाना होगा। मोदी ने इस बात पर अफसोस जताया कि संयुक्त राष्ट्र में भी आतंकवाद की परिभाषा पर एकमत नहीं है। पीएम ने राष्ट्रीय राजधानी में नवनिर्मित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में अपने संबोधन में कहा कि हर कोई जानता है कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में क्या हो रहा है। दुनिया संघर्षों और टकरावों से जूझ रही है। ऐसी संघर्षों और टकरावों से भरी दुनिया किसी के हित में नहीं है। एक विभाजित दुनिया मानवता के

नई दिल्ली में शुक्रवार को जी20 देशों के संसदीय (पी20) अध्यक्षों के शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

सामने बड़ी चुनौतियों का समाधान नहीं दे सकती है। आज भी संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद से लड़ने पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आम सहमति की प्रतीक्षा कर रहा है। मोदी ने कहा कि दुनिया भर की संसदों और प्रतिनिधियों को इस बारे में सोचना होगा कि वे आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में कैसे मिलकर काम कर सकते हैं। पीएम ने यह भी रेखांकित किया कि दुनिया की चुनौतियों से निपटने के लिए जनभागीदारी से बेहतर कोई माध्यम नहीं हो सकता। मोदी ने विश्व को एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य की भावना से देखने का आह्वान किया। इस पी20 शिखर सम्मेलन के दौरान विषयगत सत्रों में सार्वजनिक डिजिटल प्लेटफार्मों, महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास, एसडीजी में तेजी लाने और टिकाऊ ऊर्जा संक्रमण के माध्यम से लोगों के जीवन में परिवर्तन के चार विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। भाग लेने वाले पी20 देशों द्वारा अपनाए गए जी20 संयुक्त घोषणापत्र में संघर्षों और शांतिपूर्ण समाधान के बारे में भी बात की गई जैसा कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा था।

घोषणा के अंतिम भाग में कहा गया है कि नौवें पी20 के दौरान हुई रचनात्मक चर्चाओं और पिछले जी20 में प्राप्त अनुभव को ध्यान में रखते हुए, हम जी20 प्रक्रिया में प्रभावी और सार्थक संसदीय योगदान देने के लिए अपने संयुक्त कार्य को जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं, जैसा कि जी20 नेताओं द्वारा सराहना की गई है। संघर्षों और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करने सहित अंतरराष्ट्रीय शांति, समृद्धि और सद्भाव को बढ़ावा देने के उत्प्रेरक के रूप में प्रासंगिक मंचों पर संसदीय कूटनीति और बातचीत में संलग्न रहना जारी रखेंगे। प्रस्ताव पढ़ते हुए, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि पी20भारत संयुक्त घोषणा को सर्वसम्मति से अपनाना वसुधैव कुटुंबकम की भावना का उदाहरण है। बिरला ने शनिवार को समाप्त होने वाले दिन भर के उद्घाटन सत्र के अंत में कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में हम मानव केंद्रित समृद्ध और सामंजस्यपूर्ण भविष्य के लिए सहयोग करने की प्रतिज्ञा करते हैं। सभी प्रतिनिधियों को उनके समर्थन के लिए बहुत-बहुत बधाई। इस अवसर पर मोदी ने यह भी कहा कि अगले साल होने वाला आम चुनाव भारत का सबसे बड़ा त्योहार है जहां लगभग 100 करोड़ मतदाता अपने जनादेश का प्रयोग करने के पात्र हैं। मोदी ने प्रतिनिधियों से कहा कि मैं आपको आने और अगले साल के चुनाव देखने के लिए आमंत्रित करता हूं। सदस्यों द्वारा मेज थपथपाएं जाने के बीच पीएम ने कहा कि भारत में अब तक 17 आम चुनाव और 300 से अधिक राज्य विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। 2019 के आम चुनाव में लोगों ने मेरी पार्टी को लगातार दूसरी बार विजयी बनाया, यह दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था। भारी तालियों के बीच अपने भाषण के अंत में मोदी ने कहा कि ईवीएम के इस्तेमाल से चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ी है और अब वोटों की गिनती शुरू होने के कुछ ही घंटों के भीतर नतीजे घोषित हो जाते हैं। प्रधानमंत्री ने प्रतिनिधियों को अपने शासन की कुछ उपलब्धियों के बारे में भी बताया जिसमें हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी शामिल है, जिसमें स्थानीय स्व-सरकारी संस्थानों में लगभग 50 प्रतिशत निर्वाचित प्रतिनिधि महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने का हालिया कानून देश की संसदीय परंपरा को और समृद्ध करेगा।

प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि भारत में लोगों को वास्तविक जानकारी प्रदान करने के लिए 28 भाषाओं में 900 से अधिक टीवी चैनल हैं और लगभग 200 भाषाओं में 33,000 से अधिक विभिन्न समाचार पत्र प्रकाशित होते हैं। अपने संबोधन में अंतर-संसदीय संघ के अध्यक्ष डुआर्टे पचेको ने कहा कि शायद अगर हमारे देशों के नेतृत्व में अधिक महिलाएं होंगी तो हमें इतने युद्ध नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि सहभागी लोकतंत्र में अधिक महिलाओं का होना महत्वपूर्ण है। सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री को दोपहर के भोजन से पहले के सत्र और अपने संबोधन के बाद रवाना होना था और वे प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने के लिए रुके और सदस्यों के साथ बातचीत की। मैक्सिकन सीनेट की अध्यक्ष एना लिलिया रिवेरा ने मोदी के हाथ पर 'राखी' बांधी, जिन्होंने बदले में उन्हें अपना आशीर्वाद दिया।

इजराइल बढ़ा गाजा की तरफ, खाली करो

● **गाजा में पलायन शुरू, आतंकियों के खिलाफ हमले से पहले इजराइल ने जारी किया अभूतपूर्व संदेश**

एजेंसी। यरूशलम

इजराइली सेना ने गाजा में रहने वाले करीब 10 लाख लोगों को शहर खाली करने के आदेश के बाद शुक्रवार को फलस्तीनियों ने उत्तरी गाजा से बड़े पैमाने पर पलायन शुरू कर दिया है। जिसे गाजा में सत्तारूढ़ हमास आतंकवादी समूह के खिलाफ जमीनी हमले से पहले एक अभूतपूर्व आदेश माना जा रहा है।

इस निर्देश के बाद क्षेत्र में इजराइल की ओर से जमीनी कार्रवाई की आशंका तेज हो गई है। हमास, जिसने एक सप्ताह पहले इज़राइल पर अचानक व भीषण हमला किया था, जिसमें उसने हजारों रॉकेट दागे थे। हमास ने ने निकासी आदेश को एक चाल के रूप में खारिज कर दिया

गाजा की तरफ बढ़ते इजराइली सेना के टैंक। इजराइल ने गाजा को खाली करने का आदेश दिया है, जिसके चलते जमीनी कार्रवाई की आशंका तेज हो गई है।

और लोगों से अपने घरों में रहने का आह्वान किया। गाजा शहर हजारों फलस्तीनियों का घर है जिस पर आदेश लागू होता है। इससे इजराइली हवाई हमलों से भाग रहे और घेराबंदी से जूझ रहे हजारों नागरिकों और सहायता कर्मियों के बीच व्यापक दहशत पैदा कर दी। इज़राइल ने भोजन, पानी और आपूर्ति बंद कर दी है और पूरे क्षेत्र में ब्लैकआउट कर दिया है। हमास ने शनिवार को इजराइल पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए थे, जिसके जवाब में इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने हमास के मुख्य ठिकानों को निशाना बनाकर कार्रवाई की है। शुक्रवार संघर्ष का सातवां दिन था।

गाजा सिटी में पैलेस्टीनियन रेड क्रीसेंट की प्रवक्ता नेबाल फारसाख ने रुंधे गले से कहा, भोजन के बारे में भूल जाइए, बिजली, ईंधन के बारे में भूल जाइए। इस वक्त की चिंता बस यही है कि क्या आप जिंदा रहने वाले हैं। युद्ध ने पहले ही दोनों पक्षों के 2,800 से अधिक लोगों की जान ले ली है और पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। हाल में इजराइल ने लेबनान के आतंकवादी समूह हिजबुल्ला पर भी हवाई हमले किए हैं जिसे देखते हुए व्यापक संघर्ष की आशंका पैदा हो गई है। पास के देशों में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान प्रदर्शन देखने को मिले। यरूशलम के पुराने शहर में तनाव अपने चरम पर है। पवित्र अल-अक्सा मस्जिद का जिम्मा संभालने वाली इस्लामिक संस्था ने कहा कि इजराइली प्राधिकारी 50 वर्ष से कम उम्र के पुरुषों को प्रवेश नहीं करने दे रहे हैं।

इजराइल ने सप्ताहांत के हमले के बाद से गाजा पर लगातार बमबारी की है। हमास के लड़ाकों ने देश के दक्षिणी क्षेत्र में हमला किया और सैकड़ों लोगों का नरसंहार किया। उन्होंने बच्चों और एक संगीत समारोह में शामिल युवाओं की हत्या भी की। हमास ने 150 लोगों को अगवा कर लिया है और उन्हें गाजा ले गए हैं। हमास ने कहा कि गाजा पट्टी पर इजराइल की ओर से की गई भारी बमबारी में 13 बंधकों की मौत हो गई जिनमें विदेशी भी शामिल हैं। हमास की सैन्य शाखा ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि पिछले 24 घंटों में विभिन्न स्थानों (शेष पेज 9)

विश्व कप क्रिकेट

- **परिणामः** न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को आठ विकेट से हराया
- **आजः** भारत और पाकिस्तान

क्विक न्यूज

रेल चालकों को 12 घंटे से अधिक काम नहीं करना चाहिएः रेलवे बोर्ड

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड ने चालकों और गार्ड सहित रनिंग स्टाफ के ड्यूटी के घंटे के संबंध में बृहस्पतिवार को सभी जोन को दिशानिर्देश जारी करते हुए कहा कि ट्रेन चालकों के लिए अधिकतम कार्य अवधि 12 घंटे से अधिक नही होनी चाहिए और यह गंभीर परिचालन जरूरतों पर निर्भर करेगा। रनिंग स्टाफ मे सवारी गाड़ियों और माल गाड़ियों के चालक व गुड्स गार्ड आदि कर्मचारी आते है। नए निर्देश बोर्ड के विभिन्न पूर्ववर्ती दिशानिर्देशों का एक संकलन है। इसका उद्देश्य जोन को परिचालन सुरक्षा बढ़ाने के लिए रनिंग स्टाफ के कामकाजी और शेष घंटे का ध्यान रखने की याद दिलाना है।

सबसे ऊंची रणभूमि में मोबाइल टावर

● **भारतीय सेना ने बीएसएनएल की मदद से सियाचिन में मोबाइल टावर और बेस ट्रांसीवर स्थापित करने की दुलर्भ उपलब्धि हासिल की**

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की मदद से भारतीय सेना ने दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर में एक मोबाइल टावर और बेस ट्रांसीवर स्टेशन (बीटी) स्थापित करने की एक दुर्लभ उपलब्धि हासिल की है।

टावर का उद्घाटन 6 अक्टूबर को किया गया था और यह 15,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर तैनात सैनिकों को मोबाइल कनेक्टिविटी प्रदान करता है। सियाचिन ग्लेशियर

सियाचिन में 15,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थापित मोबाइल टावर।

पर मोबाइल टावर की स्थापना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस क्षेत्र में तापमान शून्य से 30 से 40 डिग्री नीचे जाने वाली कठोर परिस्थितियों और भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव को देखते हुए यहां तैनात सैनिकों को उनके परिवारों और प्रियजनों को जोड़ने के लिए टावर महत्वपूर्ण जरिया बनेगा। यह सैनिकों को एक-दूसरे और उनके कमांडरों के साथ संवाद करने की उनकी क्षमता में भी सुधार करेगा।

बेस ट्रांसीवर स्टेशन एक रेडियो ट्रांसीवर है जो मोबाइल उपकरणों को सेलुलर नेटवर्क से जोड़ता है। यह मोबाइल उपकरणों को रेडियो सिग्नल भेजता और प्राप्त करता है और उन्हें डिजिटल सिग्नल में परिवर्तित करता है जिन्हें फिर नेटवर्क या इंटरनेट में अन्य उपकरणों (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, शनिवार, 14 अक्टूबर, 2023

मुआवजा वितरण धांधली में एसआईटी ने शुरू की जांच

सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी के बाद सरकार ने गठित की थी टीम, 15 मामले में दी गई अतिरिक्त रकम

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

किसानों को अतिरिक्त मुआवजा देकर मुनाफाखोरी करने वाले अधिकारियों पर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी के बाद प्रदेश सरकार की ओर से गठित स्पेशल इनवैस्टिगेशन टीम एसआइटी ने जांच शुरू कर दी है।

इस टीम का नेतृत्व राजस्व बोर्ड चेयरमैन हेमंत राव कर रहे है। गुरुवार को सुबह से देर रात तक टीम ने लैंड, लॉ से लेकर वित्त विभाग में संबंधित दस्तावेजों को खंगाला।

इस दौरान सीईओ डा लोकेश एम, मुख्य विधि सलाहकार रविंद्र कुमार गुप्ता, वित्त नियंत्रक एसके गुप्ता ने जांच टीम का सहयोग किया। जांच टीम की ओर से मांग गई तमाम जानकारियां को उपलब्ध कराया। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने किसानों को अतिरिक्त मुआवजा बांटने के मामले में विधि विभाग के दो अधिकारियों को सिर्फ दोषी मानने से मनाकर दिया है और कहा कि इस मामले कई अन्य अधिकारियों की संलिप्त है, जिसकी गहनता से जांच होनी चाहिए।

इसी जांच को अंजाम देने के लिए एसआइटी नोएडा प्राधिकरण में पहुंची है। एसआइटी को अपनी रिपोर्ट 15 दिन में देनी है। प्रदेश सरकार ने इस मामले में जांच के लिए जो कमेटी बनाई है, उसमें चेयरमैन बोर्ड ऑफरेवेन्यू के अलावा कमिश्नर मेरठ, एडीजी मेरठ जोन को भी शामिल किया गया है।

प्राधिकरण में किसानों को अतिरिक्त मुआवजा वितरण करने में बड़ी अनिमियतता सामने आई। जिसमे विभिन्न प्रकरणों में साठ.गांठ करके समझौते के आधार पर अधिकारियों द्वारा करोड़ों रुपये की अतिरिक्त राशि का भुगतान मुआवजे के लिए रूप में किया गया।

इसके लिए चार गांवों की जांच की गई। जिसमें अकेले गेझा तिलपताबाद के 15 प्रकरणों में करीब 100 करोड़ 16 लाख 81 हजार रुपये का अतिरिक्त मुआवजा देकर प्राधिकरण को बड़े राजस्व का नुकसान पहुंचाया गया।

इन सभी मामलों को सूचीबद्ध किया जा चुका है। तत्कालीन सीईओ ऋतु माहेश्वरी के आदेश पर एक समिति गठित की गई। यह समिति घोटाले की जांच कर रही थी। इसी तरह के प्रकरण में उच्च न्यायालय ने प्राधिकरण मुख्य कार्यपालक अधिकारी को निर्देश दिए कि वह दोषी अधिकारियों की जांच कर उनके के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराए। घोटाले की यह नींव 2015 में रखी गई। 2015 व 2016 की अलग.अलग तारीखों में किसानों को अतिरिक्त मुआवजा दिया गया, जिसके वह हकदार नहीं थे।

उच्च न्यायालय में दायर वाद में सुनवाई के दौरान दो अलग-अलग मामलों जिसमें 15 अक्टूबर 2020 और दूसरा 15 दिसंबर 2020 को आए आदेश में स्पष्ट कहा कि प्राधिकरण अधिकृत अधिकारियों ने साठगांठ व गलत उद्देश्य से किसानों को अतिरिक्त मुआवजा दिया है। जिसमें बड़ी अनियमितता बरती गई। आदेश में यह भी स्पष्ट है कि यह मामला हजार, लाखों का नहीं, बल्कि करोड़ों का है। ऐसे में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ जांच कर प्राथमिकी दर्ज कराई जाए। इन्हीं आदेश के बाद प्राधिकरण गेझा तिलपताबाद गांव के वर्ष 2015 मुआवजा की फाइलों को खंगालने का काम किया। जिसमे गेझा तिलपताबाद के 15 प्रकरणों में करीब 100 करोड़ 16 लाख 81 हजार 334 रुपए के घोटाले की बात सामने आई। जिन 15 प्रकरणों को सूचिबद्ध किया गया। उसमें पहले दो प्रकरण भुल्लड़ व फु ंदन जिनको क्रमश: पांच नवंबर 2015 को नौ करोड़ 17 लाख 12 हजार 426 रुपए और सात जनवरी 2016 को 7 करोड़ 26 लाख 80 हजार 427 अतिरिक्त प्रतिकर मुआवजा दिया गया।

इसी में संलिप्त एलएआर विरेंद्र नागर व दिनेश सिंह के खिलाफ नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर.20 थाने में एफ आईआर दर्ज कराई। तत्कालीन सीईओ ऋतु माहेश्वरी ने एलएआर वीरेंद्र सिंह नागर को बर्खास्त करने की सिफारिश शासन से की। जिसके बाद बचने के लिए यह लोग सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे, जिसकी सुनवाई में यह जांच गठित की गई है।

साहिबाबाद से दुहाई तक रैपिड रेल में सफर करेंगे प्रधानमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- जनसभा स्थल वसुंधरा सेक्टर-आठ के बड़े मैदान में होगा

गाजियाबाद में रैपिड रेल का उद्घाटन करने के लिए आ रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा के लिए जर्मन हैंगर टैंट लगाने का काम शुरू हो गया है। जनसभा स्थल वसुंधरा सेक्टर-आठ के बड़े मैदान में है। 50 हजार लोगों की भीड़ जुटाने का टारगेट है। इसके लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। माना जा रहा है कि 20 अक्टूबर को पीएम गाजियाबाद आ सकते हैं।

जिला प्रशासन को आधिकारिक कार्यक्रम प्राप्त होने का इंतजार है। रैपिड रेल प्रोजेक्ट दिल्ली से मेरठ तक बन रहा है। इसकी लंबाई 82 किलोमीटर है। पहला फेज गाजियाबाद में दुहाई डिपो से साहिबाबाद स्टेशन तक 17 किलोमीटर लंबा है। ये फेज पूरी तरह तैयार है।

इसी का उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों होना है। जिसके लिए तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ गुरुवार को तैयारियां परखने गाजियाबाद आए भी थे। वे तैयारियों से संतुष्ट दिखे। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गाजियाबाद में गाजियाबाद में साहिबाबाद स्टेशन पर पहुंचकर इस प्रोजेक्ट का शुभारंभ करेंगे। यहां वे यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस से रैपिड रेल का पहला टिकट खरीदेंगे और फिर उसमें दुहाई डिपो तक सफर करेंगे। इस दौरान कुल तीन रैपिडएक्स ट्रेनें उनके साथ चलेंगी।

सबसे आगे पायलट ट्रेन होगी। दूसरी ट्रेन यात्रियों के लिए होगी। तीसरी ट्रेन में पीएम मोदी, सीएम योगी सहित तमाम जनप्रतिनिधि सफर करेंगे। इसके बाद वे दोबारा साहिबाबाद स्टेशन पर आएंगे और फिर वसुंधरा सेक्टर.आठ के मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे।

कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री का ये कार्यक्रम तकरीबन दो घंटे का रहेगा। भाजपा के महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ने बताया, जनसभा स्थल पर करीब 50 हजार लोग जुटेंगे। इसके लिए 250 बसों और करीब 1500 निजी वाहनों का इंतजाम किया गया है।

महानगर के सभी प्रमुख पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। बूथवार लोगों को इस कार्यक्रम में लाया जाएगा।

एनसीआर के चार जिलों को 50 वर्षों तक मिलेगी जाम से मुक्ति

- सलाहकार कंपनी डेढ़ साल में तैयार करेगी डीपीआर, तैयार होगा रीजनल कांप्रेहेंसिव मोबिलिटी प्लान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

4 जिलों को जाम मुक्त बनाने के लिए रीजनल कांप्रेहेंसिव मोबिलिटी प्लान सीएपमी की पहली बैठक नोएडा प्राधिकरण में हुई। इसमें नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना विकास, गाजियाबाद, हापुड़, बुलंदशहर, न्यू नोएडा शामिल है।

इन शहरों की कनेक्टिविटी राजधानी दिल्ली से बेहतर हो इस पर फोकस किया जाएगा। बैठक में तय किया गया कि इस प्लान को बनाने के लिए एक सलाहकार कंपनी का चयन किया जाएगा।

इसके लिए रिक्वेस्ट ऑफ प्रपोजल आरएफपी जारी की जा रही है। इस रीजनल प्लान का मकसद पश्चिमी यूपी में इकोनॉमिक ग्रोथ को बढ़ावा देना भी है। सलाहकार कंपनी एक प्लान बनाएगी।

इस प्लान को सभी जिले और प्राधिकरण अपने-अपने क्षेत्र में लागू करेंगे। इसमें सड़कों की चौड़ाई बढ़ाने से लेकर नए फ्लाईओवर, बॉटलनेक और ट्रांसपोटेशन को ध्यान में रखा जाएगा। प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सतीश पाल ने बताया कि मास्टर प्लान 2031 तक शहर में जो भी मोबिलिटी प्लान होगा उसे लागू किया जाएगा। वो कैसे लागू होगा इसके लिए सलाहकार कंपनी ही प्लान करेगी। इस रीजनल प्लान में हापुड़ और गाजियाबाद को भी जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि लोकल स्तर पर भी कई मोबिलिटी प्लान है। सलाहकार कंपनी इन क्षेत्रीय प्लान का अध्ययन करेगी और उसमें दिए गए बेहतर प्लान या सुझाव को वो अपनी डीपीआर में शामिल करेगी। इसके लिए सलाहकार कंपनी को अधिकतम डेढ़ साल का समय दिया जाएगा।

लेकिन प्राथमिक प्लान उसे तीन महीने में ही देना होगा। जिस पर एक रिपोर्ट तैयार कर हम शासन को भेजेंगे। दरअसल ये प्रकार का थिंक टैंक होगा। जिसमें पांचों स्थानों के अधिकारी और सलाहकार कंपनी सिर्फ इस बात पर अध्ययन करेंगे कि अगले 50 सालों तक दिल्ली से बेहतर कनेक्टिविटी और इस रीजन को कैसे जाम मुक्त बनाया जाए। जितने भी सुझाव आएंगे उनको कंपनी प्लान में शामिल करेगी और बनाने का काम संबंधित प्राधिकरण का होगा।

बिजली चोरी करने से रोकने पर कर्मचारियों से मारपीट

- पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर जिले के सूरजपुर थाना क्षेत्र में कथित तौर पर बिजली चोरी करने से रोकने पर करीब एक दर्जन लोगों ने विद्युत विभाग के कर्मचारियों से मारपीट की। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

सूरजपुर थाना के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि नोएडा पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनपीसीएल) में तैनात सहायक अभियंता दीपक कुमार ने बीती रात को तहरीर दी कि वे लोग बिसरख क्षेत्र से सर्वेक्षण करके अपने कार्यालय लौट रहे थे, तभी उन्हें बेगमपुर गांव के पास असलम व कुछ लोग ट्रांसफार्मर के नजदीक सीढ़ी लगाकर बिजली चोरी करते नजर आए।

सिंह ने कुमार की शिकायत के हवाले से बताया कि बिजली चोरी से रोकने पर आक्रोशित आरोपियों ने अपने कुछ अन्य साथियों को बुला लिया तथा उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस घटना में विशाल गुप्ता के सिर में गंभीर चोट आई है।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी दस्तावेजों के सहारे बाइक बचने वाले दो आरोपी गिरफ्त में।

चोरी की बाइक को ओएलएक्स पर बेचने वाले गिरफ्तार

नोएडा। चोरी की बाइक की फोटो ओएलएक्स की साइट पर अपलोड कर बेचने वाले दो शातिर बदमाशों को नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये बाइक बदमाश दिल्ली, नोएडा और एनसीआर के अन्य जिलों से चोरी करते थे। इसके बाद अन्य राज्यों या दूर दराज के शहरों के लोगों को बेच देते थे। इसके लिए ये गाड़ी नंबर और फर्जी दस्तावेजों का सहारा लेते थे। पुलिस ने इनके पास से चोरी की 10 बाइक बरामद की है। एडीसीपी शक्ति अवस्थी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि वाहन चोर नोएडा के सेक्टर-24 थाना क्षेत्र में आने वाले है। पुलिस ने वहां चेकिंग बढ़ा दी। इस दौरान बाइक सवार दो बदमाश उन्हें आते दिखे उन्होंने रोक लिया और सख्ती से पूछताछ की गई। बदमाशों की पहचान रितिक पुत्र सूरज वाल्मिकी और अजय कुशवाहा पुत्र राजेश कुशवाहा हुई। इन दोनों को सेक्टर 21.25 चौराहे के पास से गिरफ्तार किया गया। एडीसीपी ने बताया क पूछताछ के दौरान बदमाशों ने बताया कि हम दोनों मिलकर नोएडाए दिल्ली एनसीआर क्षेत्र से मोटरसाइकिल चोरी करते है। चोरी की हुई मोटरसाइकिल ओएलएक्स के माध्यम से बाहर के रहने वाले लोगों को सस्ते दामों में बेचकर अवैध रूप से धन कमाकर खर्च चलाते थे। ये चोरी किए गए मोटरसाइकिल को लॉजिक्स मॉल के पास बंद पड़ी पार्किंग के पीछे झाड़ियों में छिपाकर खड़ी कर देते थे।

प्रधान श्याम सिंह की स्मृति में विशाल दंगल आज से

नोएडा। स्वर्गीय प्रधान श्याम सिंह की स्मृति में आयोजित होने वाले विशाल दंगल का आयोजन 14 अक्टूबर दिन शनिवार को शाम 3 बजे से नोएडा के सर्फाबाद गांव स्थित मिनी स्टेडियम में होगा। इस दंगल में देश के नामी पहलवान हिस्सा लेंगे। हर वर्ष की तरह इस कुश्ती में लाखों रुपए का इनाम विजेता पहलवानों को दिया जाएगा। पूर्व एमएलसी और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र यादव ने बताया कि उनके पिता स्वर्गीय श्याम सिंह यादव की स्मृति में हर वर्ष सर्फाबाद गांव में विशाल दंगल का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष स्वर्गीय प्रधान श्याम सिंह यादव की स्मृति में 33 वां दंगल का आयोजन किया जा रहा है। यह दंगल सर्फाबाद गांव स्थित मिनी स्टेडियम में आयोजित होगा। इस दंगल में देश के सैकड़ों नामी पहलवान हिस्सा ले रहे हैं। 500 से ज्यादा पहलवानों की इस दंगल में हिस्सा लेने की संभावना है। उन्होंने कहा कि दंगल में बड़ी कुश्ती लाखों रुपए इनाम की होती है। पूर्व एमएलसी ने बताया कि इस दंगल में आसपास के लोग और कई पार्टियों के नेता, अधिकारी हिस्सा लेंगे। मालूम होगी स्वर्गीय प्रधान श्याम सिंह की स्मृति में आयोजित होने वाले दंगल की प्रतीक्षा देश के कुश्ती प्रेमियो और पहलवानों को भी रहती है। सफ ाबाद गांव पहलवानों का गांव कहा जाता है।

शत्रु संपत्ति के मामले को लेकर महापंचायत

गाजियाबाद। मोदीनगर में शत्रु संपत्ति के मामले को लेकर शुक्रवार को मोदीनगर तहसील परिसर में महापंचायत का आयोजन किया गया। महा पंचायत में हजारों लोगों ने भाग लिया। पंचायत में आर पार की लड़ाई का ऐलान किया गया है। शत्रु संपत्ति के मामले को लेकर शुक्रवार को मोदीनगर तहसील परिसर में महापंचायत का आयोजन किया गया। महापंचायत में गांव सीकरी व आसपास कॉलोनियों के हजारों लोगों ने भाग लिया। महापंचायत को देखते हुए नगर के अधिकांश बाजार बंद रहे। तहसील परिसर में रजिस्ट्री भी पूरी तरह से बंद रही। इतना ही नही उप जिलाधिकारी तहसीलदार नया तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी भी अपने-अपने कार्यालय में नहीं बैठे। महापंचायत को देखते हुए मोदीनगर तहसील में सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए। किसान नेता बबली गुर्जर ने बताया कि मोदीनगर तहसील प्रशासन के अधिकारी शत्रु संपत्ति के मामले को निपटाना नहीं चाहते।

ग्रामीणों ने बीच आबादी में हाईटेंशन लाइन लगाने का किया विरोध

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मोदीनगर के गांव गदाना गढ़ी में बीच आबादी के बीच से निकल रही विद्युत विभाग की हाईटेंशन लाइन के विरोध में ग्रामीण लामबंद हो गए। ग्रामीणों ने लाइन का काम रोककर मोदीनगर तहसील पर प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि लाइन का काम नहीं रोका गया तो आंदोलन होगा। विद्युत विभाग द्वारा गांव गदाना गढ़ी में बीच आबाद से हाईटेंशन लाइन लगाने का काम किया जा रहा है। शुक्रवार को विद्युत विभाग के अधिकारी लाइन लगाने के लिए गड्ढे खोद रहे है। इसी बीच सैकड़ों ग्रामीण एकत्र होकर मौके पर पहुंचे और लाइन लगाने का काम कर रहे मजदूरों को भगा दिया। इसके बाद ग्रामीण एकत्र होकर मोदीनगर तहसील पहुंचे और जमकर हंगामा किया।

ग्रामीणों का आरोप है कि विद्युत की हाईटेंशन लाइन लगने से रोजाना हादसे होगे। इतना ही नहीं गांव की सड़क संकरी और ऊपर से पोल लग जाएगे, तो आवागमन में भी दिक्कत का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देकर हाईटेंशन लाइन लगाने का निर्माण कार्य रोकने की मांग की है।

बुजुर्ग महिला को कार से कुचलने वाले चालक पर केस

- सोसाइटी में सुबह की सैर के वक्त हुआ था हादसा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना सेक्टर-113 में स्थित एक आवासीय सोसाइटी के परिसर में कथित तौर एक कार की चपेट में आने से 76 वर्ष की एक महिला की मौत हो गई, जिसके बाद पुलिस ने कार चालक के खिलाफ एक मामला दर्ज किया है। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) हरीश चंद्र ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार 11 अक्टूबर को महागुन मॉडर्न सोसाइटी के अंदर पार्किंग से कार लेकर निकल रहे गौरव वालिया ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए वहां सैर कर रही एक बुजुर्ग महिला कृष्णा नारंग को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि महिला को गंभीर हालत में उपचार के लिए नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस मामले में मृतक महिला के परिजनों ने दो दिन तक कोई शिकायत नहीं दी। उन्होंने बताया कि बीती रात सोसाइटी के सुरक्षा सुपरवाइजर कौशल कुमार की शिकायत पर पुलिस ने कार चालक गौरव वालिया के खिलाफ एक मामला दर्ज करके घटना की जांच शुरू कर दी है। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया था।

दो पक्षों के गुटों में तनाव, तीन लोग गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- पार्किंग को लेकर हुआ था विवाद

विजयनगर थाना क्षेत्र में सांप्रदायिक माहौल को बिगाड़ने वाली घटना पुलिस ने तत्पराता से रोक दिया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर बवाली टाइप के कई युवकों की धर-पकड़ ना करवाते तो फिजा को खराब करने वाली घटना घट सकती थी।

विजयनगर थाना पुलिस ने माहौल को बिगड़ने से बचा लिया बल्कि बवाल करने और दूसरे संप्रदाय के लोगों के ऊपर हमला करके उन्हें घायल करने वाले अभियुकतों में से कई बवालियों को गिरफ्तार भी कर लिया। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने इस सनसनीखेज अपराधिक घटना को कारित करने वाले जिन तीन अभियुक्तों का गिरफ्तार किया है उनके नाम शादाब निवासी बंजारा चौक प्रताप विहार, साजिद और सलमान निवासीगण वीर अब्दुल हमीद कॉलोनी विजयनगर हैं। इस संदर्भ में जब पुलिस अधिकारी से पूछा गया तो उनका कहना था पार्किंग को लेकर दो संप्रदायों के पक्षों में भिडंत हो गई थी। जिसके बाद संप्रदाय विशेष के लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों के साथ मारपीट कर दी थी। उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने न केवल विशाल की तहरीर पर तत्काल मुकदमा दर्ज कर लिया बल्कि कई लोगों को हिरासत में भी ले लिया। पुलिस की कई टीम अभियुक्तों को दबोचने के लिये उनके ठिकानों व मकानों पर दबिश दे रही।

सड़क किनारे लहूलुहान मिले युवक की मौत

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले के नोएडा सेक्टर -113 थाना क्षेत्र के एफएनजी रोड पर एक अज्ञात व्यक्ति लहूलुहान अवस्था में सड़क किनारे पड़ा मिला। उसे नोएडा के जिला अस्पताल में ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इस मामले में हत्या या सड़क हादसा दोनों कोण से जांच की जा रही है। थाना के प्रभारी निरीक्षक सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को एफएनजी रोड पर एक अज्ञात व्यक्ति लहूलुहान अवस्था में सड़क किनारे पड़ा हुआ मिला।

धोखाधड़ी के मामले में बिल्डर ग्रुप का वाइस प्रेसिडेंट गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद पुलिस ने बिल्डर ग्रुप वीवीआईपी के वाइस प्रेसिडेंट नितिन गर्ग को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। पिछले साल एक बायर ने उनके खिलाफ 40 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मुकदमा कराया था।

नंदग्राम थाना पुलिस ने इस केस में 2 बार फाइनल रिपोर्ट लगाई थी। जांच जब दूसरे थाने कविनगर को ट्रांसफर हुई तो आरोपी फंस गया। इस बिल्डर समूह पर गाजियाबाद के कई और थानों में भी धोखाधड़ी के मुकदमे दर्ज हैं। राजनगर एक्सटेंशन में वीवीआईपी एड्रेस सोसाइटी है। यहां फ्लैट बेचने के नाम पर कविनगर निवासी आकाश जैन से 40 लाख रुपए ठगे गए थे।

आकाश के मुताबिक, नितिन गर्ग ने इस सोसाइटी में अपना फ्लैट बेचने की बात कही थी। जिस पर आकाश ने 20 लाख रुपए नितिन गर्ग की पत्नी हिमानी गर्ग के खाते में और 19.75 लाख रुपए उसकी मां ममता रानी गर्ग के खाते में ट्रांसफर किए थे। इसके बदले नितिन गर्ग ने फ्लैट की चाबी आकाश जैन को दे दी और रजिस्ट्री कोरोना महामारी बीतने के बाद कराने की बात कही।

इंडिया एक्सपो मार्ट: 100 देशों के हजारों खरीदार देखेंगे भारत की हस्तशिल्प

- ग्रेटर नोएडा में मेले के 56वें संस्करण का उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

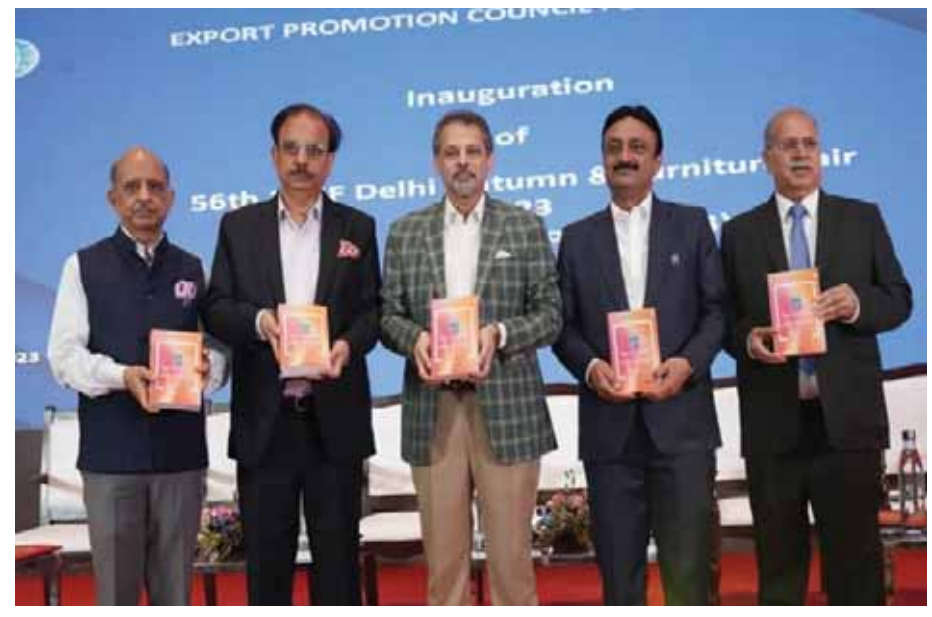

ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 16 अक्टूबर 2023 तक एक साथ आयोजित होने वाले आईएचजीएफ दिल्ली मेला ऑटम और दिल्ली फेयर फर्नीचर 2023 के 56वें संस्करण का उद्घाटन ईपीसीएच के अध्यक्ष दिलीप बैद ने किया।

इस अवसर पर आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार की गरीमामयी उपस्थिति रही। मेले की सफलता की कामना के साथ अपने एक संदेश में भारत सरकार की केंद्रीय कपड़ा और रेलवे राज्य मंत्री, दर्शना वी जरदोश ने आईएचजीएफ दिल्ली मेले की सराहना करते हुए इसे शिल्प उद्योग को बढ़ावा देने और उन्हें बातचीत करने, ज्ञान साझा करने और व्यावसायिक अवसरों का पता लगाने का एक उत्कृष्ट माध्यम बताया। उन्होंने मेला आयोजकों और प्रदर्शकों की सराहना की जो अपनी कड़ी मेहनत, रचनात्मकता और उद्यम के साथ भारत के दूरदराज के क्षेत्रों से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ाने में सक्षम हैं। इसके साथ ही बड़ी संख्या में प्रदर्शकों, विशेष रूप से छोटी और मध्यम संस्थाओं को एक मंच प्रदान करने में ईपीसीएच की भूमिका की भी सराहना की। अपने स्वागत भाषण में, ईपीसीएच के अध्यक्ष दिलीप बैद ने बदलते समय के बीच चुनौतियों का सामूहिक रूप से सामना करने और सेक्टर में उत्साह बनाए रखने के लिए हस्तशिल्प प्रदर्शकों की लचीलेपन की सराहना की।

उन्होंने परिषद के पूर्व अध्यक्षों के नेतृत्व में हस्तशिल्प बिरादरी के प्रयासों की सराहना की और आईएचजीएफ दिल्ली मेले की अनुकरणीय विरासत का श्रेय उनकी कड़ी मेहनत, दूरदर्शिता और नेतृत्व को दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह क्षेत्र और मेला लगातार ताकत हासिल करता रहेगा और दुनिया के सबसे सफल हस्तशिल्प मेलों में से एक के रूप में विकसित होता रहेगा।

आईएचजीएफ दिल्ली फेयर और दिल्ली फेयर-फर्नीचर के 56वें संस्करण के उद्घाटन की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा, यह आयोजन देश के सबसे बड़े और सबसे प्रतिष्ठित व्यापार मेलों में से एक है, जो हमारे सदस्य निर्यातकों, जो लगभग तीन दशकों से अपनी उत्कृष्ट शिल्प कौशल और अद्वितीय उत्पादों को दुनिया के सामने प्रदर्शित कर रहे हैं, उनकी उद्यमशीलता की भावना और रचनात्मकता का प्रमाण है। इसका श्रेय विदेशी खरीददार समुदाय को भी जाता है, जिन्होंने ईपीसीएच में आस्था और विश्वास जताया है और पिछले 30 सालों से शो के प्रत्येक संस्करण में लगातार भाग लिया है।

दिल्ली फेयर फर्नीचर के बारे में साझा करते हुए, उन्होंने आगे कहा फर्नीचर व्यापार के पारखी लोगों के लिए तैयार किया गया एक शो है, यह भारत भर में फैले शिल्प समूहों और उत्पादन क्षेत्रों से आधुनिक डिजाइन, नवाचार, हस्तनिर्मित संलयन और समकालीन और नए युग की सामग्रियों का विस्तृत चयन लाता है। दिल्ली फेयर फर्नीचर आयातकों, थोक विक्रेताओं, रिटेल चेन्स और सभी चीजों के फर्नीचर और सहायक उपकरण में काम करने वाले डिजाइन पेशेवरों के लिए वन स्टॉप सॉल्यूशन भी साबित होगा।

पायनियर
नई दिल्ली, शनिवार, 14 अक्टूबर, 2023

दंगा पीड़ित सिखों को 2014 के बाद ही मिला न्याय: शाह

गृहमंत्री ने कहा, मोदी सरकार ने 1984 के 300 दंगों से संबंधित मामलों को फिर से खोला, 5 लाख का मुआवजा दिया

● दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के कार्यक्रम को किया संबोधित

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के एक कार्यक्रम में गृहमंत्री अमित शाह को सम्मानित करते पदाधिकारी। फोटो: रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 1984 के सिख विरोधी दंगों को राजनीति से प्रेरित करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि इसके पीड़ितों को न्याय मिलने की शुरुआत 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार बनने के बाद ही हुई।

गृहमंत्री शुक्रवार को दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 2014 के बाद 1984 के दंगों से संबंधित 300 मामले फिर से खोले गए और प्रत्येक मृतक के परिवार को पांच लाख रुपये का मुआवजा दिया गया। उन्होंने कहा, 1984 के दंगों को कोई नहीं भूल सकता और ये जघन्य हत्याएं राजनीति से प्रेरित थीं।

मोदी सरकार के सत्ता में आने तक उन दंगों के मामले में किसी को सजा नहीं हुई। किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया और किसी ने 2014 तक एक भी दिन जेल में नहीं काटा था। शाह ने कहा कि जांच आयोग गठित किए गए लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक एसआईटी का गठन किया और 300 मामले दोबारा खोले गए तथा जो दोषी थे उन्हें जेल भेजना शुरू किया। गृह मंत्री ने कहा कि मामले अब भी चल रहे हैं और मोदी सरकार पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करेगी। शाह ने कहा कि इतने सालों के बाद मोदी सरकार ने 3,328 मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये मुआवजा देने की प्रक्रिया को पूरा किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों में प्रताड़ित किए गए सिख भाइयों और बहनों को नागरिकता संशोधन कानून के तहत नागरिकता देने का रास्ता खोला। सिख गुरुओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि सिख समुदाय के लोग धर्म और कर्म दोनों को समान रूप से लेकर आगे बढ़ते हैं और जब धर्म के लिए बलिदान की बात आती है तो एक सच्चा सिख कभी पीछे नहीं हटता।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संघर्ष के दिनों से आज देश की सुरक्षा तक सिख भाइयों का बलिदान बेमिसाल है। शाह ने सिख गुरुओं को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा, मैं सिख धर्म की गुरु परंपरा के सामने सिर झुकाता हूं। सिख पंथ की 10 पीढ़ियों की गुरु परंपरा ने दुनिया के सामने हमलावरों के अन्याय और बर्बरता के खिलाफ संघर्ष और बलिदान का एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है।

उन्होंने कहा कि नौवें सिख गुरु तेग बहादुर का देश के लिए योगदान कभी नहीं भुलाया जा सकता। शाह ने कहा कि कश्मीर की जनता पर मुगल शासक औरंगजेब के अत्याचारों के खिलाफ उनका सर्वोच्च बलिदान उनकी महानता को दर्शाता है। गृह मंत्री ने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरु तेग बहादुर की स्मृतियों का उत्सव मनाने का फैसला किया था तो निर्णय लिया गया था कि उनके स्तुतिगान की शुरुआत लाल किले पर उसी स्थान से होगी जहां उनके बलिदान की घोषणा की गई थी।

सीएम ने अभिभावकों से पीटीएम में भाग लेने का किया आग्रह

● बच्चों की प्रगति के लिए शिक्षकों से बात करें: केजरीवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को दिल्ली सरकार और नगर निगम (एमसीडी) द्वारा संचालित स्कूलों के छात्रों के अभिभावकों से आग्रह किया कि वह अपने बच्चों की प्रगति पर चर्चा करने के वास्ते अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) में भाग लेने के लिए स्कूल अवश्य पहुंचें।

शिक्षा मंत्री आतिशी और उप महापौर आले मोहम्मद इकबाल ने पीटीएम से पहले वीर सावरकर सर्वोदय विद्यालय में छात्रों के अभिभावकों से बातचीत की। केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर कहा, बच्चों की कामयाबी में उनके अभिभावकों का बहुत बड़ा योगदान होता है। आज दिल्ली सरकार और एमसीडी के सभी स्कूलों में अभिभावकों का ही दिन है। आज और कल दिल्ली सरकार और एमसीडी के सभी स्कूलों में मेगा-पीटीएम हो रही है। उन्होंने यह भी लिखा, सभी अभिभावकों से मेरी गुजारिश है कि हमेशा की तरह आज भी आप अपने बच्चों के साथ उनके स्कूल में आएं, बच्चों की प्रगति पर शिक्षकों से बात करें और भविष्य के लिए कैसे और बेहतर कर सकते हैं।

राजधानी में अपराध की कई वारदातों में तीन की हत्या

जामा मस्जिद इलाके में युवक को चाकू से गोदा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मध्य दिल्ली के जामा मस्जिद इलाके में 18 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, उसे बृहस्पतिवार और शुक्रवार की दरमियानी रात को घटना से संबंधित एक कॉल प्राप्त हुई।

पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान अरीब के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि उसके शरीर पर चाकू से कई बार वार किए गए थे, जिसके

फाइल फोटो

परिणामस्वरूप उसकी मौत हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, पुलिस का एक दल तुरंत मौके पर पहुंचा और जांच शुरू की। चार लोगों की पहचान हुई है और उन्हें पकड़ने के लिए प्रयास जारी हैं। उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दोस्त ने धारदार हथियार से किया हमला

नई दिल्ली। नरेला इलाके में युवक की कथित तौर पर उसके दोस्तों ने ही चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार पीड़ित की अपने दोस्तों के साथ बहस हो गई जिसके बाद उन लोगों ने उस पर हमला किया।

पुलिस ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार देर रात को हुई जब पीड़ित गुलशन अपने घर जा रहा था, तभी उसके तीन दोस्तों ने उस पर चाकू और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। घटना का एक कथित सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया में प्रसारित हुआ है जिसमें कुछ लोगों को गुलशन पर हमला करते देखा जा सकता है।

बेटे ने शराबी पिता का गला काटा

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके में अपने पिता की शराब पीने की लत से तंग आकर उसकी गला काटकर कथित तौर पर हत्या करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि यह घटना तब सामने आई जब आरोपी रिंकू यादव अपने पिता के शव को पश्चिम विहार स्थित श्मशान घाट लेकर आया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, श्मशान घाट पर, किसी ने मृतक की गर्दन और बांह पर कटने का निशान देखा। पुजारी को इस बारे में बताया गया। पुजारी ने जब यादव से पूछा तब उसे कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। उन्होंने बताया कि इसके बाद पुजारी ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस अधिकारी ने कहा, लगातार पूछताछ के बाद, रिंकू ने खुलासा किया कि उसने अपने पिता सतीश यादव की हत्या इस वजह से की क्योंकि वह शराब का आदी था और परिवार के लिए परेशानियां उत्पन्न कर रहा था। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ सिंह की याचिका को दिन के दौरान सूचीबद्ध करने पर दिल्ली उच्च न्यायालय के सहमति जताने के कुछ घंटों बाद यह प्रदर्शन हुआ।

संजय सिंह 27 तक न्यायिक हिरासत में

आबकारी घोटाला

● ईडी की हिरासत अवधि समाप्त होने से पहले सांसद को कोर्ट में पेश किया गया

● कोर्ट के अंदर असंबद्ध मामलों पर बयान नहीं देने के निर्देश

भाजपा मुख्यालय पर प्रदर्शन करते आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी की एक अदालत ने दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित कथित घोटाला मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह को शुक्रवार को 27 अक्टूबर तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इससे पहले, ईडी की हिरासत की अवधि खत्म होने पर सिंह को विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल के समक्ष पेश किया गया।

न्यायाधीश ने संक्षिप्त सुनवाई के दौरान सिंह को अदालत के अंदर असंबद्ध मामलों पर बयान नहीं देने का भी निर्देश दिया। सिंह ने अदालत के समक्ष यह दावा किया कि ईडी ने अडाणी के खिलाफ उनकी शिकायत पर कार्वाई नहीं की, जिसके बाद न्यायाधीश ने यह निर्देश जारी किया। सिंह उद्योगपति गौतम अडाणी का जिक्र कर रहे थे, जिन्हें केंद्र सरकार का करीबी माना जाता है। अडाणी को लेकर सिंह की पार्टी केंद्र सरकार पर हमलावर रही है। न्यायाधीश ने कहा, किसी असंबद्ध मामले पर बात न करें। यदि आप अडाणी और मोदी के बारे में भाषण देते हैं, तो मैं अब से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आपको पेश करने के लिए कहूंगा।

राज्यसभा सदस्य ने अदालत के समक्ष दावा किया कि ईडी ने हिरासत में पूछताछ के दौरान उनसे प्रासंगिक प्रश्न नहीं पूछे।

सिंह ने न्यायाधीश से कहा, उन्होंने बस इतना पूछा कि मैंने मां से पैसे क्यों लिए, मैंने अपनी पत्नी के खाते में 10,000 रुपये क्यों भेजे। ईडी मनोरंजन विभाग बन गया है, झूठ पर झूठ बोल रहा है। मैंने उन्हें अडाणी के खिलाफ शिकायत दी, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। सुनवाई के बाद, न्यायाधीश ने ईडी द्वारा दायर आवेदन पर आदेश सुनाया, जिसमें उनकी दो सप्ताह की न्यायिक हिरासत की मांग की गई थी न्यायाधीश ने कहा, चूंकि अपराध से अर्जित पूरी आय और धनशोधन के कथित अपराध में अन्य आरोपी व्यक्तियों की संलिप्तता का पता लगाने के लिए मामले की जांच अब भी लंबित है, इसलिए आरोपी को 27 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा जाता है। उन्हें उक्त तिथि पर अपराह्न 2 बजे इस अदालत के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है।

आप कार्यकर्ताओं का भाजपा मुख्यालय पर प्रदर्शन

आम आदमी पार्टी (आप) कार्यकर्ताओं ने आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन मामले को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह की गिरफ्तारी के खिलाफ शुक्रवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय के पास प्रदर्शन किया। भाजपा के खिलाफ नारे लगाते हुए आप कार्यकर्ताओं ने दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) मार्ग स्थित पार्टी मुख्यालय की ओर बढ़ने की कोशिश की, लेकिन पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवानों ने उन्हें रोक दिया।

रामलीलाओं में जी-20 सम्मेलन से लेकर काशी विश्वनाथ मंदिर की दिखेगी झलक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

इस साल दिल्ली की रामलीलाएं न केवल भव्यता और सौंदर्यशास्त्र के मामले में समृद्ध होंगी, बल्कि जी20 शिखर सम्मेलन की सफलता से लेकर वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर की प्रतिकृति तक की थीम पर आधारित होंगी।

राष्ट्रीय राजधानी में रामलीला समितियां तैयारी कर रही हैं। दिल्ली सरकार ने रामलीला और दुर्गा पूजा के लिए आधी रात तक लाउडस्पीकर के उपयोग की अनुमति दी है। हर साल लाल किला मैदान में रामलीला का आयोजन करने वाली लवकुश रामलीला समिति के अनुसार यहां फिल्मों और टेलीविजन की हस्तियां हर साल की तरह अहम किरदार अदा करेंगी। समिति के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा, लवकुश रामलीला समिति लाल किला मैदान पर तीन मंजिला मंच बनाएगी। मंच के शीर्ष पर काशी विश्वनाथ धाम की प्रतिकृति बनाई जाएगी। वाराणसी, मथुरा, राजस्थान और हरियाणा के कुशल कारीगर इसे तैयार कर रहे हैं। कुमार ने बताया कि कई अभिनेताओं के चयन की प्रक्रिया चल रही है।

उन्होंने कहा कि टीवी कलाकार गगन मलिक भगवान राम का किरदार निभाएंगे, वहीं हरियाणा की अभिनेत्री कविता जोशी सीता बनेंगी। कुमार ने कहा कि सूर्यवंश और सरफरोश जैसी फिल्मों में दमदार किरदारों के लिए मशहूर मुकेश ऋषि रावण की भूमिका अदा करेंगे। त्रिनगर स्थित श्रीराम धार्मिक लीला कमेटी इस बार जी20 सम्मेलन की सफलता की थीम लेकर चल रही है।

समिति करीब 60 लाख रुपए के बजट के साथ 15 से 24 अक्टूबर तक रामलीला का आयोजन करेगी। इसके अलावा नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा में केशव रामलीला समिति ने भारत मंडपम की प्रतिकृति बनाने की योजना तैयार की है।

समिति के अध्यक्ष अशोक गोयल ने कहा कि यहां दर्शकों के सेल्फी खींचने के लिए नटराज की एक मूर्ति भी लगाई जाएगी।

महर्षि विश्वामित्र बनेंगे मंत्री अश्विनी चौबे

नई दिल्ली। *केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे दिल्ली के प्रसिद्ध लव कुश रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित रामलीला में महर्षि विश्वामित्र का किरदार निभाएंगे। ज्ञात हो कि बक्सर महर्षि विश्वामित्र की तपोभूमि हैं। दिल्ली में आयोजित प्रेस वार्ता में केंद्रीय मंत्रीचौबे ने कहा कि मेरे लिए यह सौभाग्य की बात है कि महर्षि विश्वामित्र की तपोभूमि से हूं और मुझे उनका अभिनय करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। 17 अक्टूबर को ऐतिहासिक लाल किले के मैदान में लव कुश कमेटी द्वारा आयोजित रामलीला में केंद्रीय मंत्रीचौबे महर्षि विश्वामित्र का अभिनय करेंगे। केंद्रीय मंत्री चौबे ने कहा कि यह दशहरा, दुर्गापूजा, दीपावली खास है। अयोध्या में दिव्य व भव्य मंदिर में रामलला विराजमान हो रहे हैं। ऐसे में पूरे देश में उत्सव का माहौल है।*

फार्महाउस में अवैध कैसीनो का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने दक्षिणी दिल्ली के एक फार्महाउस में चलाए जा रहे अवैध कैसीनो का भंडाफोड़ कर इस सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) रवींद्र सिंह यादव ने बताया कि दक्षिणी दिल्ली के डेरा गांव में एक फार्महाउस में अवैध कैसीनो चलाए जाने की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और छापामारी कर 42 लोगों को जुआ खेलते हुए पाया। पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने वहां से पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान उन्होंने पुलिस को बताया कि वे कैसीनो का स्थान केवल अपने परिचित ग्राहकों के साथ साझा करते हैं और यहां का दरवाजा तभी खोला जाता है, जब कोई पासकोड साझा करता है।

पुलिस ने बताया कि मौके से कैसीनो टेबल, टोकन, आठ लाख रुपए नकद और शराब जब्त की गई। उसने बताया कि आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है तथा आगे की जांच जारी है।

पत्रकार सौम्या विश्वनाथन की हत्या मामले में 18 को फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2008 में टीवी पत्रकार सौम्या विश्वनाथन की हत्या के मामले में शुक्रवार को अपना फैसला 18 अक्टूबर के लिए सुरक्षित रख लिया।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रवीन्द्र कुमार पांडे ने फैसला सुनाए जाने के समय सभी आरोपियों को अदालत में उपस्थित रहने का निर्देश दिया। अदालत ने छह अक्टूबर को कहा था कि बचाव और अभियोजन पक्ष की दलीलें पूरी हो चुकी हैं। उसने अतिरिक्त दलीलों या स्पष्टीकरण के लिए सुनवाई 13 अक्टूबर के लिए स्थगित कर दी थी। विश्वनाथन 30 सितंबर, 2008 को देर रात अपनी कार से घर लौट रही थी, उसी दौरान उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

पराली संकट: धान के खेतों में बायो-डीकंपोजर का छिड़काव

● 5,000 एकड़ भूमि को कवर किया जाएगा: राय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी में किसानों को पराली जलाने से रोकने के लिए दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने धान के खेतों में जैव अपघटक (बायो-डीकंपोजर) के छिड़काव को लेकर एक अभियान शुरू किया।

राजधानी में पराली गलाने के लिए नि:शुल्क बायो डी-कंपोजर के छिड़काव की तिगीपुर से शुरू हुआ। केजरीवाल सरकार इस साल 5 हजार एकड़ से ज्यादा क्षेत्रफल के खेतों में नि:शुल्क बायो डी-कंपोजर का छिड़काव करवाएगी। जिसके लिए 13 टीम का गठन किया गया है। किसानों को पराली जलाने से रोकने के लिए दिल्ली सरकार राजधानी में 2020 से पूसा जैव अपघटक का इस्तेमाल कर रही है। यह जैव अपघटक एक माइक्रोबियल द्रव्य है, जो धान के अवशेषों को 15-20 दिनों में विघटित कर देता है।

राय ने कहा कि सरकार ने पिछले साल 4,400 एकड़ धान के खेतों में जैव अपघटक का छिड़काव किया था और इस सीजन में 5,000 एकड़ भूमि को कवर किया जाएगा।

प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी आग

नई दिल्ली। *पश्चिमी दिल्ली के उद्योग नगर इलाके में शुक्रवार को सुबह प्लास्टिक की एक फैक्ट्री में मामूली आग लग गई। दमकल अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आग से किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। दिल्ली दमकल सेवा के अधिकारियों ने बताया कि उद्योग नगर मेट्रो स्टेशन के निकट स्थित फैक्टरी में सुबह छह बजे आग लगी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर दमकल के कम से कम 26 वाहनों को आग बुझाने के लिए रवाना किया गया और उन्होंने चार घंटों में आग पर काबू पाया। अधिकारियों के मुताबिक, इमारत की पहली मंजिल पर आग लगी और जल्द ही दूसरी मंजिल पर भी फैल गई। मजदूर और अन्य कर्मचारी समय पर इमारत से बाहर निकल गए। पुलिस को संदेह है कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है। मामले की जांच की जा रही है।*

सायरन की आवाज से टूटी नींद, राहत शिविरों में गुजारा वक्त

● इजराइल से लौटे भारतीयो ने हमास के हमले के बाद की सुनाई खौफनाक दास्तां

इजराइल से भारतीयों का पहला जत्था शुक्रवार को लौटा, एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया गया।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

घर लौटने की खुशी और बीते कुछ दिनों से आंखों के सामने से गुजरे डरावने मंजर से सहमे करीब 200 भारतीयों का पहला जत्था एक चार्टर्ड विमान से शुक्रवार को तड़के दिल्ली पहुंच गया।

इजराइल से वापस लौटे कुछ भारतीयों के कान में अभी भी हवाई हमले से सतर्क करने वाले सायरन, रॉकेट दागने की आवाजें और चीख-पुकार गूंज रही है। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने दिल्ली हवाई अड्डे पर यात्रियों का स्वागत किया। उन्होंने हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया और उनमें से कुछ लोगों से हाथ मिलाते हुए कहा वेलकम होम। दक्षिणी इजराइल में शनिवार को सुबह हमास द्वारा अचानक किए गए ताबड़तोड़ हमलों से इजराइल दहल उठा था। इजराइल में कम से कम 700 लोगों की मौत और 2100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इजराइल और हमास के बीच इस संघर्ष को पिछले 50 वर्षों में सबसे घातक माना जा रहा है। इजराइल में 2019 से रह रहे शोधकर्ता शाश्वत सिंह अपनी पत्नी के साथ दिल्ली पहुंचे। उन्होंने बताया, हम हवाई हमले की सूचना देने वाले सायरन की आवाज सुनकर उठे। हम मध्य इजराइल में रहते हैं। मुझे नहीं पता कि यह संघर्ष क्या रूप लेगा।

कृषि क्षेत्र में अनुसंधान कर रहे सिंह ने कहा कि उन सायरन की आवाज और बीते कुछ दिनों के भयावह अनुभव अभी भी उन्हें डरा रहे हैं। सिंह ने कहा, भारतीयों को सुरक्षित निकालना एक सराहनीय कदम है। हमें उम्मीद है कि शांति बहाल होगी और हम काम पर वापस लौटेंगे। भारत सरकार ईमेल के माध्यम से हमारे साथ संपर्क में थी। हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इजराइल में भारतीय दूतावास के आभारी हैं।

हमास आतंकवादियों द्वारा पिछले शनिवार को इजराइल पर ताबड़तोड़ हमले किए जाने और फिर इजराइल की जवाबी कार्रवाई के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया था, जिसके परिणामस्वरूप स्वदेश वापसी के इच्छुक लोगों को वापस लाने के लिए भारत ने ऑपरेशन अजय शुरू किया। घर वापस आने वाले कई विद्यार्थियों ने शनिवार की उस डरावनी रात को याद किया और बताया कि हमास के हमलों के मद्देनजर कैसे उन्हें बार-बार अस्थाई शिविरों में भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। पश्चिम बंगाल के निवासी और इजराइल के बीरशेबा में बेन-गुरियन यूनिवर्सिटी ऑफ द नेगेव में पीएचडी के प्रथम वर्ष के छात्र सुपर्नो घोष विशेष विमान से दिल्ली पहुंचे भारतीय समूह का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, हम नहीं जानते थे कि आखिर हुआ क्या।

शनिवार को कुछ रॉकेट दागे गए लेकिन हम अस्थाई शिविरों में सुरक्षित थे। कई छात्राओं ने हमले के दौरान उस भयावह स्थिति से गुजरने का अपना अनुभव साझा किया। जयपुर की रहने वाली मिनी शर्मा ने बताया, हालात बहुत ही डरावने थे।

हम वहां नागरिक के तौर पर नहीं थे.. हम वहां सिर्फ विद्यार्थी के तौर पर थे। इसलिए जब भी सायरन बजता तो हमारे लिए हालात और डरावने हो जाते थे।

सत्यवती कॉलेज में तीन दिवसीय 'युवा' का विमर्श कॉन्क्लेव शुरू

सत्यवती कॉलेज में तीन दिवसीय विमर्श कॉनक्लेव में उपस्थित वक्ता।

नई दिल्ली। सत्यवती कॉलेज में युवा द्वारा तीन दिवसीय विमर्श कॉनक्लेव शुरू हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन शुक्रवार को प्रसिद्ध विद्वान मुकुल कानिटकर के वक्तव्य से हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बचपन स्कूल के संस्थापक अजय गुप्ता, अतिथि के रूप में सत्यवती कॉलेज की प्राचार्या डॉ अंजू सेठ, डीन ऑफ कॉलेजेस प्रो. बलराम पाणी एवं युवा के संयोजक कविंद्र तालियान तथा विमर्श की संयोजिका सुमान्या उपस्थित रहीं। कॉनक्लेव में विद्वान मुकुल कानिटकर ने युवाओं को संबोधित किया, उन्होंने कहा कि हम सभी भारत मां को मां कहते तो हैं किंतु मानते हैं कि नहीं यह प्रश्न स्वयं से पूछना चाहिए। कॉनक्लेव में प्रो. भरत गुप्त, प्रो. एल पुष्पा कुमार, यतीन किश्वर, अनिमेष व कृष्ण शर्मा ने अपने विचार रखे। इसके आलावा प्रो. दीपिका सिंह, प्रो. फिरमी बोडो व डॉ जैकलोंग वसुमैत्री, अनिल गुप्ता, मल्लिकार्जुन आईथा, अलंकृता पांडेय, वरुण श्रीवास्तव व प्रवीण आर्या ने संबोधित किया।

शिक्षा और संस्कार एक दूसरे के पूरक: बंडारू दत्तात्रेय

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

राज्यपाल ने सिलोखरा गांव में उत्सव फाउंडेशन में अंकुरम लैब का किया उद्घाटन

विभिन्न क्षेत्रों में सेवारत सामाजिक संस्थाओं व व्यक्तियों को किया सम्मानित

गुरुग्राम के गांव सिलोखरा में स्थित उत्सव फाउंडेशन में रूप वीके जैन फाउंडेशन के सहयोग से स्थापित अंकुरम (एक उन्नत सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र) का उद्घाटन करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि शिक्षक के रूप में शिक्षा का मुख्य उद्देश्य शिष्यों को सभ्य एवं शिक्षित बनाना है, ना केवल साक्षर। शिक्षक व अभिभावक होने के नाते हमारा दायित्व है कि हम बच्चों में नैतिक मूल्यों के साथ साथ उनमें संस्कार की भी वृद्धि करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा और संस्कार एक-दूसरे के पूरक हैं। अगर आपके संस्कार सही हैं तो आपकी शिक्षा भी सही दिशा में जाएगी। यह बात उन्होंने शुक्रवार को सिलोखरा गांव में स्थित उत्सव फाउंडेशन में रूप वीके जैन फाउंडेशन के सहयोग से स्थापित अंकुरम (एक उन्नत सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र) के उद्घाटन अवसर पर कही।

इस दौरान सामाजिक कार्य करने वाली संस्थाओं व गणमान्यों का सम्मान भी किया गया। इस दौरान उन्होंने फाउंडेशन के विद्यार्थियों द्वारा विज्ञान विषय पर तैयार की गई अत्याधुनिक मॉडल की प्रदर्शनी को भी देखा। राज्यपाल ने कहा कि हमारा दायित्व है कि युवा पीढ़ी को सही मार्ग दिखाएं, ताकि आने वाला कल अच्छा हो। स्कूल में शिक्षा व घर पर संस्कारों को लेकर उनके साथ रोजाना बातचीत की जाए तो बच्चे स्वयं ही नैतिक मूल्य व संस्कारों के प्रति सजग रहेंगे जिससे हमारा दायित्व भी पूरा हो जाएगा। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के भीतर पहले से निहित पूर्णता की अभिव्यक्ति है, शिक्षक का काम मात्र विद्यार्थियों के रास्ते की बाधाओं को दूर करना ही नहीं, बल्कि उन्हें संस्कारवान, कुशल एवं नेक इंसान बनाना भी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल एवं सशक्त नेतृत्व में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तैयार की गई है। जिसमें शिक्षार्थी के संपूर्ण विकास जैसे की साक्षरता,संख्याज्ञान, तार्किकता, समस्या समाधान, नैतिक, सामाजिक, भावनात्मक मूल्यों के विकास पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सामाजिक संस्थाओं के गणमान्यों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि देश के उज्ज्वल भविष्य की सुदृढ़ नींव के लिए शिक्षा सबसे प्रमुख माध्यम है। ऐसे में शिक्षा के क्षेत्र में योगदान दे रही सामाजिक संस्थाएं इसे एक कार्यक्रम का रूप देकर आगे बढ़े। उन्होंने फाउंडेशन में पढ़ रहे बच्चों के अभिभावकों से कहा कि बच्चों को शिक्षित करने में फाउंडेशन अपना पूर्ण योगदान दे रहा है। इसलिए यह जरूरी है कि आप घर पर भी उन्हें शिक्षा का बेहतर वातावरण उपलब्ध कराएं। राज्यपाल ने फाउंडेशन के बच्चों से कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपने जीवन में अपना लक्ष्य निर्धारित करके आगे बढ़ना चाहिए। पढ़ाई के साथ निरंतर क्रियात्मक गतिविधियों में भाग लेकर अपना चरित्र निर्माण भी करना चाहिए। उचित समय पर किए गए प्रयास कभी विफल नहीं होते है। इसलिए एकाग्रचित होकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़े एवं अच्छी आदतों का निर्माण करते हुए जीवन में सफलता की ओर अग्रसर होते रहे।

किसानों को समृद्ध करने में कारगर साबित हो रहा है पैक्स: ओम प्रकाश धनखड़

गुरुग्राम में प्राइमरी एग्रीकल्चर कॉऑपरेटिव सोसाइटी (पैक्स) की संगोष्ठी में मुख्य अतिथि ओमप्रकाश धनखड़ को स्मृति चिन्ह देते आयोजक।

गुरुग्राम में हुई पैक्स के पदाधिकारियों की बैठक

गुरुग्राम। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि पैक्स सशक्तिकरण योजना किसानों की समृद्धि में कारगर साबित हो रही है। संगोष्ठी में प्रदेश के सभी जिलों के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। सहकारिता किसानों की सफलता का ऑइकॉन बनें और लगन तथा विजन के साथ किसानों को आगे बढ़ाने में अपनी अहम भूमिका निभाएं। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता हरको बैंक के चेयरमैन हुकम सिंह भाटी ने की। वे शुक्रवार को गुरुग्राम में प्राइमरी एग्रीकल्चर कॉऑपरेटिव सोसाइटी (पैक्स) के द्वारा एक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि प्रदेश में खेती को सबसे बड़े व्यवसाय का दर्जा हासिल है। हरको ग्रामीण स्तर पर अपने तंत्र में आमूल-चूल परिवर्तन करने जा रहा है। इसके तहत गांवों में चल रही प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) से किसानों को मजबूत करने की कवायद है। गांव में सहकारी समिति (सीएस) खोली जाएंगी। इनमें 176 तरह की सेवाएं दी जाएंगी। इनके माध्यम से किसान को गांव में दुकान, कोल्ड स्टोरेज, कॉमन सर्विस सेंटर, जन औषधि केंद्र से लेकर पेट्रोल पंप तक खोलने की सुविधा होगी।

इसके लिए सरकार की ओर से ऋण उपलब्ध करवाया जाएगा। धनखड़ ने कहा कि गांव स्तर पर अब महिलाओं को भी सहकारी समितियों में भागीदार बनाकर दोनों को सशक्त किया जाना है। इसके लिए प्रदेश में मल्टीपर्पज सहकारी समिति बनाने को मंजूरी देने और महिला सहकारी समिति को पांच-पांच लाख रुपये कर्ज देने का प्रविधान रखा गया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से ही ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक खुशहाली लाई जा सकती है। महिलाओं और युवाओं को सहकारिता से अधिक से अधिक जोड़ने के लिए कार्य किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने हमेशा गरीबों, किसानों और ग्रामीण वर्ग पर विशेष ध्यान दिया है।

प्राइमरी एग्रीकल्चर कॉऑपरेटिव सोसाइटी (पैक्स) के बारे में हरको बैंक के चेयरमैन हुकम सिंह भाटी ने कहा कि हर 5 से 15 गांव पर एक पैक्स होती है। हरियाणा में 770 पैक्स है, जिसमें से 750 पैक्स वर्किंग है। पैक्स में जितने भी मेंबर व डायरेक्टर होते हैं वह किसान ही होते हैं। सरकार डीएपी खाद का वितरण पैक्सो के जरिए करती है। सभी पैक्स में 29 लाख 70 हजार मेंबर्स हैं। उन्होंने कहा कि पैक्स किसानों की खुशहाली के लिए हर संभव प्रयास करते हुए प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी के किसानों की आयु दोगुनी करने के सपने को साकार कर रहे हैं।

नार्थ जोन बैटल ऑफ रॉक बैंड्स-2023 में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

गुरुग्राम। रोटरी पब्लिक स्कूल सेक्टर-22 में शुक्रवार को टोरिन्स ग्रुप द्वारा क्षेत्रीय बैंड प्रतियोगिता टोरिंस बैटल ऑफ दा बैंड्स एलिमिनेशन-2023 का भव्य आयोजन किया गया। इसमें रोटरी पब्लिक स्कूल के रॉक बैंड रॉक एन रोटरी ने भी अपनी प्रतिभा दिखाई। स्कूल मैनेजिंग कमेटी के चेयरमैन पास्ट प्रेजिडेंट परमजीत सिंह ओबेरॉय, रोटेरियन ओपी पाहवा, मैनेजिंग कमेटी के गणमान्य अतिथि, अभिभावकों ने इस कार्यक्रम की सराहना की। पराग जैन शास्त्रीय संगीत कलाकार व रोजर जॉन शास्त्रीय संगीतकार एवं पश्चिमी गायन संगीतकार निर्णायक के रूप में मौजूद रहे। सात संगीत बैंडों के बीच यह प्रतिस्पर्धा हुई। प्रत्येक रॉक बैंड प्रतिभागी टीम ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन किया। अपने जोश, ऊर्जा और समन्वय से अन्य सभी रॉक बैंड्स टीम के प्रदर्शनों को पीछे छोड़ रोटरी पब्लिक स्कूल के रॉक बैंड रॉक एन रोटरी को प्रथम पुरस्कार दिया गया। इसके साथ-साथ बेस्ट बेसिस्ट रेशव रॉक एन रोटरी, बेस्ट गिटारिस्ट अस्मित सेठी, रॉक एन रोटरी को दिया गया। रोटरी पब्लिक स्कूल रॉक बैंड टीम, रॉक एन रोटरी को रिजनल फाइनल्स जालंधर के लिए चुना गया।

ओजांक आईएएस एकेडमी ने आधुनिक गुरुकुल अवधारणा के साथ नोएडा को किया रूपान्तरित

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ओजांक शुक्ला के दूरदृष्टा नेतृत्व में ओजांक आईएएस एकेडमी-नोएडा में गुरूकुल की स्थापना के द्वारा यूपीएससी कोचिंग के तरीकों में बदलाव लेकर आई है। मुखर्जी नगर के भीड़भाड़ भरे वातावरण से नोएडा के शांत माहौल की ओर रुख करने से कोचिंग शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आएगा और छात्र समग्र दृष्टिकोण के साथ यूपीएससी की तैयारी कर सकेंगे।

नोएडा में प्रति व्यक्ति आय तेज़ी से बढ़ रही है, 2011-12 में यह आंकड़ा राज्य के औसत की तुलना में 7.8 गुना था, जो 2019-20 में बढ़कर 9 गुना हो गया है। आज नोएडा उद्योगों, कार्यालयों, इंटरनेशनल स्कूलों और प्रख्यात युनिवर्सिटियों का हब बन गया है। इसी के मद्देनजर ओजांक सर, ओजांक आईएएस को नोएडा ला रहे हैं। मुखर्जी नगर की भीड़-भाड़ से दूर नोएडा में यह संस्थान छात्रों को शांत एवं सुखद वातावरण में पढ़ने का मौका देगा। यह लगातार विकसित होते नोएडा में बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

नोएडा को शैक्षणिक हब में बदलने के दृष्टिकोण के साथ ओजांक सर गुरूकुल का लॉन्च कर रहे हैं, इस अनूठे कोचिंग संस्थान में गुरू शिक्षा की पारम्परिक परम्परा का उपयोग किया जाता है। गुरूकुल में छात्र 24 घण्टे लर्निंग में सक्रिय रहते हैं, उन्हें न सिर्फ अकादमिक अध्ययन करने बल्कि अन्य रोचक गतिविधियों में भी हिस्सा लेने का मौका मिलता है, जिन्हें खासतौर पर यूपीएससी परीक्षा की व्यापक तैयारी को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है।

गुरुकुल: जहां लर्निंग के साथ-साथ सुरक्षा को भी किया जाता है सुनिश्चित : हाल ही में मुखर्जी नगर में आग की दुर्घटना के बाद ओजांक आईएएस एकेडमी गुरूकुल में सुरक्षा को प्राथमिकता देती है। संस्थान के स्पेशियस इन्फ्रास्ट्रक्चर में उचित वेंटीलेशन, तीन एक्जिट गेट और अग्निशामक की सुविधाएं हैं, जो हर छात्र की सुरक्षा और कल्याण को सुनिश्चित करती हैं। संस्थान के लिए सभी ज़रूरी एनओसी (नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) लिए गए हैं, जो लर्निंग का सुरक्षित वातावरण प्रदान करने की गुरुकुल की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

ओजांक सर में अभिभावकों का भरोसा : ओजांक सर की मानवीयता और समर्पण के चलते अभिभावक उन पर भरोसा करते हैं। उन्हें विश्वास है कि गुरूकुल में उनके बच्चे आरामदायक माहौल में पढ़ सकेंगे। संस्थान अकादमिक शिक्षा के दायरे से आगे बढ़कर दूर-दराज के इलाकों से आने वाले छात्रों को हॉस्टल सुविधाएं भी उपलब्ध कराता है, जहां उन्हें घर जैसा माहौल मिलता है।

गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में आयोजित हाफ मैराथन में दौड़े युवा

गुरुग्राम। युवा पीढ़ी को नशे के खिलाफ जागरूक करने के उद्देश्य से शुक्रवार 13 अक्टूबर को गुरुग्राम विश्वविद्यालय के खेल विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में नशामुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल का के तहत हाफ मैराथन दौड़ का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री कौशल किशोर ने ऑनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों को नशा मुक्ति के खिलाफ शपथ दिलाई।

गुरुग्राम विवि के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने हाफ मैराथन दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह दौड़ विवि परिसर से प्रारंभ होकर आसपास के क्षेत्रों से होते हुए वापस विवि में समाप्त हुई। अतिथि कौशल किशोर ने अपने कहा कि नशा समाज के लिए अभिशाप है। युवा देश के विकास की नींव होते हैं, परन्तु दुर्भाग्यवश युवा नशा करके अपने व्यक्तित्व, परिवार, समाज को क्षति पहुंचा रहे हैं।

भारतीय शिक्षा को विश्व स्तरीय बनाने के लिए ए.आई.ए.ए.एस.सी एवं डब्लू.ए.एस.सी के बीच समझौता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में आज अमेरिकन इंटरनेशनल एक्रेडिशन एसोसिएशन स्कूल्स एंड कालेजेस (ए.आई.ए.ए.एस.सी) ने वेस्टर्न एसोसिएशन ऑफ स्कूल्स एंड कॉलेजेस (डब्लू.ए.एस.सी) के साथ अपने गठबंधन की घोषणा की है, जिसके अंतर्गत भारत एवं विश्व के अन्य हिस्सों में इंटरनेशनल स्कूल्स को संयुक्त मान्यता प्रदान की जाएगी।

इस गठबंधन से शिक्षा के क्षेत्र में भारत-अमेरिका के संबंधों में मजबूती आएगी। ए.आई.ए.ए.सी और डब्लू.ए.एस.सी दोनों ही मान्यता प्रदान करने वाले प्रतिष्ठित संकाय हैं, जिन्होंने इंटरनेशनल स्कूल्स में प्रदान की जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए सर्वोच्च मानकों और संकेतकों के साथ पैरामीटर निर्धारित किए हैं। इस गठबंधन द्वारा स्कूलों को अमेरिकन पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए शिक्षा की उच्च गुणवत्ता प्राप्त करना संभव हो जाएगा और वो कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों के लिए मान्य अमेरिकन हाई स्कूल डिप्लोमा प्रदान कर पाएंगे। ए.आई.ए.ए.एस.सी के चेयरमैन, डॉ. रोनाल्ड जे कोवाच ने कहा, ए.आई.ए.ए.एस.सी. को ए.एस.सी. डब्लू.ए.एस.सी. के साथ यह नया गठबंधन करने की खुशी है। इस गठबंधन की मदद से हम विश्व में उच्च गुणवत्ता की अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा प्रदान करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता पूरी कर पाएंगे।

हम दोनों ही संगठनों के सदस्यों के लिए स्कूल में सुधार लाने के संसाधनों का उपयोग करने, विश्व में अपने संपर्कों का विकास करने, और विद्यार्थियों के कल्याण के लिए एक मजबूत आधार एवं सपोर्ट स्थापित करने के अवसर प्रदान करने के लिए उत्साहित हैं। डब्लू.ए.एस.सी. के प्रेसिडेंट, डॉ. बैरी आर. ग्रोव्स ने कहा, इस नए सदस्यता के अवसर को स्वीकार करके हम विश्व में सर्वोच्च अमेरिकन इंटरनेशनल स्कूलों को अपनी पहुँच एवं विकल्पों का विस्तार करने में मदद करने की अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर रहे हैं। डब्लू.ए.एस.सी. अपने कठोर गुणवत्ता मोहनालक्ष्मी, एसोसिएट एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर, ए.आई.ए.ए.एस.सी ने कहा, ए.आई.ए.ए.एस.सी. अपने साझेदार ए.एस.सी डब्लू.ए.एस.सी का स्वागत करता है और ए.आई.ए.ए.एस.सी की सदस्यता पाने के लिए इसकी मान्यता प्रणाली की गुणवत्ता को स्वीकार करता है।

आर्टेमिस हॉस्पिटल में 29 साल की महिला के शरीर से आठ किग्रा का ट्यूमर निकाला गया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

आर्टेमिस हॉस्पिटल, गुरुग्राम में डॉक्टरों की टीम ने 8 किलोग्राम का ट्यूमर निकालने में सफलता पाई है। 29 साल की मरीज ललिता के पेट में करीब 19.68 इंच के आकार का यह ट्यूमर था। ट्यूमर के कारण ललिता को बहुत असहज स्थिति का सामना करना पड़ रहा था। इस फिब्रोइड ट्यूमर के आकार के कारण उन्हें बहुत दर्द और सांस लेने में परेशानी भी हो रही थी।

आर्टेमिस हॉस्पिटल, गुरुग्राम में सीनियर कंसल्टेंट-ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी डॉ. स्मिता वत्स, डॉ. दीपा माहेश्वरी, डॉ. आशा शर्मा और सीनियर कंसल्टेंट-सर्जिकल ओंकोलॉजी डॉ. तपन चौहान के नेतृत्व में इस सर्जरी को अंजाम दिया गया। इस सर्जरी से न केवल मरीज को तकलीफदेह लक्षणों से मुक्ति दी गई, बल्कि उनकी प्रजनन क्षमता को भी बचाए रखने में मदद मिली। ऑपरेशन से ललिता के जीवन की गुणवत्ता पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इस अनुभव को लेकर भिवाड़ी की ललिता बताती हैं, 'मेरे पेट में गांठ थी, लेकिन थोड़ी-बहुत परेशानी के अलावा मेरा स्वास्थ्य सही लग रहा था। तकलीफ थोड़ा बढ़ने पर हमने भिवाड़ी में ही एक हॉस्पिटल में दिखाया। वहां से मुझे आर्टेमिस हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। यहां हम डॉ. आशा, डॉ. दीपा और डॉ. स्मिता से मिले। उन्होंने जांच और सर्जरी की। उन्होंने मेरे शरीर से आठ किलो का फिब्रोइड निकाला है। गर्भाशय समेत मेरे शरीर के किसी भी अन्य अंग पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ा है। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं। इस सफल सर्जरी के लिए मैं डॉक्टरों की टीम की आभारी हूं।'

ललिता की सर्जरी में करीब 4.5 घंटे का समय लगा। फिब्रोइड के बड़े आकार के कारण सर्जरी में कई चुनौतियां थीं। फिब्रोइड पूरे पेट में फैला था और इस कारण से सर्जरी बहुत मुश्किल थी। टीम ने पूरी सतर्कता के साथ सर्जरी को संभाला। डॉ. स्मिता वत्स कहती हैं, 'केस की जटिलता के कारण सर्जरी की पूरी रणनीति बनानी थी, जिससे गर्भाशय एवं प्रजनन अंगों को सुरक्षित रखा जा सके।' डॉ. आशा कहती हैं कि यह सर्जरी दिखाती है कि यदि विशेषज्ञता एवं संवेदना साथ हों, तो असीम संभावनाएं बनती हैं। सर्जरी में थोड़ी भी देरी हुई होती, तो मुश्किल आ सकती थी। डॉ. दीपा माहेश्वरी ने कहा, 'ललिता की शादी को अभी नौ महीने ही हुए थे। इस फिब्रोइड के कारण उनकी प्रजनन क्षमता को खतरा हो सकता था।

पर्यावरण संरक्षण के लिए अदानी विल्मार ने दिए एक करोड़ रुपये

गुरुग्राम में हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के एडिशनल सीईओ गौरव सिंह को एक करोड़ का चेक भेंट करते अदानी विल्मार कंपनी के अधिकारी अभिषेक सिंह।

गुरुग्राम। कारपोरेट सामाजिक सहभागिता कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को अदानी विल्मार ग्रुप की ओर से हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट को एक करोड़ की राशि का चेक प्रदान किया गया। यह चेक ट्रस्ट के एडिशनल सीईओ गौरव सिंह ने प्राप्त किया।

सीईओ गौरव सिंह ने बताया कि अदानी विल्मार कंपनी के अधिकारी अभिषेक सिंह ने प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण और तालाबों की दशा सुधारने के लिए आज एक करोड़ की राशि का चेक प्रदान किया है। कॉरपोरेट सामाजिक सहभागिता कार्यक्रम के तहत प्राप्त हुई इस धनराशि का पूर्ण सदुपयोग किया जाएगा। इस राशि को पर्यावरण संरक्षण व जोहड़ों को सुंदर बनाने पर खर्च किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से सीएसआर के तहत अनेक जनकल्याणकारी कार्य करवाए जा रहे हैं, जिनका लाभ अनेक गांवों के निवासियों तथा स्कूली विद्यार्थियों को मिल रहा है।

डाबर ऑक्सीलाइफ ने शिरीन मर्चेंट के साथ मिल कर स्किन और ब्यूटी सेमिनार का आयोजन किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत की अग्रणी नेचुरल हेल्थ और ब्यूटी केयर कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने जानी मानी हेयर एंड स्किन केयर स्पेशलिस्ट शिरीन मर्चेंट के साथ मिल कर पहला ऑक्सीलाइफ प्रोफेशनल लुक एंड लर्न सेमिनार आयोजित किया। ऑक्सीलाइफ सैलून के प्रोफेशनल्स ने नई क्रांतिकारी ऑक्सीजन आधारित स्किन केयर की शुरुआत की है। इससे त्वचा में आश्चर्यजनक रूप से निखार आएगा।

ऑक्सीलाइफ के पास उपभोक्ता की त्वचा की समस्याओं के अनुरूप उत्पादों की विस्तृत रेंज उपलब्ध है। इसकी पेटेंटेड ऑक्सीकेयर टेक्नोलॉजी त्वचा में चमक और निखार को वापिस ला कर इसे नया जीवन प्रदान करती है। इस ऑक्सीलाइफ प्रोफेशनल सेमिनार का आयोजन जानी मानी विशेषज्ञ शिरीन मर्चेंट के साथ करते हुए हमे बेहद खुशी हो रही है। ब्यूटी प्रोफेशनल्स के लिए अपनी स्किन केयर, मेकअप और सकल स्वस्थ्य की समझ को बढ़ाने का यह एक शानदार अवसर था डाबर इंडिया लिमिटेड के स्किनकेयर डीजीएम विराट खन्ना ने कहा।

इस आयोजन में 300 से भी अधिक सैलून मालिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर लाइव डिमॉन्स्ट्रेशंस, आपसी बातचीत सत्र और प्रश्न उत्तर सत्र का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में भाग लेने वालों को कई व्यवहारिक जानकारियां मिली और निजी सलाह हासिल करने का मौका मिला। इस सब से बढ़ कर उन्हे लेटेस्ट क्या रुझान चल रहे हैं यह जानने का अवसर भी मिला।

एक ब्रांड के रूप में हम अब एक नए प्रोफेशनल स्पेस में संभावनाओं को तलाश रहे हैं। हमारा प्रयास है कि हम अपने उत्पादों के साथ सर्वश्रेष्ठ परिणाम दें। हमारी पेटेंटेड ऑक्सीलाइफ टेक्नोलॉजी त्वचा में ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ती है और इस नरम, मुलायम और पोषित लुक प्रदान करती है। इस सेमिनार ने सैलून मालिकों को क्राल्टी उत्पादों को जानने और समझने का अवसर दिया है। सभी भाग लेने वालों को स्किन केयर और ब्यूटी की बेहतर समझ मिली है। खन्ना कहते हैं।

360 वन वेल्थ हुरुन दिल्ली रिच लिस्ट 2023

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हुरुन रिपोर्ट इंडिया और 360 वन वेल्थ ने '360 वन वेल्थ हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2023' के 2023 संस्करण का अनावरण किया। 1,000 करोड़ रुपये या उससे अधिक की संपत्ति वाले सबसे अमीर व्यक्तियों का संकलन। हुरुन रिपोर्ट इंडिया और 360 वन वेल्थ ने आज 360 वन वेल्थ हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2023 में दिल्ली के सबसे अमीर लोगों का एक और विश्लेषण शुरू किया। संपत्ति की गणना 31 अगस्त 2023 का snapshot है।

दिल्ली सूची में व्यक्तियों की संचयी संपत्ति में पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। 4 नामों के साथ, बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज, डाबर इंडिया और हीरो मोटोकॉर्प ने दिल्ली सूची में क्रमश: 9,200 करोड़ रुपये, 69,200 करोड़ रुपये और 36,200 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। 10,200 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ, रेनू मुंजाल इस सूची में शामिल होने वाली सबसे अमीर महिला हैं। इंडिया रिच लिस्ट के बारे में 360 वन वेल्थ के संयुक्त सीईओ और सह-संस्थापक अनिरुद्ध तापड़िया ने कहा, ''360 वन वेल्थ हुरुन इंडिया रिच लिस्ट का 2023 संस्करण दिल्ली में धन की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। पिछले वर्ष की तुलना में संचयी संपत्ति में 19 प्रतिशत की वृद्धि के साथ, दिल्ली के अभिजात वर्ग ने अपनी आर्थिक शक्ति का प्रदर्शन किया है।

दिल्ली के शीर्ष 10 व्यक्तियों के पास राज्य की कुल संपत्ति का लगभग 41 प्रतिशत हिस्सा है। दिल्ली की 13 महिलाओं को अमीरों की सूची में देखना उत्साहजनक है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, हुरुन इंडिया के एमडी और मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने कहा, दिल्ली में धन परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहा है, और हमारा शोध इस विकास में योगदान देने वाले उद्योगों की विविधता को दर्शाता है।

छोटे स्तर पर कृषि कार्य करने वाली महिला किसानों को वॉलमार्ट फाउंडेशन के अनुदान से मिल रही बेहतर वित्तीय आजादी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस पर वॉलमार्ट फाउंडेशन के मार्केट एक्सेस प्रोग्राम के बारे में जानकारी दी गई। इसमें एक्सेस, मर्सी कॉर्प्स और सृजन जैसे एनजीओ (NGO) के प्रभावशाली प्रयासों और सहयोग के बारे में बताया गया।

वॉलमार्ट फाउंडेशन ने अपने मार्केट एक्सेस प्रोग्राम के माध्यम के जरिए देश के 9 राज्यों - आंध्र प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में कृषि समुदायों का सहयोग कर रहा है। भारत में किसानों की आजीविका में सुधार लाने के उद्देश्य से मार्च 2023में इसकी शुरुआत की गई। वॉलमार्ट फाउंडेशन ने एक नई पांच-वर्षीय रणनीति की घोषणा कि इसका लक्ष्य 2028 तक कम से कम 50 प्रतिशत महिलाओं के साथ एक मिलियन छोटे किसानों तक पहुंचना है। वर्ष 2018 के बाद इस कार्यक्रम में 39 मिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया गया है। इसे 500 किसान उत्पादक संगठनों के साथ उत्पादक समूहों तक पहुंचने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका लक्ष्य 800,000 किसान हैं और इसमें आधे से अधिक महिलाएं हैं। वॉलमार्ट फाउंडेशन की वाइस प्रेसिडेंट एवं चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर जूली गेहरकी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस पर हम इन महिलाओं द्वारा की गई प्रगति से खुश है। हम देख रहे है कि किसान उत्पादक संगठनों की सभी बाधाओं को महिला लीडर्स तोड़ रही और बेहतर बदलाव का नेतृत्व भी कर रही है। हमें एक्सेस,मर्सीकॉर्प्स, प्रधान और सृजन जैसे संगठनों का साथ मिला है। हमने लैंगिक समानता,आर्थिक सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास की दिशा में एक नई राह बनाई है। ग्रामीण महिला किसानों और उनके समुदायों के लिए उज्जवल भविष्य का निर्माण करना है।

भारत की संबोधि फर्म द्वारा की गई प्रभावी रिसर्च के अनुसार वॉलमार्ट फाउंडेशन के मार्केट एक्सेस प्रोग्राम के तहत एफपीओ पदाधिकारियों की तरह महिला किसानों की अधिक भागीदारी,जागरूकता और निर्णय लेने की क्षमता दिखाई दी है। कार्यक्रम में एफपीओ सदस्यता शुल्क (22 प्रतिशत बनाम 40 प्रतिशत की तुलना) का भुगतान करने के लिए अब कम महिलाओं को अपने घर से उधार लेना पड़ता है, जो अधिक स्वतंत्रता का संकेत देता है। प्रमुख कृषि मैट्रिक्स के विश्लेषण से पता चला है कि महिला किसानों की फसल वृद्धि अच्छी होने के साथ (बाजार के लिए 210 प्रतिशत तक महिलाओं किसानों की पहुंच 149 प्रतिशत की तुलना में अधिक है)इसमें अधिक मूल्य वाली फसलों के साथ-साथ उन्होंने अपने खेती में विविधता भी लाई है।

रामलीला में पहली बार महिलाएं निभाएंगी महिलाओं के किरदार

आज से होगा ऐतिहासिक भव्य रामलीला का मंचन : दिगंबर बिष्ट

कोरोना के चलते पिछले तीन साल से नहीं हुआ था मंचन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कुमाऊ सांस्कृतिक मंडल जगदंबा मंदिर एयर फोर्स रोड प्याली चौक पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामलीला मंचन करने जा रहा है। जिसका पूर्वाभ्यास पांच अक्टूबर से आरंभ हो चुका है। संस्था के अध्यक्ष दिगंबर सिंह बिष्ट ने जानकारी देते हुए बताया है कि संस्था द्वारा समय समय पर भारतीय संस्कृति के प्रचार प्रसार एवं अपनी पीढ़ियों को भारतीय संस्कृति से जोड़े रखने के लिए अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। जैसे हर वर्ष वैसाखी को उत्तराखंड सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, जन्माष्टमी महोत्सव, होली पर्व व रामलीला मंचन का आयोजन किया जाता है।

रामलीला मंचन से जुड़ी विस्तृत जानकारी सांझा करते हुए निर्देशक विनोद बिष्ट ने बताया कि कुमाऊं सांस्कृतिक मंडल द्वारा रामलीला मंचन सन् 1972 से जारी है, पर पिछले तीन वर्ष से कोरोना के चलते रामलीला मंचन नहीं किया जा सका। रामलीला का शुभारंभ 14 अक्टूबर रात नौ बजे पितृभक्त श्रवण कुमार नाटिका, रावण तपस्या और श्रीराम जन्म से किया जायेगा और समापन 23 अक्टूबर को श्रीराम राज्याभिषेक व पात्र परिचय संग होगा। संगीत निर्देशक के रूप में देवकीनंदन जोशी और नरेंद्र रावत होंगे। यदि पात्रों की बात की जाए तो दशरथ की भूमिका में विनोद बिष्ट, राम की भूमिका में संजू भट्ट, सीता की भूमिका में चंद्रा बंगारी, लक्ष्मण कैलाश बिष्ट, हनुमान रविंद्र पंत, रावण गोधन बिष्ट, कौशल्या दीपा बंगारी, भरत गौरव शर्मा, शत्रुघ्न विक्रम नेगी, श्रवण कुमार मनोज चौधरी व अंगद की भूमिका में प्रताप सिंह खनायत होंगे। रामलीला संयोजक दिगंबर सिंह बिष्ट और मंच संचालन नंदन सिंह कडाकोटी द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर छोटे छोटे बच्चों द्वारा कृष्ण गोपी लीला प्रस्तुत की जायेगी। रामलीला मंचन में पांच से 60 वर्ष तक के कलाकारों द्वारा रामलीला में अभिनय किया जा रहा है। रामलीला मंचन में महिलाओं की भूमिका में महिलाओं द्वारा ही अभिनय किया जायेगा, जोकि संस्था द्वारा एक नई पहल की गई हैं।

इस तरह होंगे दैनिक कार्यक्रम -

14 अक्टूबर को उद्घाटन के साथ नौ बजे मुख्य आकर्षण पित्रभक्त श्रवण कुमार नाटिका, सखियों द्वारा नृत्य, रावण तपस्या, राम जन्म।

15 अक्टूबर को सखियों द्वारा नृत्य, ताड़िका वध, मारीच सुबाहु वध, पुष्पवाटिका गमन।

16 अक्टूबर को सखियों द्वारा नृत्य, सीता स्वयंवर, लक्ष्मण परशुराम संवाद।

17 अक्टूबर को सखियों द्वारा नृत्य, दशरथ कैकई संवाद, राम वनवास केवट मिलन, सुमंत विदाई।

18 अक्टूबर को सखियों द्वारा नृत्य, दशरथ मरण, राम भरत मिलन, वनस्त्री संवाद।

19 अक्टूबर को सखियों द्वारा नृत्य, शूपर्णखा नासिका छेदन, खरदूषण वध, सीता हरण, जटायु मरण।

20 अक्टूबर को सखियों द्वारा नृत्य, शबरी आश्रम, बाली वध, समुद्र तरण, लंका दहन।

21 अक्टूबर को सखियों द्वारा नृत्य, रावण-अंगद संवाद, लक्ष्मण शक्ति व मूर्च्छा भंग।

22 अक्टूबर को सखियों द्वारा नृत्य, मेघनाद वध, कुंभकरण वध, अहिरावण वध, रावण वध।

23 अक्टूबर को सखियों द्वारा नृत्य, भरत मिलाप, राम राज्यभिषेक, पात्र परिचय एवं बाल कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति।

संक्षिप्त समाचार

एथलेटिक्स चैंपियनशिप बैंगलुरू में निर्भय सिंह ने जीता सोना

फरीदाबाद। 62वीं नेशनल ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन 11 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक कांतीरवा स्टेडियम बैंगलुरू कर्नाटक में किया जा रहा है। यह जानकारी एथलेटिक्स हरियाणा के मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड़ ने दी। वहीं महासचिव राजकुमार मिटान ने बताया कि 62वीं नेशनल ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हरियाणा राज्य के 93 एथलीट खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। निर्भय सिंह भिवानी ने डिस्कस थ्रो इवेंट में 55 मीटर 21 सेंटीमीटर की थ्रो कर एथलेटिक्स हरियाणा को स्वर्ण पदक दिया। तनुज कुमार भिवानी ने पोलवालट इवेंट में चार मीटर 85 सैंटीमीटर की ऊंचाई छूकर कांस्य पदक जीतकर राज्य का नाम रोशन किया। एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष एवं ऐलानाबाद विधायक चौधरी अभय सिंह चौटाला सिरसा, कार्यकारी अध्यक्ष हनुमान सिंह भादू हिसार, महासचिव राजकुमार मिटान पानीपत, निदेशक नरेंद्र मोर पानीपत, वरिष्ठ संयुक्त सचिव कुलदीप अहलावत जींद, उपाध्यक्ष राजीव खत्री सोनीपत, प्रतियोगिता निदेशक जितेंदर बांगर पंचकूला, मुख्य चयनकर्ता यशपाल चोपड़ा पंचकूला, कोषाध्यक्ष एवं टीम कोच जसवंत सिवाच जींद और टीम मैनेजर अजय सहरावत सोनीपत ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को पदक विजेता बनने पर शुभकामनाएं दीं।

बघौला में योग चिकित्सा शिविर का आयोजन

पलवल। आचार्य कृष्ण भारद्वाज के सानिध्य में मॉडल विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल बघौला में योग एवं चिकित्सा शिविर का शुभारंभ गायत्री मंत्र महामंत्र से किया गया। जिसमें स्कूल के सभी प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रिंसिपल जुगल किशोर ने की, संयोजन नरेश ने किया। शिविर के दौरान आचार्य कृष्ण भारद्वाज ने छात्रों को योगिंग जोगिंग, सूर्य नमस्कार, सूक्ष्म व्यायाम, दंड बैठक के प्रकार, जल नेति क्रिया तथा आसन में ताड़ासन, त्रिकोणासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, उत्कटासन, पद्मासन, पश्चिमोत्तानासन, सर्वांगासन, हलासन, चक्रासन, धनुरासन, पदममयूरासन, शीर्षासन, धनुरासन, नौकासन के अभ्यास साथ ही प्राणायाम में भस्त्रिका, कपालभाति, अनुलोम विलोम, उज्जाई, भंवरी, उदगीर, ओंकार जाप का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर स्कूल के अध्यापक विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सरस्वती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन

पलवल। सरस्वती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पलवल में सम्मान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पी. राघवेंद्र राव, अध्यक्ष स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड हरियाणा, विशिष्ट अतिथि दीपक मंगला, विधायक पलवल उपस्थित रहे। सरस्वती शिशु मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अतुल मंगला, एडिशनल एडवोकेट जनरल हरियाणा सरकार , उपाध्यक्ष अनिल मोहन मंगला, महासचिव हेमचंद मंगला, कोषाध्यक्ष यशपाल गुप्ता, डायरेक्टर मनीषा मंगला तथा अनिल कुमार, प्रिंसिपल सरस्वती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, वंदना त्यागी, प्रिंसिपल सरस्वती महिला महाविद्यालय, मोनिका गर्ग, वाइस प्रिंसिपल सरस्वती इंस्टीट्यूशन ऑफ लॉ उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रबंध समिति के वरिष्ठ आजीवन सदस्यों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथिगण तथा प्रबंध समिति के सदस्यों ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का आरंभ किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने बहुत ही मनमोहक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मेधावी विद्यार्थियों में अंजलि, इलमा, कविता, दीपक गोयल, दीप्ति, यश भारद्वाज, चेष्टा, स्नेहा, भूमि को सम्मानित किया गया तथा प्रशस्ति पत्र दिए। सरस्वती शिशु मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अतुल मंगला ने सरस्वती शिक्षण संस्थान की प्रगति, विकास एवं समाज कल्याण के कार्यों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि पी राघवेंद्र राव ने सांप्रदायिक सद्भाव व सकारात्मक सोच के साथ एकजुट होकर आगे बढ़ने का संदेश दिया। विद्यालय तथा प्रबंध समिति द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए विकास कार्य तथा उनके सुकृत्यों की प्रशंसा की तथा विद्यार्थीगण व शिक्षकगण को प्रेरणात्मक संदेश दिया। प्रबंध समिति के सदस्यों तथा प्रधानाचार्य ने मुख्य अतिथियों का धन्यवाद किया।

ट्रेन में महिला के गले से तोड़ा मंगलसूत्र

मालवा एक्सप्रेस में वैष्णो देवी जा रही थी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मालवा एक्सप्रेस ट्रेन से इंदौर से जम्मू जा रही महिला के गले से झपटमार मंगल सूत्र तोड़ कर फरार हो गए। ट्रेन की चेन खींचने पर भी ट्रेन में कोई टीटी व पुलिस स्टाफ नहीं मिला। न ही कोई जांच करने के लिए आया। इसकी शिकायत महिला के पति ने ट्वीट करके की तो जीआरपी एक्शन में आई और केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

जीआरपी फरीदाबाद के एसआई हीरालाल के अनुसार, इंदौर के विजय नगर निवासी शुभम भावसार की एक शिकायत ट्विटर के माध्यम से प्राप्त हुई है। इसमें कहा गया है कि वह मालवा एक्सप्रेस ट्रेन में रिजर्वेशन सीट पर बैठकर इंदौर से जम्मू जा रहा था। जब ट्रेन फरीदाबाद स्टेशन पर पहुंची तो किसी ने उसकी पत्नी के गले से मंगल सूत्र छीन लिया। इसके तुरंत बाद उसने ट्रेन की चेन खींच दी, लेकिन चेन खींचने पर भी ट्रेन में कोई टीटी और पुलिस स्टाफ नहीं मिला और न ही कोई जांच करने आया।

शुभम भावसार ने बताया कि वह अपनी पत्नी मनीषा भावसार व माता मालती भावसार के साथ मालवा एक्सप्रेस में सुबह कोच नंबर एस-3 में सीट नंबर 31 पर इंदौर से माता वैष्णो देवी कटरा तक यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान जब उनकी ट्रेन फरीदाबाद रेलवे स्टेशन पर रुकने के बाद चली तभी बाहर से एक व्यक्ति ने विंडो में हाथ डालकर उसकी पत्नी के गले से सोने के मंगल सूत्र को खींच कर ले गया। जीआरपी फरीदाबाद ने पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

केसीएम ओम इंटरनेशनल स्कूल में यातायात के नियमों से अवगत कराया

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

रसूलपुर रोड स्थित केसीएम ओम इंटरनेशनल स्कूल में यातायात माह के चलते शुक्रवार को कक्षा चौथी से आठवीं तक के बच्चों के लिए सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी परीक्षा के माध्यम से आयोजित की गई। जिसमें छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी। यातायात नियमों का पालन करने के लिए जोर दिया, कहा कि जीवन अनमोल है, सुरक्षित होकर घर से निकलें। सड़क दुर्घनाओं में होने वाली मृत्यु दर देश में सर्वाधिक है, इसलिए हेल्मेट का प्रयोग अवश्य करें। दुपहिया वाहन पर तीन सवारियों को न बिठाएं।

18 वर्ष से कम आयु के बच्चे वाहन नहीं चलाएं। इसी प्रकार चार पहिया वाहन बिना सीट बेल्ट के नहीं चलाना चाहिए। फायर सर्विस, एंबुलेंस व इमरजेंसी वाहनों को सबसे पहले जाने का रास्ता दें।

विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. नम्रता कुंडू ने प्रार्थना सभा में सभी विद्यार्थियों को बताया कि क्षमता से अधिक सवारियां बिठाने पर दंड भरना पड़ सकता है। अपने वाहन को सड़क पर पार्क न करें। ट्रैक्टर- ट्राली व साइकिल पर रिफ्लेक्टर अवश्य लगवाएं। सड़क के नियमों का पालन करने से आप स्वयं भी सुरक्षित रहते हैं तथा अन्य लोग भी सुरक्षित रहते हैं। नंबर प्लेट कलात्मक ढंग से नहीं बल्कि सामान्य ढंग से लिखवायें, जिससे सभी लोग पढ़ सकें अर्थात जीवन हमारे पास सबसे कीमती चीज है और हमें इसके लिए आभारी होना चाहिए और लाभ उठाना चाहिए।

प्रोफेसर ज्योति राणा को मिला भारत सेवा रत्न पुरस्कार

फरीदाबाद। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए भारत सेवा रत्न पुरस्कार से नवाजा गया है। उन्हें यह पुरस्कार शुक्रवार को हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने गुरुग्राम में आयोजित उत्सव फाउंडेशन के समारोह में प्रदान किया। राज्यपाल ने उन्हें प्रशस्तिपत्र एवं अंगवस्त्र भेंट किया। प्रोफेसर ज्योति राणा ने इस पुरस्कार के लिए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय एवं उत्सव फाउंडेशन के संस्थापक चेयरमैन डॉ. राज नेहरू के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की है। प्रोफेसर ज्योति राणा हार्वर्ड सहित कई वैश्विक शिक्षण संस्थाओं से जुड़ी हैं और शिक्षा के क्षेत्र में अपना उत्कृष्ट योगदान दे रही हैं। इससे पूर्व भी वह कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अवार्ड हासिल कर चुकी हैं।

रेडक्रॉस कैंप हरिद्वार के लिए पलवल जिले की टीम रवाना

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

रेडक्रॉस सोसाइटी चंडीगढ़ के तत्वावधान में हरिद्वार में आयोजित सात दिवसीय राज्य स्तरीय कैंप के लिए जिला समन्वयक अधिकारी सुखबीर तंवर तथा खंड मौलिक शिक्षा अधिकारी पलवल दयानंद रावत द्वारा जिले की टीम को हरी झंडी दिखाकर बस स्टैंड पलवल से रवाना किया गया।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला शिक्षा अधिकारी पलवल अशोक बघेल ने बताया कि हरिद्वार के नंगली बेला स्थित श्री अनंतप्रेम आश्रम में 13 से 19 अक्टूबर तक संस्था द्वारा जिला स्तरीय कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पलवल जिले से राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय होडल तथा शहीद रामबीर सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीहा से संस्था के आजीवन सदस्य टीम लीडर योगेंद्र कुमार व प्रभु दयाल हंस के नेतृत्व में छात्र अक्षय, सौरभ, राहुल, हितेश, मयंक, सचिन, नेमचंद, पृथ्वी, रोहन, हिमेश को रवाना किया गया है। कैंप के दौरान विभिन्न प्रशिक्षणों के साथ-साथ नाटक, फोक डांस, गायन, प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा। इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसाइटी पलवल के सचिव वाजिद अली, प्रधानाचार्य राकेश बघेल व दीपिका ने प्रतिभागियों को शिविर के दौरान बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

नेपाल के व्यक्ति की संदिग्ध मौत ऑटो में अचानक बेहोश हुआ

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने बताया मृत

सरूरपुर इलाके से एक साल बाद काम करके कुछ रुपए पैसे इकट्ठा कर अपनों से मिलने जा रहे 33 वर्षीय संजय थापा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। थापा ने घर जाने के लिए ट्रेन का टिकट बुक कराया था। उनके आने की खुशियां घर में मनाई जा रही थीं, जो आज अचानक मातम में बदल गईं।

बता दें कि संजय थापा को गुरुवार रात आठ बजे आनंद विहार टर्मिनल से ट्रेन पकड़नी थी। उन्हें गोरखपुर सुबह नौ बजे उतरना था। जिसके बाद वह नेपाल बॉर्डर को पार कर अपने गांव पहुंचते, लेकिन नेपाल के जिला गुल्फी नया गांव के रहने वाले संजय थापा को नहीं पता था कि ऑटो का सफर ही उनके लिए आखिरी और मौत का सफर बन जाएगा। संजय थापा के मामा के बेटे सोनू ने बताया कि थापा ने अपने अन्य कुछ साथियों के साथ हमसफर ट्रेन का टिकट था, जिन्हें आज ट्रेन पकड़नी थी।

संजय थापा सुबह से ही गांव जाने की तैयारी में जुटे थे। बच्चों के लिए सुबह बल्लभगढ़ से कुछ सामान खरीदने गए थे। वापसी में सोहना फ्लाइओवर के पास से उन्होंने ऑटो पकड़ा। चालक रविंद्र ने भी बताया कि ऑटो में उनके साथ दो और लोग बैठे थे।

संजय थापा काफी खुश नजर आ रहे थे। जैसे ही सोहना फ्लाईओवर पार किया संजय थापा अचानक से ऑटो में ही बेहोश हो गए। वह एक बार तो गिरते गिरते बच्चे, लेकिन उन्हें साथ बैठे साथियों ने संभाल लिया। फिर उन्हें आनन फानन फरीदाबाद के बादशाह खान सिविल अस्पताल में लाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। संजय दो साल से सरूरपुर स्थित रिगो टेक कंपनी में काम करते थे सोनू ने बताया कि संजय थापा अपने घर में अकेले कमाने वाले थे। जिनकी माता का पहले ही देहांत हो चुका है। वह अपने पीछे अपनी पत्नी विमला थापा, दो बेटी जोया और जया सहित अपने बुजुर्ग पिता को बेसहारा छोड़ कर अचानक चले गए।

ऐसे आयोजनों का हिस्सा बनकर विकसित होता है बच्चे का स्किल : जितेंद्र कुमार

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

जिला परिषद के सीईओ ने बाल महोत्सव में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को किया प्रोत्साहित

बाल कल्याण परिषद की ओर से पलवल के बाल भवन में चार दिवसीय जिला स्तरीय बाल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। बाल महोत्सव के तीसरे दिन के कार्यक्रमों का शुभारंभ सीईओ जिला परिषद जितेंद्र कुमार ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके किया। जिला बाल कल्याण अधिकारी सुरेखा डागर ने मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत अभिवादन किया।

सीईओ ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों में हुनर का पता चलता है और बार-बार ऐसे आयोजनों का हिस्सा बनकर बच्चे का स्किल विकसित होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे जीतने के लिए प्रतियोगिताओं में भाग लेते रहें और जो बच्चे किसी कारणवश विजेता नहीं बन सकें, वे बिल्कुल भी निराश न हों। ऐसे विद्यार्थी दोगुनी लगन और मेहनत से आगे बढ़ें और विजय प्राप्त करें। जिला स्तरीय बाल महोत्सव के तीसरे दिन आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेस्ट ड्रामेबाज, दीया/कैंडल डेकोरेशन, ग्रुप डांस, थाली पूजन/कलश डेकोरेशन, लड़के व लड़कियों के फन गेम्स, सोलो डांस, क्लासिकल सोलो डांस शामिल रहे, जिनमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। जिला स्तर पर सभी विजेता बच्चों को 14 नवंबर बाल दिवस के अवसर पर पुरस्कृत किया जाएगा।

इस मौके पर बाल कल्याण संरक्षण समिति पलवल के चेयरमैन रणवीर मनोज, सुनील, रामेश्वर रावत, मनोज कुमार गोयल, सुरजीत रावत, कृष्ण मुरारी, टेकचंद, मीनाक्षी शर्मा, पूनम शर्मा सहित सरकारी व गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी, अध्यापक, निर्णायक कमेटी के सदस्यों में डॉ. वंदना, डॉ. मोनिका, श्यामदत्त, सुमित, प्रीति, मीनू कौशिक, पूनम यादव, डालचंद, धर्मेंद्र मौजूद रहे।

एसएनडी पब्लिक स्कूल के छात्रों ने वाईएमसीए का शैक्षणिक दौरा किया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विद्यार्थियों ने शैक्षणिक दौरे में सीखीं अनेक महत्वपूर्ण बातें

जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के संचार और मीडिया तकनीकी विभाग में स्थापित अत्याधुनिक डिजिटल स्टूडियो का दौरा एसएनडी पब्लिक स्कूल, पलवल के विद्यार्थियों ने किया। जिसका उद्देश्य छात्रों को व्यावहारिक अनुभव देना था। यह दौरा विभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

इस दौरे के माध्यम से विद्यार्थियों ने विभाग के स्टूडियो, नियंत्रण कक्ष और स्टूडियो में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों के कार्यों का व्यावहारिक अनुभव लिया। विद्यार्थियों को विभाग के संकाय सदस्यों से मिलने और बातचीत करने का भी मौका मिला तथा स्टूडियो एवं ऑडियो उपकरणों से संबंधित नवीनतम तकनीकों की जानकारी ली।

छात्रों ने रेडियो प्रोडक्शन रूम की आंतरिक कार्यप्रणाली के बारे में भी जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने रेडियो स्टेशनों के माध्यम से कार्यक्रम के लाइव प्रसारण का अनुभव भी लिया तथा रेडियो प्रसारण के तकनीकी पहलुओं को भी समझा। विभाग के संकाय और स्टाफ सदस्यों ने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव भी सांझा किए और उन्हें मीडिया पाठ्यक्रमों के महत्व के बारे में बताया। इस दौरान विद्यार्थियों ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और न्यू मीडिया का प्रत्यक्ष अनुभव मिला। दौरे का समन्वयन विभाग में डॉ. भारत धीमान (सहायक प्रोफेसर) और पंकज सैनी (प्रोडक्शन असिस्टेंट) द्वारा किया गया। इस अवसर पर अनेक विद्यार्थी एवं शिक्षक मौजूद रहे।

आईटीआई में 16 अक्टूबर को लगेगा अप्रेंटिसशिप व रोजगार मेला

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा सरकार के आदेश अनुसार राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पलवल में 16 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में गुरुग्राम, फरीदाबाद व पलवल के औद्योगिक क्षेत्र के विभिन्न उद्योग भाग ले रहे है। उद्योगों ने अपनी मांग आईटीआई पलवल की शिक्षुता एवं प्लेसमेंट सेल को दी है।

आईटीआई पलवल के प्रधानाचार्य भगत सिंह ने बताया कि इस मांग में उनको अधिकतर आईटीआई पास फिटर, टर्नर, वेल्डर, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रीशियन, टूल एंड डाई मेकर, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, कोपा इत्यादि ट्रेडों के अभ्यर्थियों की रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के लिए जरूरत है। जिन उद्योगों ने अपनी डिमांड आईटीआई पलवल को भेजी है, उनमें मुख्यत: जयराज ग्रुप लिमिटेड फरीदाबाद, गुड ईयर लिमिटेड फरीदाबाद, एबीबी फरीदाबाद, सुनील ऑटो कंपोनेंट प्राइवेट लिमिटेड गुरुग्राम, एंड्रिट्ज हाइड्रो प्राइवेट लिमिटेड पृथला, डी डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड पृथला, शिवानी लॉक प्राइवेट लिमिटेड पृथला, बायोमेड हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड पृथला, फिनिक्स कांपोनेंट प्राइवेट लिमिटेड पृथला, वमानी ओवर सीज प्राइवेट लिमिटेड पृथला, मिताभी लैंप्स प्राइवेट लिमिटेड पृथला, फ्रीक इंडिया लिमिटेड फरीदाबाद, टोकाई इंपिरियल प्राइवेट लिमिटेड पृथला, न्यू टेक ग्रुप सीकरी इत्यादि शामिल हैं। इस नेशनल अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार मेले में भाग लेने वाले अभ्यार्थी वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करें।

> **रोजगार** एवं अप्रेंटिसशिप पाने के इच्छुक अभ्यार्थी 16 अक्टूबर को आईटीआई पलवल की शिक्षुता एवं प्लेसमेंट सेल में आकर सुबह नौ बजे संपर्क कर सकते हैं। इस रोजगार मेले में अधिक से अधिक छात्रों को अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार दिलवाया जाएगा और भविष्य में भी इस तरह के रोजगार मेलों का आयोजन किया जाता रहेगा।
>
> **-भगत सिंह, प्रधानाचार्य आईटीआई पलवल**

भारतीय अर्थव्यवस्था

मजबूत स्थिति

भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत स्थिति में है और तेजी से प्रगति कर रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष-आईएमएफ ने भारत की अनुमानित वृद्धि दर बढ़ा कर इसका प्रमाण दे दिया है। वर्तमान समय में उथलपुथल मची है। मध्यपूर्व, रूस-यूक्रेन तथा कुछ अफ्रीकी देशों में युद्ध जारी है। इसके साथ ही पाकिस्तान, श्रीलंका व अनेक बीआरआई कर्जदारों की अर्थव्यवस्था ध्वस्त होने के विघटनकारी नतीजे सामने आ रहे हैं। ऐसे में भारत आर्थिक मजबूती के प्रकाश स्तंभ की तरह सामने आया है। चुनौतीपूर्ण भू-राजनीतिक पृष्ठभूमि के बावजूद आईएमएफ ने भारत की वृद्धि दर बढ़ा कर 6.3 प्रतिशत कर दी है। यह संशोधित अनुमान वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की लगातार जारी प्रगति तथा सकारात्मक आर्थिक नीतियों का परिणाम है। वर्तमान समय में भारत दुनिया की सबसे तेज प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्था है। अगले पांच साल में उसका वैश्विक आर्थिक वृद्धि में 12.9 प्रतिशत हिस्सा होगा और इस प्रकार वह 11.3 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि साझीदारी वाले अमेरिका को पीछे छोड़ देगा। हालांकि, भारतीय अर्थव्यवस्था चीन से तेजी से वृद्धि कर रही है, पर कुल मिला कर यह उससे पीछे है। इसके साथ ही मध्यपूर्व के संकट ने दुनिया भर में खतरे की घंटी बजा दी है और यूक्रेन युद्ध ने खाद्य सप्लाई श्रृंखला पर विपरीत प्रभाव डाला है। इसके बावजूद भारत अपनी मांग व सप्लाई बनाए रखने के साथ ही निर्यात प्रतिबद्धतायें पूरी कर रहा है। भारत की आर्थिक मजबूती के अनेक कारण हैं। भारत ने आर्थिक विविधता के चलते किसी एक क्षेत्र पर निर्भरता घटाई है। हालांकि, कृषि, विनिर्माण व सेवा क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, पर प्रौद्योगिकी और डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की प्रगति ने नए अवसर पैदा किए हैं जिससे बाहरी तत्वों पर उसका जोखिम घटा है। इसमें सबसे बड़ा योगदान सरकारी नीतियों का है जिन्होंने मजबूत बिजनेस भावनायें बनाने के साथ ही उनमें सहायता दी है। भारत सरकार ने विदेशी निवेश आकर्षित करने तथा घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अनेक कार्यक्रम शुरू किए हैं जिनसे आर्थिक वृद्धि में सहायता मिल रही है। 'मेक इन इंडिया', 'डिजिटल इंडिया' तथा वस्तु एवं सेवाकर-जीएसटी जैसी पहलों ने बिजनेस सुगमता बढ़ाई है तथा निवेश को प्रोत्साहित किया है।

हालांकि, इन उपलब्धियों के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष अनेक चुनौतियां भी हैं। उसे आय असमानता, ढांचागत संरचनाओं की कमी तथा पर्यावरणीय सरोकारों का सामना करना पड़ रहा है। मध्यपूर्व की घटनाओं ने भारत की अर्थव्यवस्था के लिए मुख्यत: बढ़ते तेल मूल्यों के कारण चिन्ता पैदा की है। भारत तेल का एक सबसे बड़ा आयातक है और तेल मूल्यों में किसी वृद्धि का नतीजा मुद्रास्फीति व राजकोषीय चुनौतियों का कारण बन सकता है। आईएमएफ द्वारा वृद्धि दर में बढ़ोत्तरी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति के प्रति विश्वास है। लेकिन अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि बढ़ती मुद्रास्फीति व भू-राजनीतिक तनाव भारतीय आर्थिक प्रगति के लिए संभावित खतरा पैदा कर सकते हैं। फिलहाल आईएमएफ के अनुमान का भारतीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इससे ज्यादा विदेशी निवेश आकर्षित हो सकता है जिससे भारत की आर्थिक वृद्धि ज्यादा से ज्यादा रोजगारों के सृजन में सक्षम होगी। बेहतर आर्थिक संभावनाओं से सरकार को ज्यादा राजकोषीय अवसर मिलते हैं जिससे वह ढांचागत क्षेत्र, स्वास्थ्यरक्षा और शिक्षा में ज्यादा निवेश कर सकती है। भारत का शानदार आर्थिक प्रदर्शन विश्व आर्थिक शक्ति के रूप में उसकी स्थिति मजबूत करता है तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसका प्रभाव बढ़ता है।

आतंकी हमलों से विश्व शांति को खतरा

संयुक्त राष्ट्रसंघ की जिम्मेदारी टकरावों का समाधान है। लेकिन इसकी विफलता को स्वतंत्रता के नाम पर आतंकवाद बढ़ाने के अवसर की तरह नहीं देखा जाना चाहिए।

उमंग कोहली
(लेखक, अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ हैं)

इज़राइल पर हमास का आतंकी हमला एक प्रकार से भारत में हुए 26-11 के आतंकी हमले तथा अमेरिका पर हुए 9-11 के आतंकी हमले जैसा है। इन दोनों आतंकी हमलों में आतंकवादियों ने एक संप्रभु राज्य पर समुद्र व हवाईमार्ग का प्रयोग कर हमले किए। इन दोनों आतंकी हमलों में आतंकियों तथा उनके समर्थकों व प्रायोजकों के बीच पूर्व-नियोजन तथा समन्वय की भूमिका स्पष्ट नजर आई थी। तेलअबीब पर हुए हमास के हालिया आतंकी हमले में भी ये सभी तत्व स्पष्ट रूप से सामने आए हैं। हालांकि, यह सवाल पूछा जा रहा था कि क्या 26-11 के आतंकी हमले में किसी दूसरे देश का हाथ भी था?

इसी तरह हमास आतंकियों के हालिया हमले के बारे में भी यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या इनका हमला सुनियोजित करने के लिए किसी तीसरे देश में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया था? हालांकि, यह विस्तृत विश्लेषण का विषय है, लेकिन इतना तो स्पष्ट है कि हमले के लिए आतंकियों के प्रशिक्षण तथा उनकी सहायता करने में किसी बाहरी शक्ति का हाथ जरूर था। क्या इज़राइल पर हमास के आतंकी हमले में ईरानी या पाकिस्तानी तत्वों का हाथ है? हालांकि, इसके विश्लेषण से कुछ नतीजे निकलेंगे, पर एक चीज स्पष्ट है कि मध्यपूर्व में इस हमले से भारी उथलपुथल पैदा हुई है और इसके बाद वर्तमान दुनिया में तेजी से बदलाव आ सकता है। आशंका है कि इज़राइल और गाजा पट्टी के बीच यह टकराव केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके व्यापक प्रभाव होंगे। ये प्रभाव राजनीतिक, सैनिक, आर्थिक व राजनयिक आयामों पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देंगे।

इस्राइल पर हमास आतंकियों के अचानक हुए भयानक व व्यापक हमले के बाद सभी लोग इस्राइल की खुफिया विफलता की बात कर रहे हैं। निश्चित रूप से ऐसा हुआ है। लेकिन यदि आतंकी हमले की योजना किसी दूसरे देश ने बनाई हो तथा उसका क्रियान्वयन भी उसके द्वारा निर्देशित हो, लेकिन उसकी इसमें सीधी सहभागिता न हो तो ऐसे हमले का पूर्वानुमान लगाना लगभग असंभव होता है। यदि ईरानी राज्य-संचालित मीडिया में मंत्रालय के प्रवक्ता नसीन कनान के बयान पर गौर किया जाए तो दूसरे देश की पूरे मामले में संलिप्तता स्पष्ट हो जाती है। प्रवक्ता ने कहा था, 'यह कार्रवाई प्रतिरोधी समूहों व फिलिस्तीन के उत्पीड़त लोगों द्वारा स्वत: आंदोलनात्मक कार्रवाई है। वे अपने अनुल्लंघनीय अधिकारों की रक्षा कर रहे हैं तथा यह जियनवादियों की युद्ध भड़काने वाली व उकसावे वाली नीतियों की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है।' जियनवादियों या जियोनिस्ट से उनका अर्थ सीधे यहूदी राष्ट्र या इज़राइल है। लेकिन एक तथ्य यह भी है कि हिजबुल्ला व हमास ने एकसाथ मिल कर कार्रवाई नहीं की नहीं तो इसके नतीजे और खतरनाक हो सकते थे। दोनों मिल कर एक बड़ी आतंकी शक्ति बना सकते हैं। लेकिन इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि यह केवल हमास का काम नहीं है और हिजबुल्ला ने भी हमले में एक भूमिका निभाई है।

सीरिया और ईरान हमेशा से हिजबुल्ला का खुला समर्थन करते रहे हैं। इस प्रकार स्पष्ट है कि इस हमले की योजना कहीं और बनाई गई थी। ऐसे में किसी भी खुफिया एजेंसी के लिए इसके सभी पक्षों का पूर्वानुमान लगाना बहुत कठिन होता है। हमास आतंकियों ने इस्राइल पर हवा, जमीन और समुद्र के रास्ते से अचानक चौतरफा हमला बोला था। वे गाजा के साथ लगी इस्राइली सीमा पर स्थित कम से कम चार सैनिक अड्डों में घुसपैठ करने में सफल हुए। इससे स्पष्ट है कि हमास का हमला अच्छी तरह योजना बना कर पूरे समन्वय के साथ किया गया था। इसके साथ ही इस्राइली सेना पर निशाना लगाने के लिए ड्रोन के साथ पैराग्लाइडर्स के माध्यम से लड़ाकुओं को भेजा गया। ड्रोन बख्तरबंद वाहनों पर हमला कर उनके बख्तर को नष्ट भी कर सकते हैं। बख्तरबंद वाहनों पर सटीक निशाना लगा कर हमले से स्पष्ट है कि आतंकियों का समर्थन करने वालों के बीच खुफिया सूचनाओं का बहुत उच्च स्तर पर साझा किया गया था।

हालांकि, यह मोसाद की खुफिया विफलता है, लेकिन इससे यह भी स्पष्ट होता है कि आधुनिक सैनिक तकनीक का प्रयोग कर सुनियोजित तरीके से असमान युद्ध में भी दुश्मन को भयानक नुकसान पहुंचाया जा सकता है। इस्राइल की परंपरागत युद्ध लड़ने की क्षमता और उसकी सैनिक शक्ति के बारे में कोई संदेह नहीं है। लेकिन हमास के हमले में बहुत सस्ती आधुनिक तकनीक द्वारा संचालित हाइब्रिड युद्ध तकनीक का प्रयोग कर इज़राइल की परंपरागत सैनिक क्षमता को नीचा दिखाने का प्रयास किया गया। निश्चित रूप से यह तकनीक किसी बाहरी तत्व द्वारा दी गई थी और उसने ही युद्ध की योजना बनाने तथा उसके क्रियान्वयन में समन्वय किया। इस प्रकार यह हमला केवल हमास द्वारा किया हमला नहीं था।

हमास ने छोटे कामीकाज़े ड्रोन या 'ल्वायटरिंग म्यूनीशन' का प्रयोग किया। इसे मानव-विहीन विमान कहा जा सकता है जिसमें विस्फोटक भरे रहते हैं और इसका प्रयोग बहुत घातक रूप से मिनी क्रूज़ मिसाइल की तरह किया जा सकता है। यह कोई छिपी बात नहीं है कि ईरान और तुर्की के पास विभिन्न प्रकार के कामीकाज़े ड्रोन बनाने की क्षमता है, लेकिन यह देखना होगा कि क्या उन्होंने ऐसे ड्रोन सीधे हमास को दिए थे। हमास ने हमले के लिए मोटर-संचालित पैराग्लाइडर्स का प्रयोग भी किया है। हमास ने हवाई हमले का प्रयोग एक ऐसी बहुआयामी रणनीतिक विधि के रूप में किया जिससे इज़राइली जनता को भारी नुकसान पहुंचाया जा सके। पैराग्लाइडिंग के लिए भी पहले से काफी प्रशिक्षण की जरूरत होती है और हमास अपने लड़ाकुओं का प्रशिक्षण गाजा पट्टी में नहीं कर सकता था। यह भी सभी जानते हैं कि इमले में प्रयोग किए गए फज्र-3, फज्र-5 व एम302 राकेटों को ईरान व सीरिया में बनाया जाता है। यह भी कोई छिपी बात नहीं है कि हमास द्वारा दागे गए अधिकांश राकेट गाजा पट्टी में बनाए गए थे, पर उसकी तकनीक ईरान ने दी थी। क्वासम राकेट बहुत पुराने किस्म के हैं, ये ठीक निशाना नहीं लगा सकते हैं और इनको अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित भी नहीं किया गया है। ये राकेट गाजा में स्थानीय स्तर पर बनाए जाते हैं। लेकिन फज्र-5 मिसाइल तकनीक उनको ईरान ने दी थी और राकेटों का स्थानीय स्तर पर निर्माण किया गया था। इससे उनको जहाजों से सीधे मंगाने की जरूरत नहीं पड़ी।

हमास द्वारा प्रयुक्त हाइब्रिड युद्ध रणनीति विश्व स्तर पर टकरावों की प्रकृति बदल सकती है। यह प्रचार का एक औजार भी है जिससे उसके समर्थकों की क्षमताओं व प्रतिबद्धताओं का पता चलता है। यदि अरब दुनिया व मध्यपूर्व के देश ऐसे युद्धों को प्रोत्साहित करें तो यह पूरी दुनिया के लिए विनाशकारी नतीजे वाले हो सकते हैं। हिंसक गैर-राज्य कारकों की कोई जिम्मेदारी व नैतिकता नहीं होती है। हमने देखा है कि वे मानवाधिकारों के सबसे भयानक उल्लंघनों के प्रति भी जवाबदेह नहीं हैं। यह देख कर घृणा होती है कि हमास सिविलियन महिला कैदियों के साथ कैसा दुर्व्यवहार करता है।

महिलाओं व बच्चों को बंधक बनाना स्वीकार्य नहीं है, लेकिन विडंबना है कि किसी को इसके लिए जवाबदेह नहीं ठहराया जा सकता है। धर्म या किसी अन्य नाम पर ऐसे आतंकी तत्वों को शक्ति देन विनाशकारी है। तालिबान गैर-राज्य कारक से राज्य कारक बन गए हैं और कोई भी इसके नतीजे देख सकता है। जिम्मेदार राज्यों को कभी ऐसे तत्वों को प्रायोजित नहीं करना चाहिए जो गरिमापूर्ण मानव व्यवहार को भी न मानते हों। कोई इस बात से असहमत नहीं हो सकता है कि इज़राइल-फिलिस्तीन टकराव का समाधान होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्रसंघ को टकराव के समाधान में प्रमुख भूमिका निभानी चाहिए। लकिन यदि इस बारे में वह विफल हो जाए तो इससे कुछ देशों को ऐसे हथियारबंद तत्वों को प्रोत्साहित करने का लाइसेंस नहीं मिल जाता है जिनका अंतरराष्ट्रीय कानून में विश्वास ही नहीं है।

हमास के हमले के दूरगामी परिणाम

हमास द्वारा इज़राइल पर किए गए आतंकवादी हमलों से पश्चिम एशिया के कई देशों के लिए भू-राजनीतिक समीकरण बदलने की संभावना है।

कुमारदीप बनर्जी
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

हमास द्वारा सप्ताहांत में इज़राइल पर किए गए आतंकवादी हमलों से पश्चिम एशिया के कई देशों के लिए भू-राजनीतिक समीकरण बदलने की क्षमता है, जिसकी गूंज पूरी दुनिया में महसूस की जा रही है। फ़िलिस्तीनी आतंकवादी संगठन हमास ने एक संगीत समारोह के लिए एकत्र हुए युवाओं सहित अधिकांश इज़रायली नागरिक ठिकानों पर चौतरफा हमला किया, जिसमें कई बच्चों, छोटे बच्चों और बड़े नागरिकों की निर्मम हत्या कर दी गई, इसके अलावा सैकड़ों लोगों को बंधक बना लिया गया। आश्चर्यचकित होकर इजराइल ने बचाव अभियान शुरू किया, गाजा पट्टी पर बमबारी की और बिजली, पानी और भोजन की लाइनें काट दीं, हालांकि, हमास के साथ इजराइली बंधक उसे पूर्ण जमीनी हमला करने से रोक रहे हैं। इज़राइल ने हमास के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने की कसम खाई है, जो एक लंबे समय तक चलने वाला युद्ध होगा और संभावित रूप से पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय गतिशीलता को बदल देगा।

हाल के दिनों में अरब जगत खासकर सऊदी अरब और यूएई ने इजराइल के साथ रिश्ते सामान्य करने के संकेत दिए हैं। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के प्रशासन ने द्विपक्षीय समझौतों के एक समूह के माध्यम से इज़राइल और अरब दुनिया के बीच संबंधों को सामान्य बनाने में मदद की, जिसे आमतौर पर अब्राहम समझौते के रूप में जाना जाता है। घोषणा में कहा गया है, हम, नीचे हस्ताक्षरकर्ता, आपसी समझ और सह-अस्तित्व के साथ-साथ धार्मिक स्वतंत्रता सहित मानवीय गरिमा और स्वतंत्रता के सम्मान के आधार पर मध्य पूर्व और दुनिया भर में शांति बनाए रखने और मजबूत करने के महत्व को पहचानते हैं। हम तीन इब्राहीम धर्मों और संपूर्ण मानवता के बीच शांति की संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए अंतरधार्मिक और अंतरसांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देने के प्रयासों को प्रोत्साहित करते हैं। हमारा मानना है कि चुनौतियों से निपटने का सबसे अच्छा तरीका सहयोग और बातचीत है और राज्यों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध विकसित करने से मध्य पूर्व और दुनिया भर में स्थायी शांति के हित आगे बढ़ते हैं।

जो बिडेन प्रशासन ने पश्चिम एशिया में संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता को दोगुना कर दिया है और दो पारंपरिक युद्धरत पक्षों को एक साथ लाने के लिए काफी राजनयिक प्रयास किए हैं। यह एक कदम आगे बढ़ा और भारत, इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राज्य अमेरिका से मिलकर एक क्षेत्रीय समूह द्व 2 ह्व 2 की स्थापना की। जुलाई 2022 में, समूह के पहले नेताओं के शिखर सम्मेलन के बाद, जारी एक बयान में कहा गया था, फ्रहम अब्राहम समझौते और इज़राइल के साथ अन्य शांति और सामान्यीकरण व्यवस्थाओं के लिए अपने समर्थन की पुष्टि करते हैं। हम इन ऐतिहासिक विकासों से मिलने वाले आर्थिक अवसरों का स्वागत करते हैं, जिसमें मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया में आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाना और विशेष रूप से आई 2 यू 2 भागीदारों के बीच स्थायी निवेश को बढ़ावा देना शामिल है।

स्पष्ट रूप से, इसका उद्देश्य प्रत्येक देश के निजी क्षेत्र से आर्थिक लाभ का उपयोग करके अपने राजनीतिक नेताओं को स्थायी शांति वार्ता में लाना था। आई 2 यू 2 से भारत को सीधे लाभ हुआ, विशेषकर खाद्य सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा प्रतिबद्धताओं में। भारत भोजन की बर्बादी रोकने और ताजे पानी के संरक्षण के लिए फूड पार्क स्थापित करने के लिए निवेश सुरक्षित करने में कामयाब रहा, साथ ही 500 गीगा वाट स्वच्छ ऊर्जा पैदा करने के अपने घोषित लक्ष्य के करीब पहुंच गया। इनमें से अधिकांश निवेश यूएई से सुरक्षित किए गए थे जबकि उन्हें इजरायल और अमेरिकी उन्नत प्रौद्योगिकियों का समर्थन प्राप्त था। हाल ही में संपन्न जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में अगले कदम के रूप में आई 2 यू 2 समूह ने यूरोपीय संघ के देशों के भागीदारों के साथ भारत को पश्चिम एशिया से जोड़ने वाली सबसे महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक और पश्चिम एशिया को यूरोप से जोड़ने वाले एक अन्य गलियारे पर हस्ताक्षर किए। आईएमईसी (भारत मध्य पूर्व आर्थिक गलियारा) नामक पहल में पश्चिम एशिया के अंदर परिवर्तनकारी रेलवे नेटवर्क स्थापित करने का एक खाका है, जो इन्हें रणनीतिक रूप से स्थित बंदरगाहों से सीधे जोड़ता है, जिससे भारत से यूरोप तक माल और लोगों की आवाजाही की सुविधा मिलती है।

शुरू की जाने वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए रोडमैप तैयार करने के लिए समूह की अगले महीने बैठक होने वाली है। अब जबकि इज़राइल एक लंबे संघर्ष में फंस गया है, इन परिवर्तनकारी परियोजनाओं में से कई का भविष्य अनिश्चित लगता है, जैसा कि अरब विश्व के साथ इसका संबंध है

आप की बात

स्वयंसेवी शिक्षक

नई शिक्षा नीति के तहत भारत सरकार द्वारा 10 वर्ष से ऊपर के पढ़ाई नहीं करने वाले किशोर व युवाओं के लिए उल्लास नामक योजना शुरू की गई है। जिसमें ऐप द्वारा आधुनिकतम संसाधनों से शिक्षा प्रदान की जाएगी। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके लिए छात्र व स्वयंसेवी शिक्षक नि:शुल्क रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे। अभी देश में लाखों की संख्या में उच्च शिक्षित रिटायर्ड शिक्षक, प्रोफेसर एवं अन्य क्षेत्रों से रिटायर्ड हुए अनेक लोग हैं। इन सभी लोगों की प्रतिभा का उपयोग इस एप के माध्यम से बच्चों की शिक्षा में किया जा सकता है। ऐसे स्वयंसेवी शिक्षकों को सम्मानित करने का विचार भी किया जाना चाहिए। यदि देश की बुजुर्ग प्रतिभा का उपयोग बच्चों की शिक्षा के लिए किया जा सके तो जहां बुजुर्गों को अपना समय काटने की समस्या नहीं रहेगी, वहीं उन्हें अपनी उपयोगिता का आनंद आएगा। इसके साथ ही न्यूनतम खर्च पर सरकार को किशोर व नवयुवकों को पढ़ाने के लिए प्रतिभाशाली स्वयंसेवक उपलब्ध हो सकेंगे। इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर समाज के सभी वर्गों को इससे जोड़ने का प्रयास करना चाहिए। इससे शिक्षा के साथ बच्चों और बुजुर्गों के बीच पीढ़ियों का अंतर भी घटेगा।

– **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

मेरा युवा भारत

हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा-मेरा युवा भारत, प्रतिभा विकास मंच को हरी झंडी दे दी गई है जिसका उद्घाटन सरदार पटेल की जन्मदिन एकता दिवस के दिन किया जाएगा। यह बहुत अच्छी पहल है जिसके अंतर्गत युवाओं के लिए एक डिजिटल प्लेटफार्म तैयार किया जा रहा है। इसके जरिए युवाओं में नेतृत्व क्षमता और स्किल डेवलपमेंट आदि पर फोकस किया जाएगा। आज के दौर में हम देख रहे हैं कि बेरोजगारी की समस्या बढ़ रही है जिससे युवा अपनी प्रतिभा का प्रयोग नहीं कर पा रहा है। इससे अनेक नौजवानों में घुटन व अवसाद की भावना पैदा होती है जिसका नतीजा नशाखोरी या समाज-विरोधी गतिविधियों में भी सामने आ सकता है। उम्मीद करनी चाहिए कि ऐसी पहलों से युवा अपनी प्रतिभा व कौशल का विकास कर सकेंगे। इसे उद्योग जगत व स्टार्टअप से भी जोड़ा जाना चाहिए ताकि युवाओं को अपने भीतर रोजगार योग्य कौशल का विकास करने में सहायता मिले और वे देश के विकास में अपना योगदान कर सकें। इस मंच के बारे में युवाओं का फीडबैक लेकर समय-समय पर उसकी समीक्षा तथा उन्नयन करना भी जरूरी होगा।

– **सुदर्शन सोराड़ी,** नानकमत्ता साहिब

युद्धों का खामियाजा

रूस से लड़ाई के लिए यूक्रेन को बाहरी मदद भरपूर मिली। हमास आतंकियों को ईरान सहित कई मुस्लिम राष्ट्रों से प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से हथियार और आर्थिक मदद मिली है। पहले कहा जाता था कि किसी से भी लड़ाई अपनी ताकत के अनुसार ही लडनी चाहिए दूसरों के भरोसे नहीं। गंभीरता से देखा जाए तो इस सहायता के बावजूद जो बर्बादी यूक्रेन और फिलिस्तीनी जनता की हुई तथा जान-माल का भारी नुकसान हुआ, उसकी भरपाई आसान नहीं है। इन युद्धों का खामियाजा गरीब देशों की जनता को भी भुगतना पड़ रहा है। युद्धों के कारण खाद्यान्न, ईंधन, पेट्रोलियम, पर्यावरण आदि कई तरह के नुकसान समूचे विश्व को उठाने पड़ेंगे। पहले से ही आर्थिक मंदी से डांवाडोल विश्व में वैश्विक आर्थिक संकट और जानलेवा होगा। बाहरी समर्थन तथा विश्व शक्तियों की राजनीति के कारण अब युद्ध लंबे चलते हैं जिसका न केवल संबंधित देशों, बल्कि सारी दुनिया को खामियाजा भुगतना पड़ता है। लगता है कि दुनिया धीरे-धीरे फिर नए शीतयुद्ध की ओर बढ़ रही है जिसमें महाशक्तियां अपने मुहरे तैयार कर रही हैं।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

रेल दुर्घटना

बिहार में बक्सर-आरा के बीच रघुनाथपुर स्टेशन के पास दिल्ली से कामाख्या जा रही आनंद विहार एक्सप्रेस की कुछ बोगियां पटरी से उतर गईं और दो बोगी पलट गई। देखना होगा कि यह हादसा है या रखरखाव में कमी या लापरवाही। यात्री रेल का पटरी से उतरना दुखद घटना है। वर्तमान समय में रेलवे के साथ ही सभी क्षेत्रों में आधुनिक तकनीकें प्रयोग हो रही हैं। ऐसे में यह ध्यान देना जरूरी है कि तकनीकी विफलता से कोई दुर्घटना न होने पाए। तकनीकों के लगातार परीक्षण के साथ ही रेलवे को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कहीं जरा भी सुधार की गुंजाइश हो तो उसे फौरन किया जाए। रेलवे देश का बहुत बड़ा और विश्वसनीय यातायात साधन है। हालांकि, आज नई-नई सुपरफास्ट व सुविधाजनक वंदे-भारत जैसी रेलगाड़ियां चलाई जा रही हैं तथा स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। यह अच्छी बात है, किन्तु रेल यात्रियों की सुरक्षा को अधिक मजबूत बनाने पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। यात्रियों की सुरक्षा पर रेल कर्मचारियों के सुझावों को भी महत्व देना चाहिए।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

मेरिट पर हो जिला विद्यालय निरीक्षकों की तैनातीः योगी

● कहा, मानक अनुरूप संतुलित हो विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात

मुख्यमंत्री ने की बेसिक, माध्यमिक, उच्च व व्यावसायिक शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक, माध्यमिक, उच्च तथा व्यावसायिक शिक्षा के विद्यालयों को साधन-सुविधा सम्पन्न बनाने बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने पर बल दिया है। शुक्रवार को इन विभागों की विशेष बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन विद्यालयों/महाविद्यालयों, आईटीआई, पॉलिटेक्निक के अद्यतन स्थिति की समीक्षा की और विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात को मानक अनुरूप संतुलित करने के निर्देश दिए। विशेष बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आकांक्षात्मक जनपदों में संचालित सभी बेसिक, माध्यमिक, उच्च, प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों में प्राथमिकता के साथ पर्याप्त शिक्षकों की तैनाती की जाए। कहीं भी शिक्षकों व अन्य मानव संसाधन का अभाव न रहे।

जिला विद्यालय निरीक्षकों की तैनाती में मेरिट का ध्यान रखें। जिन जनपदों में यह पद रिक्त है वहां तत्काल तैनाती की जाए। बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात को मानक अनुरूप संतुलित बनाएं। जहां शिक्षकों की संख्या अधिक हो उन्हें अन्यत्र समायोजित किया जाए।

कक्षा 6 से 8 तक संचालित 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के उच्चीकरण का कार्य यथाशीघ्र पूरा करा लिया जाए। सत्र 2023-24 में 136 विद्यालयों का उच्चीकरण किया गया है जबकि 512 नवनिर्माणाधीन का उच्चीकरण जारी है। अवशेष कार्य समयबद्ध रूप से पूरा कराएं। आगामी दिसंबर तक यहां शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया भी पूरी कर ली जाए। कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के उच्चीकरण के इस प्रयास से लगभग सवा लाख बालिकाओं को लाभ होगा। अटल आवासीय विद्यालयों से आच्छादित जनपदों के अतिरिक्त शेष 57 जनपदों में एक-एक 'मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय' की स्थापना की तैयारी प्रारंभ करें। 'मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय' का परिसर 5.10 एकड़ का हो। इसके लिए संबंधित जनपदों में भूमि का चिन्हांकन यथाशीघ्र पूरा कर लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बेसिक शिक्षा में व्यापक सुधार के उद्देश्य से पीएम श्री (प्रधानमंत्री स्कूल्स फ़ॉर राइजिंग इंडिया) योजना की घोषणा की गई है। योजना अंतर्गत भारत सरकार के सहयोग से प्रदेश के 1725 शासकीय विद्यालयों का चयन किया गया है। प्रथम चरण में विकास के लिए चयनित 925 शासकीय विद्यालयों के चरणबद्ध उच्चीकरण के लिए भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी आवश्यक निर्माण कार्य आगामी दिसंबर तक पूरा करा लिया जाए।

पीएम श्री के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सिद्धांतों के अनुरूप चरणबद्ध रूप से इन विद्यालयों में अल्ट्रा मॉडर्न तकनीकी व डिजिटल शिक्षा व्यवस्था का विकास किया जाना है। गोरखपुर में निर्माणाधीन प्रदेश के चौथे सैनिक स्कूल का निर्माणकार्य आगामी दिसंबर तक पूर्ण करा लिया जाए। दिसम्बर में प्रवेश परीक्षा सम्पन्न कराते हुए सत्र 2024-25 से इसका संचालन किया जाना है। इस लक्ष्य के साथ सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं।

प्रत्येक संस्थान में समय से सत्र की शुरुआत और समय पर परीक्षा का होना सुनिश्चित होना चाहिए। ऐसे में आगामी सत्र 2024-25 के लिए आवश्यक तैयारियां कर ली जानी चाहिए। सभी बेसिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में पाठ्य पुस्तक वितरण फरवरी 2024 तक पूर्ण किया जाए। डीबीटी के माध्यम से सभी छात्रों को यूनिफ र्म, जूते व स्टेशनरी हेतु धनराशि अप्रैल माह में भेज दी जाए।

फर्जी टेंडर आर्डर जारी कर करोड़ों की ठगी करने वाले सरगना सहित तीन गिरफ्तार

● एक देश, एक राशन के नाम पर पिछले काफी समय से कर रहे थे फर्जीवाड़ा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्र सरकार की एक देश, एक राशन कार्ड योजना के तहत कूटरचित टेंडर आर्डर जारी करके करोड़ों की ठगी करने वाले संगठित गिरोह के मास्टरमाइंड सहित तीन अभियुक्तों को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया। इनकी गिरफ्तारी दिल्ली, जौनपुर और प्रयागराज से की गई।

एसटीएफ के अनुसार इन जालसाजों ने एक देश एक, राशन कार्ड बनाने के लिए फर्जी टेंडर। इसी टेंडर के जरिए कई करोड़ वसूल लिए। मामला संज्ञान में आया और प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंच गया। वहां से निर्देश मिलने पर यूपी एसटीएफ ने इसकी जांच शुरू की। लगातार छापेमारी के बाद गुरुवार की रात एसटीएफ को सफ लता मिली। उसने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें गोरखधंधे का मास्टर माइंड भी हत्थे चढ़ गया है। एसटीएफ के अनुसार उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के उप सचिव के नाम से जाली निविदा आदेश जारी करके करोड़ों रुपयों की ठगी करने के आरोप में गिरोह के सरगना संतोष सेमवाल को दिल्ली, माया तिवारी को प्रयागराज और अभिषेक तिवारी को जौनपुर से गिरफ्तार किया गया। इन आरोपियों के कब्जे से उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के जाली दस्तावेजों की प्रतियां बरामद की गई हैं। जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसी साल जुलाई में एसटीएफ को एक पत्र भेजकर उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के उप सचिव के नाम से एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड योजना के जाली निविदा आदेश जारी करके करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। जांच में पता लगा कि गिरोह के सरगना संतोष सेमवाल ने उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के उप सचिव के नाम से फर्जी निविदा आदेश जारी करके उससे सम्बन्धित पत्र प्रधानमंत्री कार्यालय से मिलते-जुलते नाम वाली ईमेल आईडी से भेजे थे और इसके जरिए उसने 55 लाख रुपए की ठगी की थी। सेमवाल ने पूछताछ में एसटीएफको बताया है कि वर्ष 2018 में वह नौकरी के सिलसिले में दिल्ली आया था और वहां उसकी मुलाकात अनुज कुमार, माया तिवारी और राकेश अग्रवाल नामक व्यक्तियों से हुई। उसने बताया कि इन लोगों ने उसकी मुलाकात अरुण रावत से करायी और उसका परिचय प्रधानमंत्री कार्यालय में तैनात संयुक्त सचिव के रूप में कराया। सेमवाल ने पूछताछ में एसटीएफ को बताया कि एक दिन अरूण रावत ने उसे ई-राशन कार्ड से सम्बन्धित निविदा के बारे में बताया और कहा कि वह उसे यह टेंडर दिलवा सकता है जिसके लिए प्रति जोन दो लाख रुपये कमीशन और तीन लाख 15 हजार रुपए का डिमांड ड्राफ्ट लगेगा। सेमवाल ने बताया कि रावत ने उससे कहा कि वह जितने लोगों को लाएगा उतने के हिसाब से उसे कमीशन मिलेगा। सेमवाल ने बताया कि इसके बाद उसने, अभिषेक तिवारी और खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय में मुख्य सचिव बताने वाली माया तिवारी के साथ-साथ अरुण रावत और बृजेश ने एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड योजना के फर्जी निविदा आदेश जारी करके करोड़ों रुपए की ठगी की और केन्द्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के प्रमुख सचिव, सचिव आदि के नाम के फ र्जी अनुबन्ध पत्र तैयार करके ठगी के शिकार लोगों के व्हाट्सएप और ईमेल पर भेजे। सूत्रों ने बताया कि इस मामले में जौनपुर के सरांयख्वाजा थाने में मामला दर्ज करके कार्यवाही की जा रही है। एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड योजना को केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत राशन कार्ड की देशव्यापी 'पोर्टेबिलिटी' के लिए लागू किया गया है।

यूपी में बेरोजगारी दर घटकर हुई 2.6 फीसदी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश ने समाज के हर वर्ग को रोजगार प्रदान करने में अभूतपूर्व प्रगति की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में साढ़े छह वर्ष में छह लाख से अधिक सरकारी नौकरियां प्रदान कर यूपी के युवाओं को सशक्त किया गया है। मिशन रोजगार के तहत कार्य कर रही योगी सरकार निरंतर युवाओं को नियुक्ति पत्र दे रही है। आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफ एस) रिपोर्ट के अनुसार 2017-18 में राष्ट्रीय स्तर पर बेरोजगारी दर 6.1 फीसदी थी, जो 2022-23 में घटकर 3.4 फीसदी हो गई है। वहीं उत्तर प्रदेश की बात की जाए तो बेरोजगारी दर कम करने में राज्य ने अच्छा प्रदर्शन किया है। 2017-18 में यूपी में बेरोजगारी दर 6.4 फ ीसदी थी, जो 2022-23 से घटकर 2.6 फ ीसदी हो गई है। इन आंकड़ों को देखें तो योगी सरकार द्वारा निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चलाया जा रहा मिशन रोजगार अभियान प्रदेश में सफ ल रहा है। इसके जरिए गत साढ़े छह वर्ष में प्रदेश सरकार छह लाख युवाओं को सरकारी नौकरी से जोड़ी है। यही नहीं सरकार के प्रयासों का नतीजा रहा है कि प्रदेश में निजी क्षेत्र में भी निवेश बढ़ा है और नई नौकरियां एवं रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं।

भाजपा प्रदेश में चलाएगी वोटर चेतना महाभियान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश में वोटर चेतना महाभियान चलाएगी। शुक्रवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने वोटर चेतना अभियान के माध्यम से घर-घर सम्पर्क करके मतदाता सूची पुनरीक्षण के कार्य में जुटने के लिए माइक्रोप्लानिंग साझा की। बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय प्रभारी, जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी तथा जिला मतदाता प्रमुख उपस्थित रहे। बैठक का संचालन करते हुए प्रदेश महामंत्री तथा अभियान प्रभारी अनूप गुप्ता ने अभियान की योजना रचना प्रस्तुत की। बैठक में वोटर चेतना महाभियान की प्रदेश टोली के सदस्य प्रदेश उपाध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह तथा सांसद सुब्रत पाठक व पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष पुरूषोत्तम खण्डेलवाल उपस्थित रहे।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में 80 प्रतिशत से अधिक विधानसभा सीटें जीत चुकी है। पिछले लोकसभा चुनाव में तमाम दलों के एक साथ गठबंधन के बावजूद भाजपा को 50 फीसदी से ज्यादा वोट मिला था। नगरीय निकाय, पंचायत तथा सहकारिता के चुनावों में भाजपा ने ऐतिहासिक विजय प्राप्त की है। ऐसे में भाजपा का मजबूत संगठनात्मक ढांचा किसी भी चुनौति को स्वीकार करके परिणाम देने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि वोटर चेतना महाभियान प्रत्येक दहलीज के साथ प्रत्येक कैम्पस तथा प्रत्येक चौपाल पर पहुंचने का अभियान है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक 18 वर्ष की आयु को पूर्ण कर चुके युवाओंए विवाह होने के बाद परिवर्तित निवास स्थान, बूथ से अन्यत्र निवास करने वाले तथा बूथ पर नए आये मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने या नाम कटने का कार्य तथा दिवंगत मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से कटवाने का कार्य वोटर चेतना महाभियान के माध्यम से करना है। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में होनी वाली जिला तथा मंडल कार्यशालाओं में पूर्ण जानकारी पार्टी के पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं तक पहुंचाने का काम करें। जिससे मतदाता पुनरीक्षण का कार्य सफ्ल हो और प्रत्येक पात्र व्यक्ति मतदाता बन सके। उन्होंने कहा कि अभियान में पार्टी के प्रत्येक पदाधिकारीए कार्यकर्ता तथा प्रत्येक जनप्रतिनिधि की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने आगामी 16 व 17 अक्टूबर को वोटर चेतना महाभियान के तहत जिला स्तर पर आयोजित होने वाली कार्यशालाओं तथा अभियान की विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि 18 व 19 अक्टूबर को मंडल कार्यशालाओं के माध्यम से मतदाता पुनरीक्षण के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। 27 अक्टूबर को मतदाता सूची का ड्राफ्ट चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित किया जाएगा। 29 अक्टूबर को मन की बात कार्यक्रम सुनने के पश्चात् पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ताए सांसदए विधायक से लेकर सभी जनप्रतिनिधि घर.घर सम्पर्क कर मतदाता पुनरीक्षण के कार्य में जुटेगें। अभियान से प्रत्येक कार्यकर्ता को जोड़ने का कार्य करना है। 30 अक्टूबर से 05 नवम्बर तक तथा 25 नवम्बर से 03 दिसम्बर तक घर.घर सम्पर्क का विशेष अभियान चलाकर पार्टी एक.एक मतदाता से सम्पर्क करेगी। उन्होने कहा कि नव मतदाताओं से सम्पर्क करके उन्हें पार्टी से जोड़कर 2024 लोकसभा चुनाव की विजय आसान होगी और भाजपा प्रदेश में 80 सीटों पर विजय के लक्ष्य को प्राप्त करेगी। धर्मपाल सिंह ने कहा कि पार्टी के अनुशासित व समर्पित कार्यकर्ताओं को सतत सम्पर्क व सतत संवाद की भाजपा परम्परा के साथ फिर एक बार घर-घर दस्तक देना है।

राजकीय मुद्रणालय का होगा आधुनिकीकरणः नंदी

लखनऊ। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने कहा है कि लखनऊ के ऐशबाग में स्थित राजकीय मुद्रणालय के आधुनिकीकरण की योजना बनाई गई है, जिस पर करीब 250 करोड़ खर्च होगा। नंदी शुक्रवार को पिकअप भवन सभागार में आयोजित बैठक में राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग की समीक्षा कर रहे थे। इस मौके पर अधिकारियों ने राजकीय मुद्रणालय लखनऊ के आधुनिकीकरण का प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया, जिसे मंत्री नन्दी ने मंत्री परिषद में भेजने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने मंत्री नन्दी को बताया कि राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग की वेबसाइट को अपडेट कर दिया गया है, जिसमें विभाग से सम्बंधित सारी जानकारी उपलब्ध है। वहीं कच्चे माल की इन्वेन्ट्री आदि के डिजिटिलाइजेशन की जिम्मेदारी यूपीडेस्को को सौंपी गई है, जो जल्द ही कार्य शुरू करेगा। अधिकारियों ने बताया कि विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती की जाएए इसकी प्रक्रिया चल रही है। कार्मिक एवं वित्त विभाग की सहमति के बाद प्रस्ताव को मंत्री परिषद में भेजा जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि राजकीय मुद्रणालय ऐशबाग लखनऊ में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज से सम्बंधित सादी उत्तर पुस्तिकाएं, उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा परिषद, विभागीय परीक्षाओं से सम्बंधित उत्तर पुस्तिकाएं, आयुष विभाग की होमियोपैथिक परीक्षा से सम्बंधित सभी उत्तर पुस्तिकाएं, 15 जनपदों से सम्बंधित विभिन्न विभागों पुलिस, राजस्व, चकबंदी, भूलेख, कृषि इत्यादि से सम्बंधित समस्त प्रपत्रों का मुद्रण कार्य तथा उत्तर प्रदेश विधान सभा, विधान परिषद के सत्र से सम्बंधित एजेण्डा, विधायिका व अन्य मुद्रित सामग्रियों का मुद्रण कार्य, राजभवन सचिवालय से सम्बंधित मुद्रण कार्य, राज्यपाल के लेटर हेड आदि का मुद्रण कार्य, भारत निर्वाचन आयोग एवं राज्य निर्वाचन आयोग के निर्वाचन से सम्बंधित मतपत्रों, प्रपत्रों एवं स्टेशनरी आदि का मुद्रण कार्य, उत्तर प्रदेश सचिवालय से सम्बंधित कार्य किए जाते हैं लेकिन क्षमता कम होने के कारण सभी विभागों की जरूरतें निर्धारित समय में पूरी नहीं हो पाती हैं, जिसकी वजह से विभागों को राजकीय मुद्रणालय के अलावा बाहर से मुद्रण कराना पड़ता हैं।

सरकार की गलत नीतियों से पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों के साथ हो रहा अन्याय

● सपा पिछड़ा वर्ग की बैठक में अखिलेश ने कहा, सामाजिक न्याय व समानता तभी आएगी जब जातीय जनगणना होगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के चलते पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के साथ अन्याय हो रहा है। भाजपा इन्हें धोखा देती आ रही है। देश भर में जातीय जनगणना की मांग होने लगी है। अब 2024 के लोकसभा चुनाव में पीडीए भाजपा के एनडीए को हरायेगा।

यादव शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय के डॉस राममनोहर लोहिया सभागार में समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ उप्र द्वारा आयोजित कश्यप, निषाद, बिन्द धीमर, मल्लाह, कहार, केवट, गोडिया, रैबार, तुरैहा, मांझी, मझवार, गोंड और मछुआ समाज की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उपस्थित जन समुदाय ने अखिलेश यादव का अभिनंदन कर उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया और प्रतीक चिह्न भेंट किए। यादव ने कहा कि जातीय जनगणना की मांग नई नहीं है। सभी इसके पक्ष में है। जो विरोध कर रहे थे वे भी अब जातीय जनगणना की मांग करने लगे है। हो सकता है कि चुनाव आते-आते भाजपा भी जातीय जनगणना की बात करने लगे। सामाजिक न्याय और समानता तभी आएगी जब जातीय जनगणना होगी। इस जातीय जनगणना से सभी पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों को अधिकार के साथ सम्मान भी मिलेगा। जातीय जनगणना से सभी को समानुपातिक भागीदारी मिल सकेगी। यादव ने कहा कि हम आज पिछड़ेए दलित समाज को अपना हक और सम्मान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। हम सब एक है। समाज में विसंगति और असमानता को दूर करने के लिए नेताजी ने फूलन देवी को संसद पहुंचाया था। यादव ने कहा कि भाजपा से सावधान रहना है। भाजपा के षडयंत्र से बचना है। लोगों के पुश्तैनी काम छिन रहे हैं। हमारी लड़ाई लम्बी है। अब बूथ पर लड़ाई है। 2024 के लोकसभा चुनाव में हम सभी मिलकर भाजपा को सत्ता से बाहर करेंगे।

बैठक में विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने कहा कि भाजपा ने पिछड़ी जातियों को धोखा दिया है। समाजवादी सरकार में इन सभी पिछड़ी जातियों के साथ न्याय हुआ था। इस समाज का समाजवादी पार्टी पर भरोसा है। पिछड़े समाज के नेताओं ने विश्वास दिलाया कि सन् 2024 के लोकसभा चुनाव में सभी पिछड़ी जातियां समाजवादी पार्टी के साथ रहेंगी और पूरा पिछड़ा समाज एकजुट होकर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों को भारी मतों से जिताने में कोई कसर नहीं छोडेंगे।

ग्राम अदालत लगाकर एक माह में निपटाए गए चकबंदी के चार हजार लंबित मामले

● चकबंदी विभाग ने 51 जनपदों में लगाई ग्राम अदालतें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकताओं में हमेशा अवैध कब्जे और भू-माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई, परिवारिक भूमि विवाद, चकबंदी समेत अन्य भूमि के विवादों का निपटारा शामिल रहा है। सीएम योगी द्वारा इन मामलों के निपटारे में लापरवाही एवं हीलाहवाली करने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई भी की जाती है। कुछ माह पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चकबंदी संबंधी मामलों के निटारने में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। इस पर चकबंदी विभाग की ओर से लंबित वादों के निपटारे के लिए प्रदेश के विभिन्न शहरों में ग्राम अदालत आयोजित की जा रही है। ग्राम अदालत के जरिए 51 जनपदों के 118 गांव में सितंबर से अब तक कुल 6485 वादों को चिन्हित कर 3850 वादों को निस्तारित किया गया है। ग्राम अदालत में चकबंदी अधिकारी, सहायक चकबंदी अधिकारी, उप संचालक चकबंदी और बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी आदि उपस्थित रहते हैं, जो मौके पर वादों को निस्तारण करते हैं। ग्राम अदालत में 10 वर्ष से अधिक समय से लंबित हजार की संख्या में मामलों को निपटाया गया। चकबंदी आयुक्त जीएन नवीन कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरुप प्रदेश के विभिन्न शहरों में अभियान चलाकर ग्राम अदालत का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें अवैध कब्जे, परिवारिक और व्यवसायिक विवादों का निस्तारण मौके पर ही किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 6 सितंबर से अभियान की शुरुआत की गई, जो लगातार चल रहा है। अपर चकबंदी आयुक्त अनुराग पटेल ने बताया कि ग्राम अदालत के तहत बलिया में सबसे ज्यादा 409 वादों को चिन्हित किया गया। यह मामले बलिया के तीन गांव फरसाटार, चंदाडीह और पिपरौली से संबंधित रहे है। ग्राम अदालत में एक दिन में 126 मामलों को निपटारा किया गया जबकि 283 मामलों को निपटाया जाना है। इसी तरह अयोध्या के चार गांव मलेथूबुजुर्ग, लक्ष्मनपुरगंट, कोटिया और सडरी से 407 वादों को चिन्हित किया गया।

योगी आज करेंगे मिशन शक्ति 4.0 का आगाज, रैली का करेंगे फ्लैग ऑफ

● सरकारी आवास से महिला सशक्तिकरण रैली को करेंगे रवाना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शारदीय नवरात्र से पहले मातृ शक्ति को वंदन करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को सुबह अपने सरकारी आवास से मिशन शक्ति के चौथे चरण का आगाज करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ फ्लैग ऑफ कर महिला सशक्तिकरण रैली को रवाना करेंगे, जो लखनऊ के विभिन्न चौराहों से होते हुए 1090 चौराहे पर समाप्त होगी। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकभवन में आयोजित मिशन शक्ति कार्यक्रम में शिकरत करेंगे, जहां विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद तीन महिला विभूतियों संग 25 अन्य महिलाओं को सम्मानित करेंगे। इस दौरान दोनों डिप्टी सीएम समेत वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे।

महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की पुलिस अधीक्षक रूचिता चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार सुबह 10.30 बजे अपने सरकारी आवास से महिला सशक्तिकरण रैली को फ्लैग ऑफ कर रवाना करेंगे। यह रैली 5 कालीदास मार्ग से रवाना होकर उदादेवी चौराहा, क्लार्क अवध, केजीएमयू चौराहा, कोनेश्वर मंदिर, आईटी चौराहा, पॉलिटेक्निक चौराहा होते हुए 1090 चौराहे पर समाप्त होगी। रैली के इन पड़ाव पर संबंधित थाना क्षेत्र की विशिष्ट महिलाएं मौजूद रहेंगी। इस दौरान क्षेत्र की महिलाएं और बेटियां भी मौजूद रहेंगी। सभी को मिशन शक्ति और नारी सशक्तिकरण से जुड़ी सभी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि रैली में 80 पिंक स्कूटी, 6 फोर व्हीलर, डायल 112 की 20 गाड़ियां (महिला पीआरवी) और एंबुलेंस मौजूद रहेगी। रैली में पहला वाहन खुली जिप्सी होगीए जिस पर 1090 का मैस्कॉट मौजूद रहेगा। यह वाहन पीए सिस्टम (पब्लिक एड्रेस सिस्टम) से लैस होगा, जिससे मिशन शक्ति एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित जिंगल प्रसारित किए जाएंगे।

तीन महिला विशिष्ट अतिथियों संग 25 महिलाओं को सम्मानित करेंगे योगीः महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की पुलिस अधीक्षक रवीना त्यागी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकभवन में सुबह 11 बजे दीप जलाकर मिशन शक्ति विशेष अभियान का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंचासीन तीन महिला विशिष्ट अतिथियों पद्मश्री हेमा प्रभा सोतिया, इसरो वैज्ञानिक ऋ तु करिधल श्रीवास्तव, एचसीएल की सीईओ रोशनी नाडर समेत प्रदेश के विभिन्न विभाग की 25 महिलाओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करेंगे। इनमें 15 नारी शक्ति यूपी पुलिस की हैं। इस दौरान दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक भी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, गृह सचिव संजय प्रसाद, डीजीपी विजय कुमार समेत आलाधिकारी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रदेश के सभी जनपदों में किया जाएगा, जहां प्रभारी मंत्री समेत अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में गृह विभाग की ओर से मिशन शक्ति की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही मिशन शक्ति अभियान की प्रगति पर लघु फिल्म प्रदर्शित की जाएगी।

गांव व शहरों की महिलाओं को स्वावलंबी बनाने पर फोकस होगा मिशन शक्ति का चौथा चरण

● 9 लाख से ज्यादा परिवारों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर आर्थिक स्थिति में सुधार का होगा प्रयास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार शारदीय नवरात्रि से शुरू हो रहे मिशन शक्ति के चौथे चरण में ग्रामीण और शहरी महिलाओं को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आजीविका गतिविधियों से जोड़ने पर फोकस करेगी। ग्रामीण महिलाओं और उनके परिवारों को जहां स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर उनके आर्थिक स्वावलंबन को सुनिश्चित किया जाएगा तो शहरों में महिलाओं के कौशल को निखारकर उन्हें रोजगार से जोड़ने की पहल की जाएगी। उल्लेखनीय है कि शनिवार को सीएम योगी अपने सरकारी आवास से रैली को हरी झंडी दिखाकर मिशन शक्ति के चौथे चरण की शुरुआत करेंगे। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत ग्राम विकास विभाग शेष 897380 परिवारों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर आजीविका गतिविधियों से जोड़ते हुए उनका सामाजिक एवं आर्थिक स्वावलंबन सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। वित्तीय वर्ष 23-24 की अनुमोदित वार्षिक कार्य योजना के अनुसार महिला सदस्यों को वित्तीय समावेशन एवं आजीविका गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए कुल 220000 स्वयं सहायता समूहों को रिवॉल्विंग फं ड निर्गत किया जाएगा तो समूह की सदस्यों को वित्तीय समावेशन एवं आजीविका गतिविधियों को प्रोत्साहित करने हेतु कुल 105000 स्वयं सहायता समूहों को सामुदायिक निवेश निधि निर्गत की जाएगी।

नगर विकास विभाग के अंतर्गत महिलाओं के कौशल को निखारने व स्वावलम्बन के लिए उनको सिलाई उत्पाद बनाना, हस्तकला, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, पोल्ट्री, मछली पालन, पाककला आदि की जानकारी देकर प्रशिक्षण दिया जाएगा। विधवा, अबला, परित्यक्ता व निराश्रित महिलाओं की पहचान करके समाजसेवियों की मदद से रोजगार दिलवाने का प्रयास होगा।

किसानों को बीज से बाजार तक बेहतर सेवाएं देने के लिए तत्पर है प्रदेश सरकारः कृषि मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने विश्व बैंक के सहयोग से व्यापक डिजिटल एग्रीकल्चर इकोसिस्टम तथा कॉमन सर्विस डिलीवरी प्लेटफार्म स्थापित करने के लिए भावी रणनीति पर आयोजित की गई कार्यशाला में शिरकत की। इस कार्यशाला में विश्व बैंक के प्रतिनिधियों, दक्षिण कोरिया, इजरायल, नीदरलैंड तथा भारत के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए डिजिटल एग्रीकल्चर के विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया। शुक्रवार को गोमती नगर में आयोजित इस कार्यशाला के दौरान कृषि मंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पादन तथा उत्पादों का मूल्यवर्द्धन करके किसानों के जीवन को और अधिक खुशहाल बनाया जा सके इस दृष्टि से यह कार्यशाला एक महत्वकांक्षी पहल है। इसके लिए विश्व बैंक द्वारा लगभग 4 हजार करोड़ रुपए के व्यय की सहमति भी प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि एग्रीकल्चर डिजिटल प्लेटफ र्म कृषि एवं उसके अनुषांगिक विभागों तथा किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण प्लेटफ र्म होगा। विभाग इससे किसानों के लिए उपयोगी रणनीति बनाने तथा उन्हें विभिन्न योजनाओं का सीधे लाभ पहुंचाने के लिए उपयोग करेंगे। वहीं किसानों द्वारा इसका उपयोग बीज, कृषि यंत्र, खाद, बाजार की अद्यतन स्थिति तथा मौसम संबंधी जानकारी के लिए किया जाएगा।

शाही ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा रखे गए एक ट्रिलियन यूएस डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में कृषि क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शिकायत मिलने पर अचानक जिला अस्पताल पहुंचे डीएम

● डीएम ने जिला चिकित्सालय का आकस्मिक निरीक्षण कर देखी व्यवस्थायें, मरीजो को बेहतर स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध कराने हेतु किया निर्देशित।

मरीजों को गलत जानकारी देकर पैसा वसूलने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही के निर्देशः डीएम

शाहजहाँपुर। डीएम उमेश प्रताप सिंह ने शुक्रवार को राजकीय स्वसाशी महाविद्यालय जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। अस्पताल में भर्ती मरीजों से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली तथा आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने व साफ सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पर्ची काउंटर, हेल्थ डेस्क, सर्जन कक्ष, दवा वितरण कक्ष, महिला ओपीडी कक्ष, आईसीयू कक्ष, जनरल महिला व पुरुष वार्ड, आपातकालीन कक्ष तथा एक्सरे कक्ष व बाल रोग कक्ष आदि का निरीक्षण किया। डीएम ने करीब एक घंटा जिला अस्पताल में घूम कर मरीजों से बात की तथा उनका हाल जाना। मरीजो से जानकारी ली कि उन्हे समय से डॉक्टर देखने आते है अथवा नही तथा दवाईयां समय से मिल रही है या नही। स्टाफ नर्सो द्वारा लापरवाही सामने आने पर जिलाधिकारी ने कड़ी फटकार लगाई तथा सख्त निर्देश दिये कि मरीजों के साथ किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये अन्यथा की स्थिति में कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

वार्ड बॉय तथा गार्डो की शिकायत मिलने पर जिलाधिकारी अस्पताल पहुंचे। जिलाधिकारी ने सबसे पहले आपातकलीन विभाग का निरीक्षण किया। आपातकलीन कक्ष में डॉ. अनुराग पाराशर उपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने बाहर बैठे लोगो से जानकारी ली। मौजूद लोगो ने अपनी-अपनी समस्याओं की जानकारी दी। जिलाधिकारी ने प्रधानाचार्य मेडिकल कालेज श्री राजेश कुमार को निर्देशित किया कि बाहर की ओर भी एक हेल्प डेस्क बनवाये जिससे कि आने वाले मरीजों को सहायता मिल सके यदि मरीज इमरजेंसी का नही है तो उसे उचित स्थान पर भेजा जा सके। डीएम ने आपातकलीन में भर्ती मरीजों तथा उनके परिवारजनों से वार्ता की कि उनसे किसी ने पैसा तो नही लिया साथ ही उन्होने जानकारी ली कि मरीज को डाक्टर द्वारा समय से देखा गया अथवा नही। जिससे जानकारी प्राप्त हुयी कि मौजूद जनशक्ति के अनुरूप सभी मरीजों को समय से उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश देते हुये कहा कि प्राप्त शिकायत के अनुसार संलिप्त लोगो के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। डीएम ने प्राचार्य राजेश कुमार को निर्देश दिये कि इस प्रकार की लापरवाही विल्कुल न बरती जाये। उन्होने कहा कि मरीजों को गलत जानकारी देकर बहकाने वालो के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाये।

निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था दुरूस्त न पाये जाने पर जिलाधिकारी ने साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि मरीजों को भर्ती करने के साथ-साथ बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जाए। एक्सरे कक्ष के निरीक्षण के दौरान मौजूद मरीजों तथा उनके परिजनों से बातचीत करते हुए उनसे जानकारी ली। उन्होंने डिस्पेंसरी की विंडो पर दवा ले रहे लोगो से दवाइयों की उपलब्धता के बारे में भी जानकारी ली। डिस्पेंसरी की विंडो पर मौजूद लोगो से जानकारी ली कि उनसे कोई पैसा तो नही लिया गया मौके पर मौजूद लोगो ने बताया कि उनसे कोई पैसा नहीं लिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी मरीज को बेड के लिए प्रतीक्षा न करना पड़े यह भी सुनिश्चित किया जाए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का स्वास्थ्य कैम्प और जागरूकता अभियान लगातार जारी

● गंदगी, भरे पानी से सावधान रहने को दी सलाह

मोहम्मदी खीरी। तहसील क्षेत्र में इन दिनों वायरल, बुखार, डेंगू, टायफाइड, मलेरिया इत्यादि की सूचनाएं जगह.जगह से आ रही है। जिसके फलस्वरूप बढ़ रहे संक्रमण से चिंतित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदी द्वारा अधीक्षक मयंक मिश्रा के दिशा निर्देश पर क्षेत्र में लगातार स्वास्थ्य कैम्प व स्वास्थ्य जागरूता कार्यक्रम स्वास्थ्य टीम द्वारा जारी है। जिसके अंतर्गत स्वास्थ्य केन्द्र क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों सहित अब तक 30 से अधिक स्वास्थ्य कैम्पों को किया जा चुका है। तथा सात अक्टूबर से लगातार नगर के के पच्चीसों वार्डो में क्रमवार कैम्प जारी है। जिसके अंतर्गत आज नगर क्षेत्र में दो कैम्प व ग्रामीण क्षेत्र में एक कैम्प किया गया। वार्ड नं 18 बाजार खुर्द श्री नर्वदेश्वर महादेव मंदिर में कुल 41 जांचे की गईएजिसने डेंगू की 5 व मलेरिया की 18, टायफॉइड की 20 जांचे की गई। तथा 80 लोगो को दवाई वितरित की गई। जिसमे से एक बच्चे की जांच टायफॉइड पॉजिटिव निकली, शेष सभी जांचे निगेटिव रही।कैम्प में डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार, अचल सिंह, अनुपम तिवारी, इमरान, शिवम कुमार इत्यादि रहे।तथा मोहल्ला रामलीला में कुल 53 जांचे की गई। जिसमें 15 टायफॉइड, 5 डेंगू की जांचे की गई व कुल 58 लोगो को दवाई वितरित की गई। जिसमे सभी जांचे निगेटिव रही।कैम्प में डॉ धर्मेंद्र वर्मा टीम सहित मौजूद रहे। वही ग्राम नकेदा स्वाथ्य कैम्प में डा सोनी यादव टीम सहित मौजूद रही। स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक मयंक मिश्रा ने बताया सभी 25 वार्ड रोग मुक्त हो इसके लिए विशेष रूप से जागरूकता अभियान व स्वास्थ्य कैम्प प्रतिदिन जारी है।वही सवास्थ्य केन्द्र द्वारा नगर के प्रत्येक वार्ड में वरिष्ठ नागरिकों द्वारा एंटीलार्वा व वलीचिंग पाउडर वार्ड के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है।लोगो को दूषित जल व गंदगी से दूर रहना चाहिए क्योंकि टायफॉइड का प्रमुख कारण दूषित जल व आस.पास एकत्रित गंदगी है, जिससे बचने की आवश्यकता है। वही आकाश सैनी ने कहा सर्वप्रथम अपने आस.पास स्वच्छता का विशेष ध्यान रखेंएशरीर को ढक कर रखेंएजलभराब जैसी स्थित ना होने दे। मच्छरों से निजात के लिए मच्छर नासक अगरबत्ती व मच्छर लोशन या मच्छरदानी का इस्तेमाल अवश्य करें। अनुपम गुप्ता सभासद ने कहा बुखार इत्यादि आने पर अपने नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र या अच्छे डॉक्टर से सलाह लेकर ही दवाई लेएझोलाछाप डॉक्टरों ने चक्कर मे ना पड़े।

स्वास्थ्य परीक्षण दल ने हीमोग्लोबिन वजन, बीपी, लंबाई शुगर की जाँच की

शाहजहाँपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने नेशनल गर्ल इण्टर कॉलेज में किशोर स्वास्थ्य मंच कार्यक्रम उदघाटन फीता काटकर किया। कार्यक्रम में 10 से 19 वर्ष तक की किशोरियों को उनके अंदर होने वाले शारिरिक परिवर्तनों, महावारी स्वच्छता प्रबंधन के विषय मे जानकारी दी गई।मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने एनीमिया से बचाव हेतु किशोरावस्था में एक व्यक्ति को वजन के अनुसार कितनी मात्रा में प्रोटीन लेना चाहिए के बारे में बताया।

रुचिता वर्मा जिला सलाहकर ने बताया कि गन्दा कपड़ा प्रयोग नही करना चाहिए नही तो यौन रोग से पीड़ित हो सकती है सभी किशोरी सैनेटरी नैपकिन का प्रयोग 6 से 8 घण्टे तक ही करना है उसके बाद उसे हटा देना है दुबारा से उसका प्रयोग नही करना है। रुचिका वर्मा ने बताया अपने साथ लैंगिक हिंसा होने पर विरोध अवश्य करें।आज पोस्टर, मेंहदी, स्लोगन,वाद विवाद, निबंध प्रतियोगिता का आयोजन कर विजेता को मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण टीम द्वारा बच्चों का हीमोग्लोबिन, वजन, बीपी, लंबाई शुगर की जाँच की गई।

खीरी में डीएम एसपी ने की जिला शान्ति समिति की बैठक

● डीएम एसपी बोले, माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों से सख्ती के साथ निपटा जाएगा

लखीमपुर खीरी। खीरी में मां दुर्गा पूजा (नवरात्र) तथा विजय दशमी (दशहरा) पर्व को शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से शुक्रवार को डीएम महेंद्र बहादुर सिंह व एसपी गणेश प्रसाद साहा ने कलेक्ट्रेट में जिला शांति समिति की बैठक की, जिसमें बड़ी संख्या में सभी सम्प्रदाय के धर्मगुरु शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम ने सभी से आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की। अधिकारियों को व्यवस्था चाक चौबंद रखने के निर्देश दिए। बैठक में डीएम ने कहा कि खीरी अमन चैन के लिए मशहूर रहा है। इस परम्परा को कायम रखते हुए आगामी त्योहार भी सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाएं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजरायल.फिलिस्तीन विवाद का जिक्र करते हुए भारत सरकार के विचारों के विपरीत किसी तरह की गतिविधि स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री जी एवं शासन के स्पष्ट निर्देश है। सोशल मीडिया हो अथवा धर्मस्थल कहीं से भी किसी भी प्रकार का उन्मादी बयानध्वक्तव्य जारी न हों। यदि किसी के द्वारा ऐसा करने का प्रयास होगाए तो तत्परता के साथ उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी। इसे प्रत्येक दशा में सुनिश्चित कराया जाए। डीएम ने कहा कि दुर्गा पूजा में डीजेए गीत.संगीत आदि की आवाज निर्धारित मानकों के अनुरूप ही हो। अभियान चलाकर धार्मिक स्थलों पर लगे लाउड स्पीकर की ध्वनि पूर्व की भांति मानक के अनुरुप निर्धारित कराई जाए।

एसपी गणेश प्रसाद साहा ने अपील किया कि सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्यौहारों को मनाए। शान्ति व्यवस्था के संबंध में यदि कहीं से कोई भी सूचना प्राप्त हो तो उसे तत्काल जिम्मेदार अधिकारियों के संज्ञान में अवश्य लाए। आतिशबाजी की दुकान अनुमन्य स्थान पर ही लगेगीए जहां अग्निशमन के सारे मानक पूरे हो। डीएम व एसपी ने कहा कि जिले के अम्नो. अमान को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से संजीदा है। माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों से पूरी सख्ती के साथ निपटा जायेगा। डीएम व एसपी ने कहा कि उन्हें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि सभी के सहयोग से पूर्वकी भांति आगामी त्यौहार भी सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न होंगे। दुर्गा पूजा आयोजकों, राम लीला समितियों के पदाधिकारियों, जिले के संभ्रान्त नागरिकों से डीएम.एसपी ने अपील की। त्यौहारों के दौरान ऐसा आचरण रखें, जिससे किसी दूसरे व्यक्ति को कोई आपत्ति न हो।

क्विक न्यूज

आज से शुरू होगा मिशन शक्ति फेज 4, जनजागरुकता के लिए शहर में निकलेगी महिला सशक्तीकरण रैली

लखीमपुर खीरी। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिए शारदीय नवरात्र पर्व से ञिशन शक्तिष् का विशेष अभियान (फेज.04) शुभारम्भ होगा। अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए शुक्रवार को डीएम महेंद्र बहादुर सिंह व एसपी गणेश प्रसाद साहा ने संयुक्त रूप से अफसरों की वर्चुअल बैठक ली। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि मिशन शक्तिष् के विशेष अभियान के तहत 14 अक्टूबर को प्रातः 08रू30 बजे से एक.डेढ़ घंटा के लिए जनपद मुख्यालय पर कलेक्ट्रेट परिसर से चार पहिया और दो पहिया वाहनों से जनजागरुकता के लिए महिला सशक्तिकरण रैली निकाली जाएगीए जिसमें 112ए पीआरवी वाहनए एम्बुलेंस भी शामिल होगी। एक वाहन पीए सिस्टम के साथ होगाए जिससे मिशन शक्ति एवं महिला सशक्तिकरण से सम्बन्धित गीतञ्जिंगल प्रसारित होंगे। 02 चार पहिया तथा 10 दो पहिया वाहनों पर विभिन्न योजनाओं के पोस्टर्सएबैनर व मिशन शक्ति का प्रतीक चिन्ह प्रदर्शित किये जाएंगे, अन्य वाहनों पर मिशन शक्ति से सम्बन्धित फ्लैगश्बैनर होंगे। मिशन शक्तिष् के विशेष अभियान (फेज.04) का औपचारिक शुभारम्भ मा0 मुख्यमंत्री जी 14 अक्टूबर को लोक भवन में 11 बजे प्रातः लखनऊ में करेंगे। जनपद खीरी में उक्त शुभारम्भ कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग होगी। डीएम ने डीआईओएस और बीएसए को निर्देश दिए कि मिशन शक्ति अभियान के दौरान जिले भर के बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों को साथ में जोड़ते हुए उनके द्वारा जनजागरूकता की प्रभात फेरियाँ निकाली जाएँ।

वन मंत्री ने किया डेंगू वार्ड का निरीक्षण, भीड़ देखकर डिस्पेंसरी और पर्चा रजिस्ट्रेशन विंडो खोलने के दिये आदेश

बरेली। यूपी सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉक्टर अरुण कुमार सक्सेना बरेली के जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वन मंत्री डॉ अरुण कुमार ने डेंगू वार्ड के साथ अस्पताल के कई अन्य विभागों को देखा और स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। अरुण कुमार ने अस्पताल की डिस्पेंसरी के साथ पर्चा रजिस्ट्रेशन की जगह को देखा तो उन्होंने सलाह देते हुए कहा कि मरीजों की परेशानी को देखते हुए पर्चा रजिट्रेशन की एक दो विंडो के साथ डिस्पेंसरी की एक दो विंडो को बढ़ाने को कहा । मंत्री जी ने पैथोलॉजी को भी देखा , वह वहां की भीड़ को देखकर रुके तो उन्होंने अधिकारियों को पैथलॉजी व्यवस्थाओं को बेहतर करने के साथ सभी को अगले दिन हर संभव रिपोर्ट देने के लिए कहा ताकि मरीजों को सही इलाज मिल सके।वन मंत्री डॉक्टर अरुण कुमार सक्सेना ने मीडिया को बताया कि उन्होंने आज जिला अस्पताल का निरीक्षण किया है साथ ही डेंगू वार्ड को भी देखा है। उन्होंने अपनी तरफसे साफसफाई , पैथलॉजी, डिस्पेंसरी के संबंध में निर्देश दिए है। मरीजो की भीड़ देखकर डिस्पेंसरी में विंडो और पर्चा रजिस्ट्रेशन की विंडो और खोलने के दिये निर्देश ।जिला अस्पताल में छोटी मोटी कमियां मिली जिन्हें दूर करने के लिए उन्होंने सीएमएस को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

मामूली विवाद में ग्रामीण पर जानलेवा हमला

बरेली। खेत की मेढ को लेकर हुए विवाद के चलते दबंगों ने एक ग्रामीण पर धारदार हथियार से हमला कर दिया उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। बहेड़ी थाना क्षेत्र के गांव रुस्तम नगर निवासी कल्लू पुत्र सोहनलाल को आज सुबह घायल अवस्था में बहेड़ी स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसके घर वालों ने बताया कि कल्लू के खेत में पास में ही गांव के पूरन लाल का खेत है दोनों के बीच अक्सर खेत की मेढको लेकर झगड़ा होता है कल शाम को भी उनके बीच इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ जिससे गुस्साए पूरन लाल ने अपनी पत्नी चंद्र कली लड़के राजकुमार के साथ मिलकर कल्लू पर हमला कर दिया और सिर में धारदार हथियार मार कर घायल कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया, घर वालों ने उसे इलाज के लिए बहेड़ी के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां से आज सुबह जिला अस्पताल लाया गया

खेत पर जाने को कहा तो प्रेमी संग भाग गई किशोरी

बरेली। किशोरी से उसके परिजनों ने फसल की कटाई में मदद के लिए खेत पर जाने के लिए कहा तो वह गुस्सा हो गई और रात में अपने प्रेमी के साथ घर से भाग गई पुलिस ने उसे देवरनिया से बरामद किया और उसके प्रेमी को जेल भेजकर किशोरी को मेडिकल के लिए भेजा ।सीबीगंज थाना क्षेत्र के एक एक ग्रामीण में थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी बुधवार रात घर से नाराज होकर चली गई काफी तलाश करने पर भी वह नहीं मिली उसने बताया कि किशोरी को फसल की कटाई के लिए खेत पर जाने के लिए कहा था जिससे वह गुस्सा हो गई और खाना नहीं खाया तो परिजनों ने फिर उसे डांट दिया तब वह घर से नाराज होकर चली गई पुलिस ने उसे तलाशने की कोशिश शुरू कर दी और वह तड़के चार बजे देवरनिया में एक लड़के के साथ मिली ।पुलिस दोनों को थाने लेकर आई पूछताछ में दोनों ने एक दूसरे से प्रेम होने की बात कही पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी उसी गांव के रहने वाले छोटे का चालान कर जेल भेजा जबकि किशोरी को डायरेक्टरी परीक्षण के लिए भेजने की तैयारी शुरू कर दी पुलिस ने बताया कि बयान होने के बाद ही लड़की को परिजनों के हवाले किया जाएगा ।

श्री श्री 1008 महाराज अग्रसेन जी की जयंती पर 17 को निकलेगी भव्य शोभायात्रा

बरेली। अग्रवाल सेवा समिति के तत्वाधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री श्री 1008 महाराज अग्रसेन जी की पावन जयंती के अवसर पर तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित होंगे यह जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष अशोक गोयल और महामंत्री राजीव बूबना ने बताया कि 15 अक्टूबर को हवन में रंगोली प्रतियोगिता होगी 17 अक्टूबर को भव्य शोभा यात्रा इसमें बाहर से आई 10 झांकियां जिसमें केदारनाथ, राम मंदिर गणेश, हनुमान जी आदि समिति 18 घोड़े पर झांकियां सजी होगी जो साहू गोपीनाथ श्यामगंज साई मंदिर होते हुए आनंद आश्रम पर समाप्त होगी मीडिया प्रभारी राज अग्रवाल ने बताया की जयंती का मुख्य महोत्सव जो की महाराज अग्रसेन जी की 5148 में जयंती समारोह है 19 अक्टूबर गुरुवार के दिन आईएमए हाल में आयोजित की जाएगी आज छात्राओं का रंगारंग कार्यक्रम एवं मेधावी छात्र छात्राओं समाज के वह बच्चे जिन्होंने का डॉक्टर इंजीनियरिंग आदि की परीक्षा पास की है।

निघासन में हुआ ओरिएंटेशन प्रोग्राम, लिया गया बेटियों को बचाने और पढ़ाने का संकल्प

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

निघासन ब्लॉक में महिला कल्याण विभाग के तत्वावधान में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत शुक्रवार को एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम हुआ, जिसमें महिलापरक कानूनोए महिला शिक्षा, महिला सुरक्षा एवं विभिन्न योजनाओं की जानकारी एवं ग्रामीण समस्याओंध्उत्कृष्टता पर चर्चा की गयी। कार्यशाला का शुभारंभ थानाध्यक्ष निघासन श्रद्धा सिंह ने अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के साथ दीप जलाकर किया। एसओ श्रद्धा सिंह ने कहा कि सभी को संकल्प लेना चाहिए कि जन्म से पूर्व लिंग परीक्षण का विरोध करेंगे। बेटा एवं बेटी में भेद करने वाली हर सामाजिक कुरीतियों का बहिष्कार करेंगे। कन्या के जन्म का स्वागत करते हुए हर एक बेटी को पढ़ायेंगे। समुचित पोषण एवं गरिमामय व सशक्त जीवन प्रदान करने में सहायक होंगे।

महिला कल्याण अधिकारी आर्यमित्रा बिष्ट, जिला समन्वयक निक्की गुप्ता एवं प्रशासिका वन स्टाफ सेंटर रश्मि चतुर्वेदी, संरक्षण अधिकारी अनुज चतुर्वेदी, गंगा सागर, काउंसलर कयूम जरवानी ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, वन स्टाफ सेंटर घरेलू हिंसा अधिनियम, बाल विवाह दहेज प्रतिषेध अधिनियम में स्थित महिला पेंशन हेल्पलाइन 1098, 1090, 181 आदि की जानकारी प्रदान की।

ब्लाक निघासन में आयोजित कार्यशाला में महिला कल्याण विभाग की अगुवाई में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत हस्ताक्षर अभियान चला, जिसमें महिलाओं बालिकाओं ने प्रमुखता से प्रतिभाग करते हुए न केवल हस्ताक्षर किए बल्कि बेटियों के लिए अपने संदेश भी लिखें।

मिशन शक्तिः गांवों में भ्रमण कर चौपाल लगाएंगी महिला कांस्टेबलः डीएम

लखीमपुर खीरी। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने सभी थानाध्यक्षों को निर्देश दिए कि रोस्टर के हिसाब से थाना क्षेत्र के प्रत्येक गांव में 02 महिला कांस्टेबल जाकर बैठक करे। नवरात्रि तक सब जगह बैठक हो जाए, जिसकी नियमित रिपोर्टिंग करे। थानाध्यक्ष रोस्टर तैयार करें कि कब.कब किन ग्राम में होगी। इसकी सूचना एसडीएम.सीओ को दे। बैठक में लेखपाल, ग्राम सचिव, आशा आंगनबाड़ी भी प्रतिभाग कर सके।

डीएम ने निर्देश दिए कि महिला कांस्टेबल गांवों का भ्रमण कर ग्राम सचिवालय में चौपाल लगाएंगी। महिलाओं की शिकायतों को सुनेंगी और उनका निस्तारण कराएंगी। ये महिला सिपाही महिलाओं और बालिकाओं को मिशन शक्ति ;नारी सुरक्षाए नारी सम्मानए नारी स्वावलंबनद्ध के तहत महिला सुरक्षा और बचाव संबंधी जानकारी के साथ हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताएंगी। सरकार की महिलाओं से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में भी जानकारी देंगी।

एसपी गणेश प्रसाद साहा ने कहा कि फील्ड में तैनात महिला बीट अधिकारी महिलाओं के बीच जाकर शासन की योजनाओं के बारे में जानकारी दें। बीट अधिकारी रोस्टर से नियत गांव के पंचायत भवन में महिलाओं की समस्याओं का निस्तारण करें। मिशन शक्ति अभियान से जुड़े सभी विभाग 14 और 15 अक्टूबर को जागरुकता के कार्यक्रमों का आयोजन करें। वहीं 16 अक्टूबर से विभागवार निर्धारित कार्यक्रमों को भव्य आयोजन किया जाए। सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने अभियान की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता बताते हुए शासन से निर्धारित गृह, ग्राम्य विकास, महिला एवं बाल विकास, युवा कल्याण, उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, बेसिक शिक्षा, नगर विकास, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, राजस्व, संस्कृति एवं पंचायती राज विभाग द्वारा की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी। बैठक में सभी एसडीएम्ए सीओए बीडीओए ईओए संबंधित विभागों के अधिकारी गण वर्चुअल जुड़े।

डीएम ने एमओ की अध्यक्षता में गठित कीं टीमें, करेंगी मक्का गुणवत्ता का विश्लेषण

लखीमपुर खीरी। शासनादेश में दिये गये निर्देश के अनुपालन में डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2023.24 में न्यूनतम मूल्य समर्थन योजना के तहत मक्का क्रय केन्द्रों पर यदि कृषक के मक्का की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं है एवं कृषक संतुष्ट नहीं है तो यह तहसील स्तर पर कार्यरत क्षेत्रीय विपणन अधिकारी के यहाँ अपील कर सकता है। क्षेत्रीय विपणन अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति विलम्बतम 48 घण्टे में कृषक के सम्मुख विश्लेषण कर निर्णय लेगी। इस समिति में सम्बन्धित मण्डी सचिव के समितिध्पेडर व सम्बन्धित केन्द्र प्रभारीए 02 स्वतन्त्र कृषक सदस्य होंगे।

केन्द्र प्रभारी द्वारा किन्ही विशिष्ट परिस्थितियों में कृषकों द्वारा लाये गये मक्का को अस्वीकृत किये जाने पर रिजेक्शन रजिस्टर में मक्का विक्रेता का नाम व उसका पूरा पताए मोबाइल नम्बरए मक्का की मात्रा तथा अस्वीकृत करने का पर्याप्त एवं स्पष्ट कारण अंकित किया जायेगा। मांग किये जाने पर रिजेक्शन रजिस्टर सम्बन्धित किसानोंए जन प्रतिनिधियोंए निरीक्षणकर्ता अधिकारियों को दिखाया जायेगा।

शक्ति कलश यात्रा का स्वागत पिपरिया में हुआ भव्य दीपयज्ञ

शाहजहांपुर। 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के निमित्त शांतिकुंज हरिद्वार से आया शक्ति कलश जहां-जहां पहुंच रहा है उसका स्वागत किया जा रहा है। इस अवसर पर युग ऋषि संदेशवाहक सूरज वर्मा लगातार लोगों को जागृत कर रहे हैं कि 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ में शामिल होने के लिए 27 अक्टूबर से 30 अक्टूबर के बीच मिशन फील्ड गोहरपुरा पहुंचे। आज गायत्री शक्तिपीठ गौहरपुरा से रामनगर वरिष्ठ गायत्री शक्तिपीठ गौहरपुरा परिजन दुर्गेश सिंह जी के आवास पहुंचा पत्नी सहित उनके पिता जी एवं माताजी ने सपरिवार शक्ति कलश का पूजन कर भव्य स्वागत किया । गायत्री शक्तिपीठ चिनौर में प्रयाग जी ने सपत्नीक, माया चौहान, मुन्नी देवी, सभी गायत्री परिजन एवं शक्तिपीठ ट्रस्टी ने पूजन कर शक्ति कलश का पुष्प वर्षा के साथ भव्य स्वागत किया। जगह जगह स्वागत क्रम में अनिल कुमार श्रीवास्तव सपत्नीक परिवार सहित शक्ति कलश का पूजन कर स्वागत किया। डबल स्टोरी में मंजू जी, अंशु जी एवं माया चौहान जी ने परिवार सहित पूजन कर पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया। पैना में श्री सियाराम जी ने सपरिवार पूजन किया। नियामतपुर में जिला पंचायत अध्यक्ष के आवास पर परिजनों ने शक्ति कलश का पूजन के साथ भव्य स्वागत किया। ग्राम पिपरिया सड़क में संतोष कुमार यादव, मिथलेश कुमार यादव सपत्नीक, शिवम सपरिवार एवं गांव के परिजनों ने पूजन कर स्वागत किया। एवं सायं भव्य दीपयज्ञ संपन्न हुआ। युग ऋषि संदेश वाहक सूरज वर्मा ने कहा कि हम सभी का परम सौभाग्य है की 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ शहीदों की धरती शाहजहांपुर में 27 अक्टूबर से 30 अक्टूबर मिशन स्कूल फील्ड गौहरपुरा में होने जा रहा है। आप सभी को महायज्ञ के लिए भावभरा आमंत्रण है।

शराब के पैसे न देने पर युवक को किया घायल

बरेली। मजदूरी करके घर वापस लौट रहे युवक को शराब के पैसे ना देने पर मोहल्ले के हीं रहने वाले दबंग ने घायल कर दिया उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया घटना की शिकायत पुलिस से कर दी गई है। बारादरी थाना क्षेत्र के मोहल्ला हजियापुर निवासी मोहम्मद इस्लाम को बीती रात इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी पत्नी कमर जहां ने बताया कि मो. इस्लाम मजदूरी करके गुजारा चलता है और कल शाम को लगभग 6 बजे मजदूरी करने के बाद घर वापस लौट रहा था इसी दौरान मोहल्ले का रहने वाला बालक राम उसे रास्ते में मिला और उसने मोहम्मद इस्लाम से शराब पीने के लिए 100 रुपए मांगे इंकार करने पर वह गाली गलौज करने लगा विरोध करने पर उस पर पत्थर से हमला कर दिया जिससे मोहम्मद इस्लाम घायल लेकर जमीन पर गिर पड़ा और बालक राम फरार हो गया रास्ते से गुजर रहे लोगों ने जानकारी घर वालों को दी तब मौके पर पहुंची पत्नी ने उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भेज भर्ती कराया।

अफीम के साथ महिला समेत तीन गिरफ्तार

बरेली। पुलिस और नारकोटिक्स टीम ने अफीम तस्करी करने वाले गैंग का खुलासा करते हुए दंपति समेत तीन को गिरफ्तार कर 40 लाख की अफीम बरामद की उन्हें रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेजा गया।विशारतगंज थाना पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की संयुक्त टीम ने अलीगंज के ग्राम गुर्जरपुरा मजरा धनेती खरगपुर निवासी जगत सिंह, ममता उर्फकुसुम और बेचेलाल को विशारतगंज तिराहे से गिरफ्तार कर लिया टीम ने उनके कब्जे से दो किलो अफीम, नकदी और दो मोबाइल बरामद किये पुलिस ने बरामद अफीम की कीमत लगभग 40 लाख रुपये बताई पूछताछ में तस्कर जगत सिंह ने बताया कि साथी बेचेलाल ने उसकी मुलाकात झारखंड के लोगों से कराई थी उन लोगों से वह,उसका साथी और पत्नी ममता अफीम खरीदते थे महिला साड़ी में छुपाकर अफीम लेकर आती थी यह अफीम वह चंडीगढ़ और पटियाला में बेचने जाते थे जो मुनाफा मिलता था वह आपस में बांट लेते थे पुलिस ने तीनों तस्करों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज दर्ज कर ली तस्करों को जेल भेजा उन्हें गिरफ्तार करने वाली टीम में विशारतगंज थाना प्रभारी दीपचंद्र, एसआई रजनीश कुमार, महावीर सिंह, सिपाही अखिलेश सिंह, कृष्ण कुमार, विजय प्रताप,मो उमर, शुभम कुमार, प्रशांत और राहुल शामिल रह ।

मक्का क्रय, भण्डारण के लिए डीएम ने एसडीएम को बनाया नोडल

लखीमपुर। खरीफविपणन वर्ष 2023.24 में न्यूनतम मूल्य समर्थन योजना के तहत क्रयनीति विषयक शासनादेश में दी व्यवस्था के अनुसार डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने जनपद खीरी में कृषकों से मक्का क्रय एवं भण्डारण के निमित्त के लिए तहसील सदरए गोलाए पलिया एवं निघासन के एसडीएम को उनकी तहसील परगना हेतु नोडल अधिकारी नामित किया। निर्देश दिए कि इस कार्य में सम्बन्धित तहसील के क्षेत्रीय विपणन अधिकारी द्वारा समन्वय रखा जायेगा।

पेयजल परियोजनाओं को पूरा कर दूर करें जल संकट: नरेंद्र कश्यप

● प्रभारी मंत्री ने बैठक में की कानून व्यवस्था की समीक्षा

संवाददाता। चित्रकूट

उत्तर प्रदेश सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप की अध्यक्षता में बांदा-चित्रकूट सांसद आर के सिंह पटेल, मऊ-मानिकपुर विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता, ऑपरेटिव बैंक चित्रकूट/ बांदा के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल की उपस्थिति में कानून व्यवस्था एवं विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई।

बैठक में मंत्री ने परियोजना प्रबंधक जल निगम से जनपद चित्रकूट में चल रहे जल जीवन मिशन के अंतर्गत रैयपुरा, चांदी बांगर, सिलौटा में चल रहे परियोजनाओं के बारे में जानकारी ली। परियोजना प्रबंधक ने बताया कि चांदी बांगर सिलौटा परियोजना 15 नवंबर तक चालू कर दिया जाएगा एवं रैयपुरा में एक हफ्ते में पूरे गांव में पानी सप्लाई कर दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि सभी परियोजनाओं में मैनपॉवर बढ़कर सितंबर तक पूर्ण कराएं। मंत्री ने एयरपोर्ट के बारे में जानकारी ली। जिस पर जिलाधिकारी ने कार्यों के बारे में बताया कि नवंबर तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

मंत्री ने एमएचविंग खोह में बने 200 सैया बेड के बारे में जानकारी ली। जिस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि इसमें सिजेरियन व अन्य स्वास्थ्य कार्य जा रहे हैं। जिस पर मंत्री ने कहा कि अगर मैनपॉवर डॉक्टर की जरूरत है तो बताए। मंत्री ने कहा कि डेंगू के मरीजों को कोई भी परेशानी नहीं होनी चाहिए। जीएसटी के संबंध में उन्होंने कहा कि देश का सबसे बड़ा विभाग है लेकिन चित्रकूट में परफॉर्मेंस ठीक नहीं है।

प्लास्टिक सामग्री के उपयोग पर कड़ाई से लगाएं पाबंदी: डीएम

संवाददाता। चित्रकूट

जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण एवं वृक्षारोपण समिति की बैठक में नगर पालिका, सिंचाई विभाग, जिला पंचायत राज विभाग से मंदाकिनी नदी किनारे साफ-सफाई अभियान की चर्चा की। उन्होंने ईओ को निर्देश दिये कि बैनर लगाकर महीने में चार दिन अभियान चलायें।

शुक्रवार को जिलाधिकारी ने कलेक्टेऊट सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीपीआरओ को निर्देश दिये कि मंदाकिनी नदी किनारे अभियान चलाकर सफाई करायें। मुख्यमंत्री के कडे आदेश है कि प्लास्टिक मुक्त होना चाहिए। ईओ को निर्देश दिये कि सुन्दर घाट व रामघाट में हवन-पूजन सामग्री को विसर्जन कुंड बनवायें। उदासीनता से कार्य न कर तेजी से करें। रामघाट पर कच्ची जमीन नहीं मिल रही है तो पक्की में सीमेंटेड बनवायें। प्रभागीय वनाधिकारी को निर्देश दिये कि परिक्रमा मार्ग पर वृक्षारोपण कराकर ट्रीगार्ड भी लगवायें। एक्सईएन सिंचाई को निर्देश दिये कि मंदाकिनी नदी की सिल्ट सफाई को तालमेल से अभियान चलायें। उन्होंने कहा कि जिला समितियां पौधरोपण करायें। मंदाकिनी नदी में गिरने वाले 14 नालों का चिन्हांकन करायें।

डीएम ने क्रिटिकल गैप से बनायी जा रही सड़क में पकड़ी लापरवाही, लगाई फटकार

● गुणवत्तायुक्त तरीके से सड़क निर्माण के दिये निर्देश

संवाददाता। उरई, जालौन

शुक्रवार को जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने लोक निर्माण विभाग द्वारा क्रिटिकल गैप से बनाई जा रही कोंच बस स्टैंड से लेकर पीली कोठी तक निर्माणाधीन सड़क का औचक निरीक्षण किया। लोक निर्माण विभाग द्वारा कोंच बस स्टैंड से लेकर पीली कोठी तक बनाई जा रही 1.8 किलोमीटर सड़क का जिलाधिकारी ने पैदल मार्च कर सड़क की गुणवत्ता को परखा। उन्होंने सड़क की गुणवत्ता खराब होने पर संबंधित अधिकारियों पर जमकर फटकार लगाई साथ ही ससमय पुनः गुणवत्ता युक्त सड़क निर्माण के निर्देश दिए।

निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण करते हुये डीएम ने लोक निर्माण विभाग को हिदायत देते हुए कहा कि सड़क निर्माण में लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने सड़क निर्माण में इस्तेमाल की जा रही गिट्टी की साइज और रेशियो की जांच कराते रहने के निर्देश दिए। उन्होंने गुणवत्ता विहीन सड़क बनाने को लेकर संबंधित ठेकेदार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सड़क निर्माण करने वाले ठेकेदार को सख्त चेतावनी दी गई कि सड़क के काम की गुणवत्ता को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

इसके बाद भी यदि ठेकेदार सड़कों के निर्माण में मानकों की अनदेखी करने का प्रयास करेंगे तो उनके विरुद्ध कार्यवाही करने में संकोच नहीं होगा। उन्होंने लोनिवि के अधिकारियों को भी चेतावनी दी कि सड़कों के निर्माण में लापरवाही किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जायेगी। जो भी लापरवाही बरतेगा उसके विरुद्ध कार्यवाई अमल में लायी जायेगी।

नवरात्र, मूर्ति विसर्जन और दशहरा मेले को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

जालौन, उरई। नवरात्र, मूर्ति विसर्जन और दशहरा मेले को लेकर शांति समिति की बैठक में कोतवाली परिसर में आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न निर्देश दिए गए।

नवरात्र, मूर्ति विसर्जन और दशहरा मेला को लेकर शांति समिति की बैठक का आयोजन कोतवाली परिसर में एसडीएम सुरेश कुमार की अध्यक्षता एवं सीओ रविंद्र गौतम की उपस्थिति में संपन्न हुआ। बैठक में एसडीएम व सीओ ने संयुक्त रूप से कहा कि देवी पांडाल में लगाए जाने वाले टेंट में ऐसी व्यवस्था की जाए कि करंट खंभे आदि में न आए। तारों को खुला न छोड़ा जाए। एचटी लाइन और खंभे के आसपास पांडाल न लगाए जाएं। किसी अनहोनी से बचने के लिए देवी पांडाल में पानी से भरा हुआ ड्रम रखा जाए और पांडाल में सीसीटीवी कैमरे की भी व्यवस्था करें। डीजे को लेकर उन्होंने जुलूस व देवी पांडाल में निर्धारित मानक पर ही ध्वनि बजाए की बात कही। साथ ही जुलूस में शराब पीकर आने वालों के खिलाफ कार्रवाई की भी चेतावनी दी। इस दौरान बताया गया कि इस बार नगर क्षेत्र में 35 एवं ग्रामीण क्षेत्र में 16 स्थानों पर दुर्गा पंडाल की स्थापना की जा रही है। नवरात्र को लेकर देवी भक्तों ने बताया कि सुबह व शाम बिजली की कटौती की जा रही है। नवरात्र के दौरान इस कटौती को बंद किया जाए।

पति की मौत के गम में पत्नी ने फांसी लगा कर की आत्महत्या

जालौन, उरई। व्यापारी पति की मौत के गम में कुछ ही घंटे बाद पत्नी ने भी घर के बरामदे में साड़ी से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर कोतवाली पुलिस के साथ ही फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गणेशजी निवासी व्यापारी उमेशचंद्र चौरसिया (60) पुत्र रामबाबू चौरसिया लगभग दो माह से बीमार चल रहे थे। उनकी पत्नी कविता चौरसिया (55) प्राइवेट शिक्षिका हैं। गुरुवार की रात करीब 10 बजे खाना खा पीकर परिजन सो गए। रात में जब कविता पति को देखने के लिए उठीं तो रात में उनकी मौत हो चुकी थी। पति की मौत का सदमा कविता बर्दाश्त नहीं कर पाईं। कुछ ही घंटे बाद भोर में उन्होंने आंगन के पास टिन शैड में बने बरामदे के हुक में साड़ी का फंदा बनाकर गले में डाल लिया और उस पर लटक गई। फांसी लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सुबह करीब छह बजे जब बेटे अर्पित व सागर जागे तो माता पिता के शव को देखकर चीख पुकार मच गई। एक साथ दो मौतों की खबर नगर में फैल गई। मोहल्ले के लोगों ने इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी अनिल कुमार राणा मौके पर पहुंच गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुला लिया गया। जहां टीम ने साक्ष्य एकत्रित किए।

तकिया मैदान पहुंच एसपी ने मुस्लिम धर्मगुरुओं से की शांति की अपील

● नगर में सुरक्षा व्यवस्था का लिया जाएज़ा

संवाददाता। जालौन, उरई

इजराइल और हमास के बीच छिड़ी जंग में नगर में शांति व्यवस्था को खतरा न हो इसके लिए शुक्रवार को एसपी डॉ. ईराज राजा नगर में तकिया मैदान पर पहुंचे और मुस्लिम धर्मगुरुओं से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। इस समय इजराइल और हमास के बीच जंग छिड़ी हुई है। इसको लेकर नगर में कहीं कोई शांति व्यवस्था को खतरा उत्पन्न न हो इसके लिए जुमा के नमाज के दौरान एसपी डॉ. इराज राजा नगर में पहुंचे। उन्होंने नगर में सुरक्षा व्यवस्था का जाएजा लिया और तकिया मैदान पर पहुंचे। जहां उन्होंने मुस्लिम समाज के लोगों से बातचीत की और शहर काजी मौलाना साबिर से मिलकर नगर की सुरक्षा को लेकर चर्चा की। कहा कि किसी भी समस्या का हल लड़ाई, झगड़ा नहीं है। किसी भी समस्या को शांति से बैठकर हल किया जा सकता है। उन्होंने नगर में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। साथ ही निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचें। न तो स्वयं अफवाह फैलाएं और न ही दूसरों को फैलाने दें। सोशल मीडिया पर भी कोई ऐसी पोस्ट न की जाए जिससे की शांति व्यवस्था बाधित हो।

एसडीएम, सीओ ने फोर्स के साथ किया पैदल मार्च

कालपी, जालौन। शुक्रवार को जुमे की नमाज और निकट में लगी नवरात्रि पर्व को लेकर पूरे शहर में एसडीएम कालपी तथा सीओ ने भारी पुलिस फोर्स के साथ पैदल भ्रमण किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। एसडीएम केके सिंह, सीओ कालपी डा. देवेंद्र पचौरी और शहर कोतवाल, अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक, वरिष्ठ उप निरीक्षक सतपाल सिंह, एसआई राजेश सिंह, आदि ने मय हमराहियों के बड़ा बाजार, ईदगाह वाला एरिया, उदनपुरा निकासा सहित उन सभी इलाकों में भ्रमण किया।

क्विक न्यूज

पांच दिनों से गायब महिला का खेत में मिला शव

फतेहपुर। खखरेरू थाना क्षेत्र के बसवा गांव निवासी सुमेर पासवान की 45 वर्षीय पत्नी रन्नो देवी पांच दिन पूर्व घर से लापता हो गई थी। परिजनों ने काफ़ी खोज बीन किया मगर कुछ पता नहीं चल रहा था। गुरूवार की शाम गांव से एक किलोमीटर दूर बाजरे के खेत में ग्रामीणों ने शव पड़ा देखा तो परिजनों को जानकारी दिया। परिजनों ने शव की शिनाख्त करके घटना की सूचना पुलिस को दी। पोस्टमार्टम हाउस आये मृतका के चाचा प्रभुदयाल व भाई राजू ने आरोप लगाते हुए बताया कि बहनोई सुमेर के अवैध संबंध गांव के ही बदलू की पत्नी से थे। जिसका मृतका विरोध करती थी। आये दिन उसके साथ पति मारपीट किया करता था। एक बार मारपीट कर उसका पैर भी तोड़ दिया था। मृतका का शव मिलने के बाद से पति घर छोड़ कर कहीं फरार है।

एचटी लाइन से युवक झुलसा, पंडाल लगाते समय हादसा

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के चक काजीपुर गांव निवासी सदानंद का 22 वर्षीय पुत्र रमाशंकर ग्रामीणों के साथ मिलकर गांव में नवरात्र आगमन से पूर्व दुर्गा माता का पंडाल लगा रहा था। तभी टेंट के सीलिंग का पाइप हाइटेंशन लाइन में छू गया। लोहे का पाइप तार में छूते ही रमा शंकर बिजली के करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एंबुलेंस युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंची। जहां डॉक्टर युवक की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया।

एसपी वृंदा शुक्ला के निर्देश पर नौ पर गुण्डा एक्ट

चित्रकूट। अपराधियों के खिलाफ जारी कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक पहाड़ी नागेन्द्र कुमार नागर ने भोली-भाली जनता में भय-आतंक फैलाकर गुण्डागर्दी करने वाले तीरथराज उर्फ कल्लू सिंह निवासी लोहदा, राममिलन निवासी पहाडी, फूल सिंह निवासी असोह, चुन्नू निवासी चौरा, राजकुमार पुत्र रामध्वज, ओमकार पुत्र बाबूलाल, अवधेश पुत्र बुत्ता केवट, बुन्देला पुत्र रामध्वज व रामदास पुत्र बुत्ता केवट निवासी रैयापुरवा मजरा गढ़ीघाट के खिलाफ110 सीआरपीसी के तहत मिनी गुण्डा एक्ट की कार्यवाही की है। पुलिस द्वारा की जा रही ऐसी कार्रवाइयों के चलते अपराधी तत्वों में खलबली मची है।

मंडलीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने किया जोरदार प्रदर्शन

संवाददाता। फतेहपुर

राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित मंडल स्तरीय बालक व बालिका बॉलीबॉल व जुडो की प्रतियोगिता का अयोजन किया गया। प्रतियोगिता में चार जनपदों की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। शुक्रवार को राजकीय इंटर कालेज परिसर में मंडल स्तरीय बालिका बालीबाल व जुडो का आयोजन किया गया प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी पंकज यादव व राजकीय इंटर कॉलेज प्रधानाचार्य उदय प्रभात ने किया।

दोनों प्रतियोगिताओं में चारों जनपदों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। जुडो के बालक बीस किलो भार वर्ग में फतेहपुर के अर्जुन सखियांव हसवा प्रथम व द्वितीय स्थान पर सुंदरम प्रयागराज, 25 किलो भार वर्ग में बहुआ फतेहपुर के राजकुमार, द्वितीय स्थान पर रिशु यादव कौशाम्बी तीस किलो भार वर्ग में दीपक पखरौली फतेहपुर प्रथम, अंकित प्रतापगढ़ द्वितीय, 35 किलो भार वर्ग में रामपाल सुदनपुर विजयीपुर प्रथम व नैतिक प्रतापगढ़ द्वितीय, चालीस किलो भार वर्ग में धर्मेन्द्र पखरौली बहुआ फतेहपुर प्रथम, 44 किलो भार वर्ग में ऋषभ पखरौली प्रथम व नितिन कौशाम्बी से द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

जुमे की नमाज व त्योहारों को लेकर पुलिस का फ्लैग मार्च

बिंदकी, फतेहपुर। जुमे की नमाज के साथ-साथ आगामी नवरात्र, दशहरा व दीपावली पर्व पर शांति व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से शुक्रवार को एसडीएम बिंदकी व डीएसपी बिंदकी की अगुवाई में बिंदकी कस्बे में फ्लैग मार्च किया गया। मौलवियों से मिलकर शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए दिशा-निर्देश दिये गये। बिंदकी कस्बे के एसडीएम व सीओ की संयुक्त अगुवाई में कोतवाली पुलिस कस्बे में फ्लैग मार्च पर निकली। कस्बे के विभिन्न मार्गों पर भ्रमण कर आमजन को जुमे की नमाज व त्योहारों पर सुरक्षा का एहसास कराया। इतना ही नहीं आमजन से शांति व्यवस्था बनाये रखने की अपील भी की गई। एसडीएम ने कहा कि पर्वों पर शांति व्यवस्था बनाये रखें। पर्व के दौरान ऐसा कोई कार्य न करें जिससे किसी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचे।

मच्छरजनित बीमारियां बढ़ीं, गरीब हुए बेहाल

फतेहपुर। शहर सहित ग्रामीणांचलों में मच्छरजनित घातक बीमारियों ने तेजी से पैर पसारना शुरू कर दिया है। चिकित्सकों के क्लीनिकों पर मौसमी रोगों के शिकार लोगों की कतारें लगी हुई है। वहीं ग्रामीणांचलों में झोलाछाप चिकित्सकों की पौबारह हो रही है, परन्तु जनपद का स्वास्थ्य विभाग चैन की नींद सो रहा है। विभाग के आला अधिकारी भी संक्रामक रोगों की रोकथाम की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं कर पा रहे हैं जिससे गरीब मरीजों का बुरा हाल है। शहर की मलिन बस्तियों व देहात क्षेत्र में मच्छरों का भारी प्रकोप है। साफसफाई व डीडीटी का छिड़काव बरसात के पूर्व न कराये जाने से घातक मच्छरों की तादात दिनों दूरी रात चौगुनी बढ़ती जा रही है इसलिए प्रतिदिन सैकड़ों लोग मच्छरजनित मलेरिया, वायरल फीवर, मस्तिष्क ज्वर जैसे संक्रामक रोगों के शिकार हो रहे हैं। निजी चिकित्सकों के क्लीनिक पर उपरोक्त रोगों से पीड़ितों की कतार दिन पर दिन लम्बी होती जा रही है।

डीएम ने आने वाले त्यौहारों के मद्देनज़र की बैठक की अध्यक्षता

कानपुर देहात। आगामी त्योहार नवरात्र, दशहरा, दुर्गा पूजा व 'मिशन शक्ति' (फेज-04) के सफल आयोजन के दृष्टिगत जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक जिलाधिकारी आलोक सिंह के अध्यक्षता में मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों व आए हुए गणमान्य आयोजकों को निर्देश देते हुए कहा कि सड़क के किनारें दुर्गा प्रतिमा की स्थापना नहीं की जाएगी, मुख्य सड़क से हटकर पार्क या किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर मूर्ति की स्थापना की जाए, नदियों में मूर्ति विसर्जन नहीं किया जाएगा, नदियों से अलग जगह चिन्हित कर मूर्ति विसर्जन संपन्न कराया जाए, विसर्जन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए।

उन्होंने आयोजकों से कहा दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए जो स्थान चिन्हित किए गए हैं, उन्हीं स्थानों पर विसर्जन संपन्न करायें। उन्होंने कहा कि जिन ट्रैक्टर या अन्य वाहनों से मूर्तियों को ले जाया जाता है उस वाहन को चलाने वाले वाहन चालक नशे की हालत में ना हो, इसका सख्ती के साथ सुनिश्चित कराया जाए। त्योहारों के दृष्टिगत विद्युत आपूर्ति निर्वाधरूप से संचालित रहे, इसके लिए विद्युत विभाग के अधिकारी संपूर्ण व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ले तथा सभी पंडाल या अन्य आयोजन स्थलों पर विद्युत कर्मियों की ड्यूटी सुनिश्चित की जाए।

डीएम ने सभी थाना प्रभारी, सीओ व एसडीएम से उनकी तैयारियों की समीक्षा कर विस्तृत दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन मार्गो से होकर जुलूस निकलना है, उस पर साफ सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए, सभी धार्मिक प्रतिनिधि शासन द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करें, निर्धारित रूट पर ही जुलूस निकाले। आयोजक अपने वालंटियर्स जरूर लगाएं तथा उन्हें अपने स्तर से पहचान पत्र अवश्य जारी करें।

ड्यूटी कर रहे डाक्टर से सभासद ने की अभद्रता, एफआईआर दर्ज

हमीरपुर। जिला अस्पताल की इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर के साथ अभद्रता करने और जाति सूचक शब्दों से अपमानित करने पर नगर पालिका के सभासद सहित आधा दर्जन अज्ञात लोगों के विरुद्ध देर रात गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस के मुताबिक हमीरपुर शहर के गौरा देवी सभासद राजेश सिंह उर्फ लाला ठाकुर का गुरुवार की देर रात जिला अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में मरीज का इलाज कराने गये थे हार्ट का मरीज होने के कारण डा.महेंद्र ने उसे कानपुर रिफर कर दिया इसी बात से नाराज होकर सभासद व डाक्टर से विवाद हो गया। तभी सभासद ने अभद्रता करते हुए धक्का मुक्की की और जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया। सरकारी कार्य मे बाधा डाली, जिसकी वजह से अस्पताल में अफरा तफरी मच गई ।इस घटना को लेकर रात में ही जिला अस्पताल के समस्त डॉक्टर लामबंद होकर कोतवाली पहुंच गए। पुलिस ने रात में ही लाला ठाकुर को हिरासत में ले लिया था। दूसरे पक्ष से भी बहुत से लोगों का कोतवाली में जमावड़ा लग गया। इसके बाद समझौते को लेकर दोनों पक्षों से बातचीत का दौर शुरू हुआ। देर रात तक पंचायत भी होती रही लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। आखिरी में डॉ महेंद्र सिंह की तहरीर पर पुलिस ने आज सभासद के विरुद्ध गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। वही सीएमएस डा एसपी गुप्ता ने बताया कि ओपीडी समाप्त करने के बाद डाक्टरों की एक टीम पुलिस अधीक्षक से मिलकर अपनी पीड़ा बतायी इस पर एसपी ने अस्पताल में चौबीस घंटे एक एसआई व दो पुलिस कर्मियों की डियूटी लगाने का आश्वासन दिया है। मामले को लेकर सभी डाक्टर लामबंद हो गये हैं।

पेज एक का शेष

इजराइल बढ़ा...

पर 13 लोगों की जान गई है। वहीं इजराइली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हैगारी ने हवाई हमलों में बंधकों के मारे जाने की खबर को खारिज किया है और अल जजीरा अरैबिक से कहा, हमारी पास अपनी सूचना है और हम हमास के झूठ को नहीं मानते। हैगारी ने कहा कि सेना ने उत्तरी गाजा के लोगों से दक्षिण की ओर जाने को कहा है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इससे 11 लाख लोग प्रभावित होंगे। इजराइल ने आरोप लगाया है कि हमास के लड़ाके गाजा सिटी में सुरंगों में छिपे हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि यह असंभव है कि ऐसा अभियान बिना मानवीय त्रासदी के पूरा हो जाए। उन्होंने कहा कि इजराइल ने एक व्यापक निकासी आदेश जारी किया है जिसमें गाजा की आधी आबादी को 24 घंटे के भीतर क्षेत्र के दक्षिण की ओर जाने के लिए कहा गया है। इस बीच हमास ने फलस्तीनियों से अपने घरों में रहने का आह्वान करते हुए कहा कि इज़राइल नागरिकों के बीच भ्रम पैदा करने और हमारे आंतरिक मोर्चे की एकजुटता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। हमास ने फलस्तीनियों से इस मनोवैज्ञानिक युद्ध की अनदेखी करने का अनुरोध किया है। यह पूछे जाने पर कि क्या सेना अस्पतालों, संयुक्त राष्ट्र आश्रय गृहों और नागरिक स्थानों को सुरक्षा देगी, हैगारी ने कहा यह युद्ध क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि अगर हमास लोगों को हटने से रोकता है तो शेष जिम्मेदारी उसकी होगी। गाजा के उत्तरी क्षेत्र के लिए व्यापक आदेश संयुक्त राष्ट्र के सभी कर्मचारियों और उन हजारों लोगों पर भी लागू होता है जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र के स्कूलों और अन्य प्रतिष्ठानों में शरण ली हुई है। इजराइल के ऊर्जा मंत्री इजराइल काट्ज ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, जब तक बंधकों को रिहा नहीं किया जाता, तब बिजली का एक स्विच भी ऑन नहीं किया जाएगा, एक नल नहीं खोला जाएगा, ईंधन का एक भी ट्रक गाजा में दाखिल नहीं होगा।

सबसे ऊंची...

पर भेजा जाता है। भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया कि बीएसएनएल के सहयोग से, सियाचिन वॉरियर्स ने 15,500 फीट से अधिक ऊंचाई पर तैनात सैनिकों के लिए मोबाइल संचार का विस्तार करने के लिए 6 अक्टूबर को सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र की अग्रिम चौकियों पर पहला बीएसएनएल बीटीएस स्थापित किया। केंद्रीय संचार राज्य मंत्री देवुसिंह चौहान ने भी इस अविश्वसनीय विकास के बारे में साझा करने के लिए एक्स का सहारा लिया। उन्होंने लिखा कि बीएसएनएल ने सियाचिन वॉरियर्स के साथ मिलकर सियाचिन ग्लेशियर में पहला मोबाइल टावर स्थापित किया है। अब हमारे हीरो अपनी सुविधानुसार अपने प्रियजनों से बात कर सकते हैं। इस उपलब्धि की सराहना करते हुए, उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने यह भी साझा किया कि कैसे 'हमारी अशांत दुनिया में यह छोटी सी घटना' वास्तव में एक 'बड़ी खबर' है। उन्होंने लिखा कि ये सियाचिन में लगाए गए पहले मोबाइल टावर की ञ्जस्त्रद्ग1ह्लह्यद्बठ्ठद्ध द्वारा साझा की गई तस्वीरें हैं! हमारी अशांत दुनिया में एक छोटी सी घटना। लेकिन इसका मतलब यह है कि हमारे जवान जो हमारी रक्षा के लिए दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र में हर दिन अपनी जान की बाजी लगाते हैं, वे अब अपने परिवारों से मजबूती से जुड़े रहेंगे। उनके लिए ये डिवाइस विक्रम लैंडर जितनी ही अहम है। मेरे लिए यह वास्तव में बड़ी खबर है। सियाचिन को सुरक्षित करने के लिए 13 अप्रैल, 1984 को ऑपरेशन मेघदूत के हिस्से के रूप में भारतीय सेना को वहां तैनात किया गया था, जो रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण था क्योंकि ग्लेशियर की सीमा पाकिस्तान और चीन से लगती है। संयोग से भारतीय सेना ने इस वर्ष 39वां सियाचिन दिवस मनाया और इस अवसर पर सियाचिन ब्रिगेड के कमांडर ने फायर एंड फ्यूरी कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) की ओर से सियाचिन युद्ध स्मारक, बेस कैंप पर पुष्पांजलि अर्पित की और युद्ध नायकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। ये सियाचिन की रक्षा करने वाले बहादुरों के साहस और धैर्य की गाथा कहता है। हर साल 13 अप्रैल को सियाचिन योद्धा सियाचिन दिवस मनाते हैं। सियाचिन योद्धाओं ने उन दिग्गजों, वीर नारियों और नागरिक सुरक्षा कर्मचारियों को भी सम्मानित किया, जिन्होंने इस सबसे चुनौतीपूर्ण युद्ध के मैदान में चरम मौसम की स्थिति और कठिन इलाके से लड़ते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। ग्लेशियर काराकोरम पर्वतमाला में 76 किलोमीटर तक फैला हुआ है और यहां का शून्य से नीचे का तापमान और बार-बार होने वाला हिमस्खलन मानव अस्तित्व के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। ऑपरेशन मेघदूत शुरू होने के बाद से यहां 800 से अधिक भारतीय सैनिक शहीद हुए हैं। भारतीय सेना चरम मौसम से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए अत्यधिक दृढ़ और प्रेरित सैनिकों और अत्याधुनिक उपकरणों के साथ परिचालन तैयारियों की उच्च स्थिति में, ग्लेशियर, जमी हुई सीमा के साथ प्रमुख मार्गों और चोटियों की रक्षा कर रही है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला औद्यानिक समिति की बैठक संपन्न

हमीरपुर। स्थानीय मीटिंग हाल में जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय की अध्यक्षता में उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की जिला औद्यानिक समिति की बैठक आयोजित हुई। जिला उद्यान अधिकारी आशीष कटियार ने बैठक के संबंध में बताया कि जनपद के सम्मानित कृषकों द्वारा अपने-अपने औद्यानिक उत्पादों को जिलाधिकारी को भेंट कर बैठक की शुरूआत की इसके पश्चात डीएचओ आशीष कटियार द्वारा उद्यान विभाग के पिछले वर्ष के लक्ष्यों व प्रगति तथा वर्तमान वर्ष के लक्ष्यों के बारे में योजनावार समिति को अवगत कराया गया। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा विकासखण्डवार भौगोलिक परिस्थिति को देखते हुए सम्भावित फसलों, बागवानी को चिन्हित कर वार्षिक कार्ययोजना बनाकर कार्य करने हेतु जिला उद्यान अधिकारी को निर्देशित किया तथा मुख्य विकास अधिकारी चन्द्रशेखर शुक्ला द्वारा कृषकों से अपेक्षित सहयोग करने का आग्रह किया। प्रगतिशील कृषक बलराम दादी ने बुन्देलखण्ड एवं विन्ध्य क्षेत्र की विकास योजना के तहत बागवानी कार्यक्रम पुनः शुरू करवान हेतु जिलाधिकारी महोदय से अनुरोध किया। प्रगतिशील कृषक डॉ देव सिंह द्वारा स्ट्राबेरी की खेती लागत के सापेक्ष अनुदान बहुत कम होने की बात बताई।

आरेडिका के प्रतिनिधि दल ने अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में दिखाए रेलवे उपकरण

रायबरेली। तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय रेलवे उपकरण प्रदर्शनी 2023 का अयोजन 12 से 14 अक्टूबर तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान में भारतीय उद्योग परिसंघ एवं भारतीय रेलवे के तत्वाधान में अयोजित किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी में भारतीय रेलवे के प्रमुख हितधारकों एवं भागीदार के रूप में जर्मनी, जापान, रूस, यूके के साथ 11 देशों के 500 से अधिक प्रदर्शक नई दिल्ली के प्रगति मैदान के 5 हॉलों में फैले लगभग 30 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र को कवर करते हुए नवीनतम प्रौद्योगिकी और सेवाओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। भारतीय रेलवे ने अब तक का सबसे बड़ा मंच स्थापित किया है। जो इस क्षेत्र में भारत की ताकत, क्षमताओं और इसके विस्तार और आधुनिकीकरण योजनाओं के लिए भारतीय रेलवे की भविष्य का आवश्यकताओं को प्रदर्शित कर रहा है। तीन दिवसीय कार्यक्रम में समवर्ती अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, बैठकें और क्रेता विक्रता बैठकें शामिल हैं जो सभी हितधारकों के लिए रेल परिवहन क्षेत्र में तकनीकी प्रगति हितधारकों के साथ नेटवर्क और एक ही मंच के तहत ज्ञान साझा करने का अवसर दे रहा है। आरेडिका का स्टॉल सीडीई डी के सिंह की देख-रेख में लगाया गया है। जहाँ आरेडिका सभी उत्पादन इकाइयों और क्षेत्रीय रेलवे के साथ भारतीय रेलवे की ताकत, क्षमताओं और भविष्य की आवश्यकताओं को प्रदर्शित करते हुए इस प्रदर्शनी में भाग ले रहा है। आरेडिका के जनसम्पर्क अधिकारी अनिल श्रीवास्तव, रौनक गुप्ता, एके अग्निहोत्री, गोविल ने रेल प्रदर्शनी से संबंधित थीम वह अन्य प्रदर्शन सामग्री की विस्तृत जानकारी उपस्थित आगन्तुको के समक्ष प्रस्तुत की।

हमास हमले का असर : फ्रांस के स्कूल में चाकू से हमला : एक शिक्षक की मौत

● दो अन्य घायल, आतंकवाद रोधी पुलिस कर रही जांच

भाषा। अरस (फ्रांस)

चेचन मूल के एक व्यक्ति ने शुक्रवार को उत्तरी फ्रांस में अपने पूर्व हाई स्कूल में एक शिक्षक की चाकू मारकर हत्या कर दी और दो अन्य लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। आरोपी फ्रांसीसी सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध को लेकर वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव के मद्देनजर संभावित आतंकवादी हमले के कोण से पूरी घटना की जांच की जा रही है। लेकिन यह एक अन्य शिक्षक सैमुअल पैटी के लगभग तीन साल पहले सिर कलम कर की गई हत्या के बाद हुई है। पेरिस क्षेत्र के एक स्कूल के पास एक चेचन कट्टरपंथी ने पैटी का गला काट दिया था। फ्रांस के आंतकवाद रोधी अभियोजकों ने बताया कि वह आरस शहर के गैमबेट्टा कैनॉट हाईस्कूल में हुई इस घटना की जांच का नेतृत्व कर रहे हैं जिसमें 11 से 18 साल के छात्र पंजीकृत हैं। आरस शहर पेरिस से 185 किलोमीटर दूर उत्तर में स्थित है। उन्होंने बताया कि वे संदिग्ध के खिलाफ आंतकवाद से जुड़ी हत्या एवं हत्या की कोशिश सहित विभिन्न कोण से मामले की जांच कर रहे हैं। राष्ट्रीय पुलिस ने बताया कि संदिग्ध हमलावर रूसी नागरिक और चेचन मूल का है। फ्रांसीसी खुफिया सेवा ने बताया कि वह संदिग्ध पर गर्मियों से ही टेलीफोन निगरानी आदि से नजर रख रही थी और बृहस्पतिवार को ही उसे पुलिस जांच के लिए रोका गया था लेकिन उसके पास कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। घटना स्थल पर सबसे पहले पहुंचे पुलिस अधिकारियों में से एक स्लीमैन हमजी ने बताया कि संदिग्ध हमलावर स्कूल का पूर्व छात्र है और अल्लाह हू अकबर चिल्ला रहा था। हमजी ने बताया कि उसे स्कूल के बाहर से जा रहे एक अन्य अधिकारी ने सूचित किया और अंदर बुलाया। उन्होंने बताया कि वह चिल्ला रहा था कि कोई चाकू से हमला कर रहा है। हमजी ने कहा कि वह स्कूल पहुंचे और देखा कि एक पीड़ित पुरुष स्कूल के बाहर जमीन पर पड़ा हुआ है और हमलावर को ले जाया जा रहा है। उन्होंने कहा, सहकर्मी तुरंत पहुंचे लेकिन दुर्भाग्य से पीड़ित को नहीं बचा सके।

भारत के साथ विकास सहयोग साझेदारी की व्यापक गुंजाइश को रेखांकित करती है जयशंकर की श्रीलंका यात्रा

कोलंबो। विदेश मंत्री एस जयशंकर की श्रीलंका यात्रा और राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के साथ उनकी मुलाकात ने द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाया है और श्रीलंका के साथ भारत की विकास सहयोग साझेदारी की व्यापक गुंजाइश को प्रस्तुत किया है। भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को यहां यह बात कही। जयशंकर 11 अक्टूबर को इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (आईओआरए) के वरिष्ठ अधिकारियों की 25वीं समिति और मंत्रिपरिषद की 23वीं बैठक में भाग लेने के लिए कोलंबो यात्रा पर थे। इस वर्ष अपनी दूसरी श्रीलंका यात्रा के दौरान जयशंकर ने राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की तथा दोनों देशों के कूटनीतिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े विविध क्षेत्रों पर चर्चा की। जुलाई 2023 में श्रीलंका के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान जारी द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी दृष्टिकोण वक्तव्य को याद करते हुए, जयशंकर और विक्रमसिंघे ने व्यापार, लोगों से लोगों के बीच संपर्क और ऊर्जा साझेदारी समेत अन्य विषयों के अनेक आयामों को मजबूत करने की जरूरत पर सहमति जताई। भारतीय उच्चायोग ने एक बयान में कहा, उन्होंने दृष्टिकोण वक्तव्य (विजन स्टेटमेंट) में परिकल्पित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से प्राप्त करने के लिए तेजी से प्राथमिकता वाले कदम उठाने पर भी सहमति जताई। इसमें कहा गया है कि यह यात्रा श्रीलंका के साथ भारत की विकास सहयोग साझेदारी की व्यापक गुंजाइश को सामने लाती है।

क्विक न्यूज

फिलाडेल्फिया हवाई अड्डे पर गोलीबारी में एक पुलिस अधिकारी की मौत, अन्य घायल

फिलाडेल्फिया। फिलाडेल्फिया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खड़ी कार का ताला तोड़ने से रोकने पर बृहस्पतिवार रात को कुछ लोगों ने फिलाडेल्फिया पुलिस के एक अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी जबकि इस हमले में एक अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गया। यह जानकारी पुलिस ने दी।अंतरिम पुलिस आयुक्त जॉन स्टैनफोर्ड ने देर रात आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एक व्यक्ति को निजी तौर पर एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हो सकता है कि वह व्यक्ति गोलीबारी में शामिल हो लेकिन जांचकर्ताओं ने इसकी पुष्टि नही की है।स्टैनफोर्ड ने बताया कि पुलिस अधिकारी अपने काम पर जा रहे थे कि तभी उन्होंने कुछ लोगों को पार्किंग क्षेत्र में खड़े एक वाहन का ताला तोड़ते हुए देखा।उन्होंने बताया कि जब अधिकारी उनके पास गए तो संदिग्धों ने उन पर गोलीबारी कर दी। उन्होंने बताया कि इस हमले में गोली एक अधिकारी के शरीर के ऊपरी हिस्से में और हाथ में लगी।स्टैनफोर्ड ने बताया कि अस्पताल में भर्ती कराए गए एक अधिकारी ने रात करीब साढ़े ग्यारह बजे दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि मृत अधिकारी का नाम जारी नही किया गया है लेकिन वह 50 वर्ष का था और उसे पुलिस बल में 22 साल हो गए थे।उन्होंने बताया कि अन्य अधिकारी की हालत स्थिर है एवं वह 60 वर्ष का है और पुलिस विभाग में काम करते हुए 20 साल हो गए हैं। अधिकारी के मुताबिक, दोनो अधिकारी पुलिस की हवाई अड्डा इकाई में तैनात थे।

नासा ने अपनी तरह के पहले मिशन में धातु के आवरण वाले क्षुद्रग्रह के लिए अंतरिक्ष यान भेजा

केप केनावेरल (अमेरिका)। नासा के अंतरिक्ष यान को दुर्लभ धातु के आवरण वाले एक क्षुद्रग्रह की छह साल की यात्रा पर शुक्रवार को भेजा गया। अधिकांश क्षुद्रग्रह चट्टानी या बर्फीले होते है, लेकिन यह धातु की दुनिया की पहली खोज बताई जा रही है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह किसी प्रारंभिक ग्रह के कोर (भीतरी हिस्से) के टूटे हुए अवशेष हो सकते है, और पृथ्वी और अन्य चट्टानी ग्रहो के दुर्गम केंद्रो के बारे मे महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर सकते है। स्पेसएक्स ने नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से अंतरिक्ष यान को रवाना किया। इसका नाम उस क्षुद्रग्रह के नाम पर रखा गया है जिसका यह पीछा कर रहा है, साइके (अंतरिक्ष यान) के 2029 मे विशाल, आलू की आकृति जैसी इस वस्तु तक पहुंचने की उम्मीद की जा रही। दशकों तक चट्टान, बर्फ और गैस की सुदूर दुनिया की यात्रा करने के बाद, नासा धातु के आवरण वाले इस तरह की वस्तु का अन्वेषण करने के लिए उत्साहित है। अब तक खोजे गए लगभग नौ धातु-समृद्ध क्षुद्रग्रहो मे से, साइके सबसे बड़ा है, जो लाखो अन्य अंतरिक्ष चट्टानो के साथ मंगल और बृहस्पति के बीच मुख्य क्षुद्रग्रह बेल्ट के बाहरी हिस्से मे सूर्य की परिक्रमा करता है। इसकी खोज 1852 मे की गई थी और इसका नाम ग्रीक पौराणिक कथाओ की आत्मा की देवी के नाम पर रखा गया था। एरिज़ोना स्टेट यूनिवर्सिटी की प्रमुख वैज्ञानिक लिंडी एल्किंस-टैंटन ने कहा, हमारी पृथ्वी के धातु के कोर में जाना मनुष्य का लंबे समय से सपना रहा है।

अमेरिकी सांसद कृष्णमूर्ति को दलीप सिंह सौंद पुरस्कार

वाशिंगटन। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति को कांग्रेस में एशियाई-अमेरिकी, हवाई के मूल निवासी एवं प्रशांत महासागर द्वीप वासी (एएएनएचपीआई) समुदायों के हितों को आगे बढ़ाने की उनकी असाधारण प्रतिबद्धता के लिए दलीप सिंह सौंद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।कृष्णमूति को पॉलिटिकल लीडरशिप अवॉर्ड हाल में आयोजित एक कार्यक्रम में एशियन अमेरिकन यूनिटी कोएलिशन द्वारा प्रदान किया गया। सौंद, कांग्रेस मे निर्वाचित होने वाले पहले सिख, भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक थे। कृष्णमूर्ति ने बृहस्पतिवार को एक बयान मे कहा, मै इस सम्मान के लिए और एक अधिक समावेशी राष्ट्र के निर्माण के लिए सभी पृष्ठभूमियो के एशियाई-अमेरिकियों को एकसाथ लाने मे प्रमुखता से काम करने के लिए एशियन अमेरिकन यूनिटी कोएलिशन का आभारी हूं।

ऐतिहासिक महत्व की मान्यता के लिए प्रस्ताव पेश करेंगे: अमेरिकी सांसद

वाशिंगटन। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने दीपावली त्योहार को मान्यता देने के लिए प्रतिनिधि सभा मे एक प्रस्ताव पेश करने की अपनी योजना की बृहस्पतिवार को घोषणा की।कृष्णमूर्ति ने एक बयान मे कहा, दुनियाभर मे और यहां अमेरिका मे सिख, जैन और हिंदुओ के लिए दीपावली खुशियो के साथ-साथ बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाने का त्यौहार है। उन्होने कहा कि हर साल भारतीय मूल के लाखो अमेरिकियो के साथ ही दुनिया भर मे करोड़ो लोग दीपावली मनाते है। इस साल यह त्योहार 12 नवंबर, रविवार को मनाया जाएगा। उन्होने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि मै दीपावली के धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व को मान्यता देने के लिए एक द्विदलीय प्रस्ताव फिर से पेश कर रहा हूं।

आतंकवाद को अभिव्यक्ति की आजादी के रूप में नहीं गिना जा सकता: कनाडा इंडिया फाउंडेशन

न्यूयॉर्क-टोरंटो। भारत-कनाडा संबंधो को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने वाले एक गैर-लाभकारी संगठन ने इजराइल पर भयावह आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है और कहा है कि आतंकवाद या हिंसा के किसी भी कार्य को किसी भी परिपक्व समाज में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के रूप मे नही गिना जा सकता है। कनाडा इंडिया फाउंडेशन ने एक बयान मे कहा कि वह इजरायल पर महिलाओ और बच्चो सहित निर्दोष नागरिको को निशाना बनाकर किए गए भयानक आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता है, जिसने पूरी मानव सभ्यता को आघात पहुंचाया है और जिसका प्रभाव आने वाले लंबे समय तक महसूस किया जाएगा। उसने कहा कि आतंकवाद, कट्टरपंथी विचारधारा, हिंसा और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के अनादर के खिलाफ सभी लोगो और देशो को बिना किसी अपवाद के सामूहिक संकल्प के साथ जवाब देने की जरूरत है।

बाल्टिक देशों में स्कूलों को बम रखे होने के धमकी भरे ईमेल

विलनियस। इस सप्ताह तीन बाल्टिक देशो के स्कूलो और किंडरगार्टन को ईमेल से दी गई बम की धमकियो के कारण पूरे क्षेत्र मे कक्षाएं रद्द कर दी गई।लिथुआनिया के पुलिस प्रमुख रेनाटास पोजेला ने कहा कि बृहस्पतिवार देर रात शुरू हुए एक समन्वित सामूहिक हमले मे सैकड़ो ईमेल शामिल थे जो यूरोपीय संघ के भीतर एक सर्वर से भेजे गए थे। पॉजेला ने कहा, अधिकांश संदेश रूसी भाषा मे थे और कुछ मे राजनीतिक सामग्री थी। एस्टोनिया मे बुधवार देर रात धमकी भरे स्पैम ईमेल की लहर शुरू हो गई।

सुरक्षा आंशकाओं के बीच लंदन स्थित यहूदी स्कूल बंद

भाषा। लंदन

लंदन में कई यहूदी स्कूलों ने अभिभावकों को सूचित किया है कि यहूदी समुदाय की सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से अतिरिक्त सहायता की घोषणा के बाद सुरक्षा के कारण ए स्कूल शुक्रवार को बंद रहेंगे। उत्तरी लंदन के बार्नेट क्षेत्र में स्थित मेनोरा हाई स्कूल, टोरा वोडास प्राइमरी स्कूल और एटेरेस बीस याकोव ने बृहस्पतिवार को अभिभावकों को पत्र भेजा। ऐसा माना जाता है कि चौथा स्कूल भी बंद रहेगा क्योंकि उन लोगों को परिसर के आसपास इजराइल विरोधी प्रदर्शन होने का डर है। टोरा वोडास के पत्र में कहा गया है कि हालांकि हमारे स्कूल के लिए कोई विशेष खतरा नहीं है लेकिन यह ऐसा निर्णय नहीं है जिसे हल्के में लिया गया है। परमार्थ संगठन कम्युनिटी सिक्योरिटी ट्रस्ट (सीएसटी) के एक प्रवक्ता ने बताया, यहूदी स्कूलों को सीएसटी की सलाह है कि यहूदी जीवन चलते रहना चाहिए और स्कूल सामान्य रूप से खुले रहने चाहिए। ट्रस्ट ने इजराइल में संघर्ष बढ़ने के बाद से पिछले चार दिनों में 139 यहूदी विरोधी घटनाएं दर्ज की हैं। प्रवक्ता ने कहा, सभी यहूदी स्कूलों के पास सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। इनका भुगतान सरकार करती है। सरकार ने पहले से मौजूद उपायों के अलावा सुरक्षा के लिए अतिरिक्त 30 लाख पाउंड देने का वादा किया है। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की ओर से बृहस्पतिवार को अतिरिक्त धनराशि दिए जाने की घोषणा करने के बाद 2023-24 के लिए यहूदी समुदाय संक्षण सुरक्षा अनुदान बढ़ कर 1.8 करोड़ ब्रिटिश पाउंड हो गया है। इजराइल के साथ एकजुटता प्रदर्शित करते हुए ब्रिटिश प्रधानमंत्री सुनक ने कहा, ऐसे समय, जब यहूदी लोग अपनी मातृभूमि में संकट में हैं, तो हर जगह यहूदी लोग असुरक्षित महसूस कर सकते हैं। इसीलिए हमें अपने देश में हर जगह यहूदी समुदाय के लोगों की सुरक्षा के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। अगर यहूदी समुदाय को सुरक्षित रखने में कोई बाधा आ रही है तो हम उसे दूर करेंगे। आपको हमारा पूरा समर्थन है। इसके तुरंत बाद, ब्रिटेन ने क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करने और तनाव रोकने की योजना के तहत पूर्वी भूमध्य सागर में रॉयल नेवी के दो पोतों और निगरानी विमान को तैनात करने सहित इजराइल को सैन्य समर्थन देने की घोषणा की। सुनक ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करने में स्पष्ट होना चाहिए कि इस सप्ताह हमने जिस तरह के भयानक दृश्य देखे हैं, उन्हें दोहराया नहीं जाएगा। हमारे सहयोगियों के साथ, हमारी विश्वस्तरीय सेना की तैनाती से क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करने और आगे ऐसे कृत्यों को रोकने के प्रयासों में मदद मिलेगी। शुक्रवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बातचीत में उन्होंने पुष्टि की कि ब्रिटेन को इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण सहायता पैकेज भेजने के लिए अधिकृत किया गया है, जिसमें रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) निगरानी विमान, रॉयल नेवी पोत आदि शामिल हैं।

बीजिंग में इजराइली दूतावास के कर्मचारी पर हमला, अस्पताल में भर्ती

यरुशलम। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि बीजिंग में उसके दूतावास के एक कर्मचारी पर शुक्रवार को हमला किया गया जिसके बाद से वह अस्पताल में भर्ती है। चीन ने हमले के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नही दी है। अभी यह स्पष्ट नही हो सका है कि हमला किस वजह से किया गया, हालांकि यह हमला उस वक्त हुआ जब इजराइल ने फलस्तीन के आतंकवादी संगठन हमास के हमले के बाद दोनो ओर से जारी संघर्ष के संबंध में चीन की ओर से दिए गए बयान के लिए उसकी आलोचना की थी। विदेश मंत्रालय ने पत्रकारो को एक बयान जारी करते हुए कहा कि हमला दूतावास की जमीन पर नही हुआ। बयान मे कहा गया, कर्मचारी को अस्पताल मे भर्ती कराया गया और उसकी हालत स्थिर है। बयान मे अन्य कोई जानकारी नही दी गई। बयान मे कहा गया कि इजराइली अधिकारी इस बात का पता लगाने की कोशिश कर रहे है कि हमला किस वजह से किया गया।

अमेरिकी रक्षामंत्री इजरायली नेताओं से मिलने तेल अवीव पहुंचे

तेल अवीव। अमेरिका के रक्षामंत्री लॉयड ऑस्टिन शुक्रवार को इजराइल के वरिष्ठ नेताओं से मिलने के लिए इजराइली शहर तेल अवीव पहुंचे और अमेरिका द्वारा दिए गए हथियारों और सुरक्षा सहायता को देखा। अमेरिका ने ए हथियार उग्रवादी समूह हमास से लड़ाई के पहले सप्ताह में त्वरित सहायता के तौर पर इजराइल को दिए हैं। ऑस्टिन अमेरिका के दूसरे शीर्ष अधिक हैं जो गत दो दिन में इजराइल पहुंचे हैं। वह उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के रक्षामंत्रियों की ब्रसेल्स में हुई बैठक के बाद सीधे तेल अवीव पहुंचे। उनकी यह इजराइल यात्रा अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की बृहस्पतिवार को तेल अवीव यात्रा के एक दिन बाद हो रही है। ऑस्टिन के इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, रक्षामंत्री योआव गैलेंट और इजराइली युद्ध मंत्रिमंडल से मुलाकात किए जाने की संभावना है। ऑस्टिन की तेल अवीव यात्रा ऐसे समय हो रही जब इजराइल ने संभावित जमीनी कार्वाई से पहले गाजा शहर के हजारों लोगों को अपनी सुरक्षा और संरक्षा के लिए इलाके को खाली करने का निर्देश दिया है।

अफगानिस्तान में भूकंप से मरने वालों में 90 फीसदी से अधिक महिलाएं व बच्चे: संयुक्त राष्ट्र

भाषा। इस्लामाबाद

पश्चिमी अफगानिस्तान में पिछले सप्ताहांत आए 6.3 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप में मरने वालों में 90 फीसदी से अधिक महिलाएं और बच्चे थे। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। तालिबान अधिकारियों ने कहा था कि शनिवार को आए भूकंप के कारण हेरात प्रांत में दो हजार से अधिक लोगों की जान चली गई। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, भूकंप का केंद्र जिंदा जान जिले में था। इस जिले में 1,294 लोगों की जान चली गई, 1,688 घायल हुए और लगभग सारे मकान नष्ट हो गए। हेरात में यूनिसेफ के कार्यालय के प्रमुख सिद्दीग इब्राहिम ने बताया कि सुबह जब भूकंप आया उस समय महिलाएं और बच्चे घर पर ही थे। उन्होंने कहा, जब पहला भूकंप आया तो लोगों को लगा कि यह कोई विस्फोट है और वे अपने घरों के अंदर चले गए। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अफगानिस्तान के प्रतिनिधि जैमे नडाल ने कहा कि अगर भूकंप रात में आया होता तो मरने वालों में पुरुष और महिलाएं, दोनों की संख्या में ज्यादा अंतर नहीं रहता। उन्होंने एसोसिएटेड प्रेस को बताया, भूकंप दिन के समय आया और उस समय ज्यादातर पुरुष रोजगार के लिए घर से बाहर गए हुए थे।

रूस में कैद विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी के अधिवक्ताओं के घर पर छापेमारी

तल्लिन। रूसी अधिकारियों ने जेल में 19 साल की सजा काट रहे विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की पैरवी करने वाले तीन अधिवक्ताओं के घरों पर शुक्रवार को छापेमारी की और उनमें से एक को हिरासत में ले लिया गया है। नवलनी के सहयोगियों ने इसकी जानकारी दी। नवलनी के सहयोगी इवान ज्दानोव ने सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में लिखा कि विपक्षी नेता के अधिवक्ताओं के खिलाफ उठाए गए इस कदम का मकसद एलेक्सी को पूरी तरह अलग-थलग करने का एक प्रयास है। नवलनी जनवरी 2021 से कारावास में हैं और 19 साल कैद की सजा काट रहे हैं, लेकिन वह नियमित रूप से संदेश भेजने तथा समाचारों से अवगत रहने में सक्षम हैं। ज्दानोव ने बताया कि यह छापेमारी वादिम कोबजेव, इगोर सर्गुनिन एवं एलेक्सी लिप्त्सर के खिलाफ की गई है और उनके खिलाफ एक चरमपंथी समूह में शामिल होने के आरोप में आपराधिक मामला है। नवलनी की टीम ने टेलीग्राम पर कहा कि छापेमारी के बाद तीनों को हिरासत में लिया गया। नवलनी के चीफ ऑफ स्टाफ लियोनिद वोल्कोव के अनुसार, अधिवक्ताओं के खिलाफ यह छापेमारी ऐसे समय में की गई है जब विपक्षी नेता को कहीं और स्थानांतरित किया जाना तय है, हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं है उन्हें कहां भेजा जाएगा। विदेश में रहने वाले वोल्कोव ने इसे डरावना कदम करार दिया। रूस के कई राजनीतिक कैदियों के लिए, अधिवक्ताओं की नियमित मुलाकात - विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में - एक जीवन रेखा है जो उन्हें प्रियजनों और समर्थकों के साथ संपर्क में रहने तथा जेल अधिकारियों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार के खिलाफ रिपोर्ट करने की अनुमति देती है।

कॉफी शरीर के वजन को बढ़ने से रोकने में मददगार

● विज्ञान क्या कहता है

भाषा। क्वींसलैंड (ऑस्ट्रेलिया)

कॉफी को दीर्घकालिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव के लिए जाना जाता है। दिन में तीन से चार कप इंस्टेंट कॉफी पीने से हृदय रोग, टाइप 2 मधुमेह और कुछ कैंसर सहित कई स्वास्थ्य स्थितियों का खतरा कम हो जाता है। अधिकांश लोगों का उम्र बढ़ने के साथ हर साल थोड़ा-थोड़ा वजन बढ़ता है। लेकिन क्या कॉफी धीरे-धीरे बढ़ते वजन को रोकने में मदद कर सकती है? शोधकर्ताओं के एक समूह ने जांच की कि क्या दिन में एक अतिरिक्त कप कॉफी पीने या चीनी, क्रीम या गैर-डेयरी विकल्प जोड़ने से उन लोगों की तुलना में अधिक या कम वजन बढ़ता है जो अपने काफी पीने की आदत में बदलाव नहीं करते हैं।उनके शोध (वर्तमान में एक प्री-प्रूफ, जिसका अर्थ है कि इसकी सहकर्मी समीक्षा की गई है लेकिन अभी अंतिम स्वरूपण और प्रतिलिपि संपादन से गुजरना बाकी है) में कॉफी और अपेक्षा से कम वजन बढ़ने के बीच एक मामूली संबंध पाया गया। जो लोग प्रतिदिन एक कप अतिरिक्त कॉफी पीते थे, उनका वजन चार वर्षों में अपेक्षा से 0.12 किलोग्राम कम बढ़ा। चीनी मिलाने से चार वर्षों में उम्मीद से कुछ अधिक (0.09 किग्रा) वजन बढ़ गया।अध्ययन कैसे आयोजित किया गया? इसमें क्या मिला? शोधकर्ताओं ने अमेरिका के तीन बड़े अध्ययनों से डेटा को संयोजित किया: 1986 से 2010 तक और 1991 से 2015 तक नर्सिज हैल्थ स्टडीज, और 1991 से 2014 तक एक हैल्थ प्रोफेशनल अनुवर्ती अध्ययन। नर्सिज हैल्थ स्टडीज 230,000 से अधिक प्रतिभागियों के साथ दो सबसे बड़े समूह अध्ययन हैं, और महिलाओं के लिए पुरानी बीमारी के जोखिमों की जांच करते हैं। हेल्थ प्रोफेशनल फॉलो-अप अध्ययन में 50,000 से अधिक पुरुष स्वास्थ्य पेशेवर शामिल हैं और आहार और स्वास्थ्य परिणामों के बीच संबंधों की जांच की जाती है। नर्सों के अध्ययन में चार साल में औसत वजन 1.2 किलोग्राम और 1.7 किलोग्राम बढ़ा, जबकि स्वास्थ्य पेशेवरों के अध्ययन में प्रतिभागियों का वजन औसतन 0.8 किलोग्राम बढ़ा।शोधकर्ताओं ने पाया कि बिना चीनी वाली कैफीनयुक्त या डिकैफ़िनेटेड कॉफी का सेवन प्रतिदिन एक कप बढ़ाने से वज़न में वृद्धि हुई जो चार वर्षों में अपेक्षा से 0.12 किलोग्राम कम थी। क्रीमर (दूध) या गैर-डेयरी विकल्प जोड़ने से इस वजन परिवर्तन पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा। हालाँकि, कॉफी में चीनी (एक चम्मच) मिलाने से वजन में वृद्धि हुई जो चार वर्षों में उम्मीद से 0.09 किलोग्राम अधिक थी।

बादाम में होता है स्वास्थ्य के लिए पोषक तत्व

नवरात्रि उत्सव के दौरान कुछ लोग उपवास करते हैं, वहीं कुछ लोग सात्विक/शुद्ध शाकाहारी भोजन करते हैं। इस तरह डाइट पर कंट्रोल करने के दौरान, बादाम ना केवल स्वादिष्ट सम्मिश्रण है, बल्कि पोषक तत्वों का पावरहाउस भी है। बादाम की सबसे बड़ी खूबी है, इसका संतुष्टि देने का गुण। इस वजह से जो भी इसे खाता है उसे पेट भरे होने और तृप्ति का एहसास होता है। भले ही बादाम देखने में छोटे हों, लेकिन पोषण के लिहाज से इसमें काफी कुछ है। विटामिन ई, डाइटरी फाइबर, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन, मैगनीज और फोलेट जैसे 15 पोषक तत्वों के साथ, बादाम सिर्फ पेट भरने का एहसास नहीं कराता। काफी सारे वैज्ञानिक अध्ययन, नियमित रूप से बादाम खाने के कई सारे फायदों पर रोशनी डालते हैं। हार्ट हेल्थ को बेहतर बनाने और डायबिटीज नियंत्रण में मदद करने से लेकर त्वचा की सेहत को बेहतर बनाने और वजन को नियंत्रित करने में मदद करने तक, बादाम ने समय-समय पर अपनी ताकत साबित की है। नवरात्रि में उपवास के दौरान हेल्दी स्नैकिंग के महत्व पर जोर देते हुए, बॉलीवुड सेलिब्रिटी और अभिनेत्री, सोहा अली खान कहती हैं, नवरात्रि के पावन मौके पर उपवास के दौरान, सोच-समझकर स्नैकिंग के महत्व को कम नहीं आंका जा सकता। जैसे मैं सोच-समझकर स्नैकिंग करती हूं, ऐसे में बादाम भोजन में स्वाद और पोषण लेकर आता है। अपने खाने में बादाम को शामिल करना ऐसा है जैसे हर कौर में दुलार और सेहत का स्पर्श शामिल कर रहे हों। यह मुझे याद दिलाता है कि मैं उस पल का आनंद ले रही हूं और अपने शरीर तथा आत्मा को पोषण दे रही हूं। शीला कृष्णास्वामी, न्यूट्रिशन एवं वेलनेस कंसल्टेंट का कहना है,नवरात्रि का त्योहार संतुलित आहार को बढ़ावा देता है, लेकिन जरूरत से ज्यादा तला-भुना या शक्कर वाली चीजें खाने से बचना भी है जरूरी है। इस दौरान अक्सर ऐसा हो जाता है। सेहतमंद विकल्प जैसे उबले शकरकंद, भाप में पके हुए स्प्राउट्स, फल तथा नट्स चुनें। नवरात्रि के अपने आहार में बादाम को शामिल करने से ना केवल एक स्वादिष्ट क्रंच, बल्कि जरूरी पोषण भी मिलता है।

PUBLIC NOTICE

My Clients **Hosiyar Khan** S/o Riyajudeen & his wife **Suman** W/o Hosiyar Khan R/o **H-89,Nihal Vihar, Nangloi, Delhi-41** have debarred & disowned their Son **Hamid Ali** & his wife **Gulafsa** from their **movable & immovable properties.** My Clients have also severed all their relation with them. If anybody deals with them in any manner they do so at their own risk & responsibility.

Ramesh Chander (Adv) Ch. 68, Western Wing, Tis Hazari

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client stating that Mr. Dinesh Kumar is the owner of Land area measuring 80 sq. yds., i.e., 66.88 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 526, Situated at village Kulesara, Pargana Dadri, Tehsil & District Gautam Budh Nagar, UP, by virtue of a Gift Deed dated 11.04.2023, Doc. No. 9175, executed by Mr. Raghuvir Singh, All persons are hereby informed that above mentioned owner wants to mortgage the said property and intend to obtain a loan from our client against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of Mr. Dinesh Kumar over the said property, its mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 legal@knalegal.com

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को ज्ञात हो कि मेरे मुवक्किल ने कृषि भूमि के संबंध में बेचने/खरीदने का समझौता यहाँ किया है:

1. जलालाबाद उर्फ चिंगरावली, तहसील खुर्जा, जिला बुलन्दशहर, उत्तर प्रदेश और भूखंड का विवरण है - गाटा संख्या: 103म, खाता संख्या: 00448, क्षेत्रफल: 0.4420 हेक्टेयर, श्रीमती मीरा देवी, पत्नी-श्री भीम पाल सिंह निवासी-चक जहांगीरपुर, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, के साथ, और

2. जहांगीरपुर, तहसील-जेवर, जिला-गौतम बुद्ध नगर, उ.प्र. और भूखंड का विवरण इस प्रकार है: खसरा संख्या 823, खाता संख्या: 00185, जिसका क्षेत्रफल 0.5060 हेक्टेयर है, श्री अनंत कुमार गुप्ता, पुत्र-श्री आलोक कुमार गुप्ता, निवासी-थर्ड-ए-3, नेहरू नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के साथ।

उनके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के अनुसार वे संबंधित संपत्ति के वर्तमान और सही मालिक हैं।

यदि किसी व्यक्ति या किसी प्राधिकारी को इन संपत्तियों में कोई लाभकारी रुचि है या संपत्तियों की उक्त बिक्री और खरीद के लिए किसी भी प्रकार की आपत्ति है, तो वे इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख के पंद्रह दिनों के भीतर हस्ताक्षरकर्ता को अपनी आपत्ति भेज सकते हैं। ऐसा न करने पर यह मान लिया जाएगा कि इसमें किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति नहीं है। यदि पंद्रह दिनों की समाप्ति के बाद कोई आपत्ति उठाई जाती है, तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा और मेरा ग्राहक किसी भी दावे के लिए उत्तरदायी या जिम्मेदार नहीं होगा।

(एच.के.गुप्ता)
वकील
Enrl-D/2488/1999
गुप्ता एंड एसोसिएट्स
19, वकील चौंबर,
तहसील भवन, तीस हजारी न्यायालय,
नई दिल्ली-110054

फोन: 011-23921233 / मो.9810101-362/462

PUBLIC NOTICE

This is to inform public in general that Kotak Mahindra bank Ltd has organized an auction in below mention respect of Vehicles.

VEHICLES FOR SALE

1) TATAMOTORS TACEGOLD REG. NO. UP15GT0627-YOM-2023
2) TATAMOTORS TATAACE REG. NO. DL1LAJ5310-YOM-2023
3) MAH MBLAZO55 REG. NO. UP14KT2986-YOM-2021
4) SML SMLSARTAJ REG. NO. UP14KT9577-YOM-2022
5) TATAMOTORS TATAACE REG. NO. DL1LAJ6064-YOM-2023
6) ASHOK_LEY AL1615 REG. NO. HR58C7594-YOM-2022
7) TATAMOTORS TATAACE REG. NO. DL1LAJ9278-YOM-2023
8) TATAMOTORS TACEGOLD REG. NO. DL1LAF4888-YOM-2022
9) TATAMOTORS TATAACE REG. NO. DL1LAH9398-YOM-2021
10) TATAMOTORS TATAACE REG. NO. DL1LAJ6385-YOM-2023
11) TATAMOTORS TATLPT2818 REG. NO. UP17BT2036-YOM-2022
12) TATAMOTORS TATA1512 REG. NO. UP16JT9623-YOM-2022
13) TATAMOTORS TATA_1512 REG. NO. DL1GE1730-YOM-2022
14) TATA LPT709CH REG. NO. DL1LAE7705-YOM-2021

UNDER HYPOTHECATION WITH M/S KOTAK MAHINDRA BANK IS UNDER SALE IN ITS "AS IS WHERE IS CONDITION" INTERESTED PARTIES CAN GIVE THEIR QUOTATIONS WITH IN 7 DAYS AT BRANCH ADDRESS: KOTAK MAHINDRA BANK 3RD FLOOR, PLOT NO 7, SECTOR 125, NOIDA-201313 OR CONTACT : RAMAN AHUJA KOTAK MAHINDRA BANK LTD. CONTACT NO. 8377988238 EMAIL-raman.ahuja@kotak.com

प्रपत्र सं. 3

[विनियम-15 (1) (क) /16 (3) देखें]

ऋण वसूली न्यायाधिकरण चंडीगढ़ (डीआरटी 2) प्रथम तल एससीओ 33-34-35, सेक्टर-17 ए. चंडीगढ़ (तृतीय एवं चतुर्थ तल पर भी अतिरिक्त स्पेस आबंटित)

वाद सं. : ओ.ए./403/2021

ऋण वसूली न्यायाधिकरण (प्रक्रिया) नियमावली, 1993 के नियम 5 के उप-नियम (2क) के साथ पठित अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (4) के तहत सम्मन

ईएक्सएच. नंबर : 20619

आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
बनाम
शाश्वत डोभाल

सेवा में,

(1) श्री शाश्वत डोभाल डी/डब्ल्यू/एस/ओ-श्री शंकर डोभाल, श्री शाश्वत डोभाल पुत्र श्री शंकर डोभाल, निवासी मकान नंबर डी-703, 7वां ताल, टावर -डी, बेस्टेक पार्क व्यू स्पा नेक्स्ट सेक्टर 67, गुरूग्राम-122001 हरियाणा, गुरूग्राम, हरियाणा

अन्य पता :- श्री शाश्वत डोभाल पुत्र श्री शंकर डोभाल, निवासी फ्लैट नंबर 003, भू तल, टावर - बी 4, एवलोन रोजवुड विलेज खानपुर, अलवर-301001 राजस्थान-301001

(2) श्रीमती वंदना शर्मा पत्नी श्री शाश्वत डोभाल निवासी मकान नंबर डी-703, 7वां ताल, टावर -डी, बेस्टेक पार्क व्यू स्पा नेक्स्ट सेक्टर 67, गुरूग्राम, हरियाणा

अन्य पता :- फ्लैट नंबर 003, भू तल, टावर - बी 4, एवलोन रोजवुड विलेज खानपुर, अलवर, अलवर, राजस्थान

सम्मन

जबकि, ओए/403/2021 माननीय पीठ अधिकारी/ रजिस्ट्रार के समक्ष 26-09-2023 को पेश किया गया था।

जबकि, यह माननीय न्यायाधिकरण रू. 55,89,496/- की ऋण वसूली के लिए आपके विरूद्ध दाखिल किए गए (ओए) के संबंध में, अधिनियम की धारा 19(4) के तहत, उक्त आवेदन पर सम्मन/नोटिस जारी करने का अनुग्रह कर रहा है (दस्तावेजों इत्यादि की प्रतियों सहित आवेदन संलग्न है)।

अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (4) के तहत आप प्रतिवादी(यों) को निम्न निर्देश भी दिया जाता है :-

i) सम्मन की तामील के तीस दिन के भीतर कारण बताएं कि प्रार्थित राहत क्यों मंजूर नहीं की जाए ;

ii) मूल आवेदन के क्रमांक 3क के तहत आवेदक द्वारा विनिर्दिष्ट सम्पत्तियों तथा आस्तियों के अतिरिक्त सम्पत्तियों अथवा आस्तियों का विवरण, प्रस्तुत करें ;

iii) आप को, सम्पत्ति की कुर्की के लिए आवेदन की सुनवाई तथा आवेदन के निस्तारण के दौरान, प्रत्याभूत आस्तियों अथवा मूल आवेदन के क्रमांक 3क के तहत विनिर्दिष्ट सम्पत्तियों तथा आस्तियों के संबंध में संव्यवहार अथवा निपटान करने की मनाही की जाती है ;

iv) आप किसी भी आस्ति जिस पर कोई प्रतिभूति हित सृजित किया गया है तथा/अथवा मूल आवेदन के क्रमांक 3क के तहत आवेदक द्वारा विनिर्दिष्ट अथवा खुलासा की गई सम्पत्तियों तथा आस्तियों का अंतरण बिक्री, पट्टा अथवा अन्य प्रकार से, आपके व्यवसाय के साधारण कोर्स को छोड़कर, न्यायाधिकरण की पूर्व अनुमति के बिना, नहीं करेंगे ;

v) आप व्यवसाय के साधारण कोर्स में प्रत्याभूत आस्तियों अथवा अन्य आस्तियों तथा सम्पत्तियों की बिक्री से प्राप्त होने वाली राशि का हिसाब रखने तथा ऐसी बिक्री प्राप्तियां इन आस्तियों पर प्रतिभूति हित धारक बैंक अथवा वित्तीय संस्थाओं में अनुरक्षित खाते में जमा करने हेतु जिम्मेदार होंगे।

आपको लिखित बयान दाखिल करने, उसकी प्रति आवेदक को मुहैया कराने तथा दिनांक 18-01-2024 को पूर्वा. 10.30 बजे रजिस्ट्रार के समक्ष पेश हाने का भी निर्देश दिया जाता है, जिसमें असफल रहने पर आवेदन की सुनवाई और निर्णय आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण की मोहर लगाकर 27-09-2023 को दिया गया।

सम्मन जारी करने हेतु प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों को न्याय मिलने की शुरुआत 2014 के बाद ही हुई : शाह

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 1984 के सिख विरोधी दंगों को राजनीति से प्रेरित करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि इसके पीड़ितों को न्याय मिलने की शुरुआत 2014 में नरेन्द्र मोदी सरकार बनने के बाद ही हुई।यहां दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि 2014 के बाद 1984 के दंगों से संबंधित 300 मामले फिर से खोले गए और प्रत्एक मृतक के परिवार को पांच लाख रुपए का मुआवजा दिया गया। उन्होंने कहा, 1984 के दंगों को कोई नहीं भूल सकता और ए जघन्य हत्याएं राजनीति से प्रेरित थीं। मोदी सरकार के सत्ता में आने तक उन दंगों के मामले में किसी को सजा नहीं हुई। किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया और किसी ने 2014 तक एक भी दिन जेल में नहीं काटा था। शाह ने कहा कि जांच आयोग गठित किए गए लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक एसआईटी का गठन किया और 300 मामले दोबारा खोले गए तथा जो दोषी थे उन्हें जेल भेजना शुरू किया। गृह मंत्री ने कहा कि मामले अब भी चल रहे हैं और मोदी सरकार पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करेगी। शाह ने कहा कि इतने सालों के बाद मोदी सरकार ने 3,328 मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए मुआवजा देने की प्रक्रिया को पूरा किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों में प्रताड़ित किए गए सिख भाइयों और बहनों को नागरिकता संशोधन कानून के तहत नागरिकता देने का रास्ता खोला। सिख गुरुओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि सिख समुदाय के लोग धर्म और कर्म दोनों को समान रूप से लेकर आगे बढ़ते हैं और जब धर्म के लिए बलिदान की बात आती है तो एक सच्चा सिख कभी पीछे नहीं हटता। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संघर्ष के दिनों से आज देश की सुरक्षा तक सिख भाइयों का बलिदान बेमिसाल है। शाह ने सिख गुरुओं को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा, मैं सिख धर्म की गुरु परंपरा के सामने सिर झुकाता हूं। सिख पंथ की 10 पीढ़ियों की गुरु परंपरा ने दुनिया के सामने हमलावरों के अन्याय और बर्बरता के खिलाफ संघर्ष और बलिदान का एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है। उन्होंने कहा कि नौवें सिख गुरु तेग बहादुर का देश के लिए योगदान कभी नहीं भुलाया जा सकता। शाह ने कहा कि कश्मीर की जनता पर मुगल शासक औरंगजेब के अत्याचारों के खिलाफ उनका सर्वोच्च बलिदान उनकी महानता को दर्शाता है। गृह मंत्री ने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरु तेग बहादुर की स्मृतियों का उत्सव मनाने का फैसला किया था तो निर्णय लिया गया था कि उनके स्तुतिगान की शुरुआत लाल किले पर उसी स्थान से होगी जहां उनके बलिदान की घोषणा की गई थी। सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव के संदर्भ में शाह ने कहा कि उन्होंने कई देशों में सभी धर्मों में समानता का पाठ पढ़ाया।

जयपुर में 100 निजी लॉकर में 500 करोड़ रुपए का कालाधन

50 किलोग्राम सोना रखा है : भाजपा नेता का आरोप

भाषा। जयपुर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य किरोड़ी मीणा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि जयपुर में 100 निजी लॉकरों में 500 करोड़ रुपए का कालाधन और 50 किलोग्राम सोना रखा हुआ है और उन्होंने पुलिस से तिजोरियां खोलने की मांग की। उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में ए आरोप लगाए, जिसके बाद वह एक कंपनी के कार्यालय गए जहां उन्होंने दावा किया कि लॉकर यहीं स्थित हैं। उन्होंने शुरू में यह बताने से इनकार कर दिया कि लॉकर किसके हैं, लेकिन बाद में कहा कि 50 लॉकर काम कर रहे हैं और उनमें से दस कुछ अधिकारियों के हैं। मीणा ने आरोप लगाया कि इन लॉकरों में पेपर लीक, आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) घोटाला, जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाले से की गई काली कमाई है। मीणा जयपुर के गणपति प्लाजा में करीब दो घंटे तक रहे और पुलिस, आयकर विभाग व अन्य एजेंसियों के अधिकारियों से हस्तक्षेप कर लॉकर खोलने की मांग की। कुछ देर बाद पुलिस वहां पहुंची और मीणा ने संवाददाताओं को बातचीत में बताया कि जिस परिसर में लॉकर हैं, उसके मुख्य द्वार को पुलिस ने सुरक्षा उद्देश्यों के लिए सील कर दिया है। शाम को उन्होंने दावा किया कि आयकर विभाग की एक टीम वहां पहुंची थी और बाद में प्रवर्तन निदेशालय की टीम भी मामले की जांच करने के लिए वहां पहुंची। लॉकर एमआई रोड पर एक व्यावसायिक इमारत में एक फर्म द्वारा संचालित किए जाते हैं। इससे पहले उन्होंने आरोप लगाया था कि पेपर लीक करने वाले बाबूलाल कटारा को राजस्थान लोक सेवा आयोग का सदस्य नियुक्त करने में कांग्रेस नेता दिनेश खोड़निया और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की नेता स्पर्धा चौधरी शामिल थीं। कटारा को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है और पेपर लीक मामले में प्रवर्तन निदेशालय उनसे पूछताछ कर चुका है। मीणा ने कहा कि पेपर लीक मामले के पीछे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी दिनेश खोडनिया का हाथ था और उन्होंने कटारा को राजस्थान लोकसेवा आयोग (आरपीएससी) सदस्य के रूप में नियुक्त करवाया था। उन्होंने कहा कि पूर्व में कांग्रेस से जुड़ी रहीं स्पर्धा चौधरी भी कटारा से जुड़ी हुई थीं।

क्विक न्यूज

विश्वविद्यालय सेवा आयोग के प्रमुख राजवर्धन आजाद बिहार विधान परिषद के लिए मनोनीत

पटना। बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग के अध्यक्ष राजवर्धन आजाद को राज्य विधान परिषद के लिए नामित किया गया है। शुक्रवार को इस संबंध मे आधिकारिक अधिसूचना जारी की गई। अधिसूचना के अनुसार, आजाद का नामांकन पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाह के इस्तीफे से रिक्त हुई सीट की पृष्ठभूमि मे हुआ है। इस साल की शुरुआत मे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) (जद-यू) छोड़कर अपना अलग संगठन बनाने वाले कुशवाहा ने 24 फरवरी को अपनी परिषद की सदस्यता छोड़ दी थी। आजाद पूर्व मे एक प्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली मे नेत्र विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य रहे है। नीतीश कुमार के करीबी माने जाने वाले आजाद ने 2014 मे झारखंड के गोड्डा से जदयू के टिकट पर लोकसभा चुनाव भी लड़ा था, लेकिन उनकी जमानत जब्त हो गई थी। उन्हे 2019 मे बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग का अध्यक्ष बनाया गया था। राजवर्धन आजाद के दिवंगत पिता भागवत झा आजाद 1980 के दशक के अंत मे बिहार के मुख्यमंत्री थे, जबकि उनके भाई कीर्ति आजाद क्रिकेटर से राजनेता बने है, जो पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मे थे लेकिन अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के साथ है। बिहार विधान परिषद मे 75 सीटे है और इसके सदस्य विधानसभा, स्थानीय निकायो, स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रो से चुने जाते है या राज्य सरकार की सिफारिश पर राज्यपाल द्वारा नामित होते है।

नाटकों के माध्यम से वित्तीय जागरूकता को बढ़ावा मिलेगा

नोएडा। विश्व निवेशक सप्ताह (9 से 15 अक्टूबर, 2023) के दौरान एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने अनेक स्थानों पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। नुक्कड़ नाटकों के मंचन के दौरान लोगों को निवेश से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही, नकद बचत को अधिक कुशल निवेश साधनों में स्थानांतरित करके धन सृजन करने की दिशा में भी निवेशकों को जागरूक किया गया। निवेशक शिक्षा और जागरूकता की यह पहल एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के बेहद सफल बरनी से आज़ादी अभियान का हिस्सा है। यह अभियान भारतीय परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और निवेश संबंधी बेहतर आदतों को प्रोत्साहित करने के लिए 15 अगस्त 2021 को लॉन्च किया गया था। यह पहल विशेष रूप से समाज के सभी वर्गों की महिलाओं को लक्षित कर रही है। अगस्त 2023 में भारत की आजादी के 76 वर्ष पूरे होने की पृष्ठभूमि में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड की ओर से विश्व निवेशक सप्ताह (9 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2023) के दौरान में 16 स्थानों और 5 अन्य शहरों में नुक्कड़ नाटक के 76 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह आकर्षक नुक्कड़ नाटक 6 शहरों यानी लखनऊ, मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, अहमदाबाद और बैंगलोर में मंचित किए जाएंगे। एचडीएफसी एएमसी के एमडी और सीईओ नवनीत मुणोत ने कहा, ''चूंकि हम अपने अमृतकाल में अनंत संभावनाओं वाला देश बनाने का प्रयास कर रहे हैं, इसलिए हम हर भारतीय के लिए धन सृजन को प्रोत्साहित करने के लिए आज जो कुछ भी किया जा रहा है, उसके स्तर को और आगे बढ़ाना चाहते हैं।

पंजाब की अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में 13 पुलिसकर्मियों को दोषी ठहराया

लुधियाना (पंजाब)। पंजाब के लुधियाना की एक अदालत ने शुक्रवार को 2003 के भ्रष्टाचार के एक मामले मे 13 पुलिसकर्मियो को दोषी ठहराते हुए प्रत्एक को पांच-पांच साल के कारावास की सजा सुनाई। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अजीत अग्री की अदालत ने आरोपियो को सजा सुनाई। जिन पुलिसकर्मियो को कारावास की सजा दी गई है उनमे अधिकतर हेड कांस्टेबल और एक उप निरीक्षक शामिल है। अदालत ने प्रत्एक पुलिसकर्मी पर जुर्माना भी लगाया है। सुभाष कैप्टी और बिट्टू चावला नामक व्यक्तियो ने 2003 मे पुलिस के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ताओ की अब मृत्यु हो चुकी है। शिकायत के मुताबिक, लुधियाना के डीवीजन नंबर-6 मे तैनात पुलिस कर्मियो पर 4,000 रुपए से 5,000 रुपए की रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया था। शिकायतकर्ता कैप्टी ने अपनी शिकायत मे कहा था कि वह चावला के साथ मिल कर लॉटरी का कारोबार करता है और ए पुलिसकर्मी उन्हे नियमित रूप से परेशान करते थे और उनसे पैसे लेते थे।

किसानों व महिलाओं को आगे बढ़ाने की योजना

मुंबई। वॉलमार्ट फाउंडेशन ने अपने मार्केट एक्सेस प्रोग्राम के माध्यम के जरिए देश के 9 राज्यों आंध्र प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में कृषि समुदायों का सहयोग कर रहा है। भारत में किसानों की आजीविका में सुधार लाने के उद्देश्य से मार्च 2023में इसकी शुरुआत की गई। वॉलमार्ट फाउंडेशन ने एक नई पांच वर्षीय रणनीति की घोषणा कि इसका लक्ष्य 2028तक कम से कम 50 प्रतिशत महिलाओं के साथ 1 मिलियन छोटे किसानों तक पहुंचना है। वर्ष 2018के बाद इस कार्यक्रम में 39 मिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया गया है। इसे 500 किसान उत्पादक संगठनों के साथ उत्पादक समूहों तक पहुंचने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका लक्ष्य 800, 000 किसान हैं और इसमें आधे से अधिक महिलाएं हैं। भारत की संबोधि फर्म द्वारा की गई प्रभावी रिसर्च के अनुसार वॉलमार्ट फाउंडेशन के मार्केट एक्सेस प्रोग्राम के तहत एफपीओ पदाधिकारियों की तरह महिला किसानों की अधिक भागीदारी जागरूकता और निर्णय लेने की क्षमता दिखाई दी है। कार्यक्रम में एफपीओ सदस्यता शुल्क 22 बनाम 40 की तुलना का भुगतान करने के लिए अब कम महिलाओं को अपने घर से उधार लेना पड़ता है, जो अधिक स्वतंत्रता का संकेत देता है। प्रमुख कृषि मैट्रिक्स के विश्लेषण से पता चला है कि महिला किसानों की फसल वृद्धि अच्छी होने के साथ बाजार के लिए 210 प्रतिशत तक महिलाओं किसानों की पहुंच 149 प्रतिशत की तुलना में अधिक है।

भारतीय सेना की पूर्वी कमान में हाईलक्स का प्रदर्शन

गुवाहाटी। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने भारतीय सेना के पूर्वी कमान द्वारा आयोजित प्रौद्योगिकी-शोकेस के एक वार्षिक कार्यक्रम, ईस्ट टेक 2023 (ईटी2023) में एक अधिकृत बाहरी विक्रेता के सहयोग से संशोधित दो विशेष प्रयोजन वाले प्रतिष्ठित हाईलक्स का प्रदर्शन किया। असम सरकार के सहयोग से भारतीय सेना के इस आयोजन का उद्देश्य अपने किस्म के अनूठे स्वदेशी विकास और रक्षा तकनीकी क्षमताओं के उत्पादन को बढ़ावा देना तथा रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करना है। भारतीय सेना समेत अपने विशिष्ट उपभोक्ताओं की विभिन्न गतिशीलता आवश्यकताओं को समझने के लिए व्यापक बाजार सर्वेक्षण आयोजित करने के बाद टीकेएम ने अपने अधिकृत बाहरी विक्रेता के जरिये बहुमुखी हाईलक्स में कुछ संशोधन किए हैं, जो सेना की विभिन्न आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। ऐसी दो गाड़ियां प्रदर्शित की गई हैं। इनमें भारतीय सेना की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले वाहन भी हैं। बाहरी विक्रेता के माध्यम से टोयोटा हाईलक्स में फील्ड डायग्नोसिस व्हीकल (एफडीवी) और फॉरेस्ट पेट्रोलिंग व्हीकल (एफपीवी) में उपभोक्ता आवश्यकताओं के अनुरूप दो अलग-अलग संशोधन लागू किए हैं। इन संशोधित रूपांतरणों के अलावा, सामान्य उद्देश्य वाले हाईलक्स (सामान्य ग्राहकों के व्यक्तिगत और व्यावसायिक उपयोगों को पूरा करने वाला) भी 10-11 अक्तूबर के दौरान मणि राम दीवान ट्रेड सेंटर, गुवाहाटी में आयोजित होने वाले एक्सपो में प्रदर्शित किया गया था। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के रणनीतिक व्यापार इकाई (पूर्व) के महाप्रबंधक, वरिंदर कुमार वाधवा ने कहा, ईस्ट टेक 2023 में प्रतिष्ठित हाईलक्स के खासतौर से अनुकूलित रूपांतर पेश करने का अवसर पाकर बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

जी-20 देशों की संसद के पीठासीन अधिकारियों ने आतंकवाद, हिंसक चरमपंथ के मुकाबले का संकल्प लिया

भाषा। नई दिल्ली

जी20 देशों की संसद के पीठासीन अधिकारियों ने आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ का मुकाबला करने के लिए अपने विधाई, बजटीय और निरीक्षण कार्यों का उपयोग करने का शुक्रवार को संकल्प लिया। यहां पार्लियामेंट-20 (पी20) शिखर बैठक में स्वीकृत किए गए एक संयुक्त बयान में उन्होंने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा की। इसमें विदेशी लोगों को पसंद न करने की प्रवृत्ति (ज़ेनोफोबिया), नस्लवाद और असहिष्णुता के अन्य रूपों या धर्म अथवा आस्था के आधार पर आतंकवाद भी शामिल है। पी20 शिखर बैठक की अध्यक्षता करने वाले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने एक्स पर पोस्ट किया, पी20 भारत में आम सहमति से स्वीकृत किया गया संयुक्त घोषणापत्र वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को प्रदर्शित करता है। जन प्रतिनिधि होने के नाते हम एक मानव केंद्रित, समृद्ध और सौहार्द्रपूर्ण भविष्य के लिए सहयोग करने का संकल्प लेते हैं। समर्थन करने के लिए सभी प्रतिनिधियों को बधाई। जी20 देशों की संसद के पीठासीन अधिकारियों का यह संयुक्त बयान रूस-यूक्रेन युद्ध जारी रहने, और इजराइल एवं हमास के बीच हाल में शुरू हुए भीषण संघर्ष के बीच आया है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद ने अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को एक सबसे गंभीर खतरा पैदा किया है। संयुक्त बयान में कहा गया है, हम महत्वपूर्ण ऊर्जा प्रतिष्ठानों सहित अहम बुनियादी ढांचों, और अन्य कमजोर लक्ष्यों के खिलाफ सभी आतंकी कृत्यों की कड़ी निंदा करते हैं। आतंकवाद के सभी कृत्य आपराधिक और अनुचित हैं, चाहे उनकी प्रेरणा कुछ भी हो और ए कृत्य कहीं भी, कभी भी और किसी ने भी किए हों। इसमें कहा गया है कि आतंकवाद रोधी प्रभावकारी उपाय, आतंकवाद पीड़ितों की मदद और मानवाधिकारों की रक्षा परस्पर विरोधी लक्ष्य नहीं, बल्कि पूरक और पारस्परिक रूप से मजबूत हैं। बयान के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय कानून के आधार पर एक समग्र दृष्टिकोण, आतंकवाद का प्रभावी ढंग से मुकाबला कर सकता है। आतंकवादी समूहों को सुरक्षित ठिकाने,आवाजाही और भर्ती की आज़ादी के साथ-साथ वित्तीय, साजो-सामान या राजनीतिक समर्थन से वंचित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की प्रभावकारिता बढ़ाने के प्रयासों को मजबूत किया जाना चाहिए। बयान में कहा गया है, अपने विधाई, बजटीय और निरीक्षण कार्यों के आलोक में, हम आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ से निपटने में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लेते हैं।

पार्टी कहेगी तो हरियाणा से भी लड़ सकता हूं चुनाव : बृजभूषण

गोंडा (उप्र)। महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों से घिरे भारतीय कुश्ती संघ के निवर्तमान अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की कैसरगंज से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मौजूदा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा है कि अगर पार्टी उन्हें हरियाणा से लोकसभा का चुनाव लड़ाने का फैसला करती है, तो वह इसके लिए तैयार हैं। सिंह ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर भाजपा द्वारा आयोजित सामाजिक समरसता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा, मुझे हरियाणा से बहुत ज्यादा समर्थन मिल रहा है। वहां से विशेषकर जाट समाज से यह आमंत्रण हमारे पास आता है। उन्होंने कहा, लोग मिलते हैं और कहते हैं कि आप आइए और हरियाणा से चुनाव लड़िए, हम आपको अपने यहां से चुनाव जिताएंगे। अगर पार्टी मुझे मौका देगी तो हम वहां से चुनाव जरूर लड़ेंगे। भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे हैं। पहलवानों ने इस साल भाजपा सांसद पर महिला पहलवानों के यौन शोषण का गंभीर आरोप लगाते हुए दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन किया था, जिसमें मशहूर पहलवान साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया समेत कई पहलवानों ने प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। यह तीनों पहलवान हरियाणा के ही रहने वाले हैं। इस लिहाज से सिंह का हरियाणा से चुनाव लड़ने संबंधी यह बयान महत्वपूर्ण माना जा सकता है।

महाराष्ट्र: बच्चों की बेरहमी से पिटाई को लेकर अभिभावकों ने स्कूल में हंगामा किया

भाषा। ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले के डोंबिवली में अभिभावकों ने एक निजी स्कूल की नई महिला शिक्षिका पर बच्चों की बेरहमी से पिटाई का आरोप लगाते हुए विद्यालय में शुक्रवार को हंगामा किया। डोंबिवली पश्चिम में स्थित स्कूल में अभिभावकों के घुसने और वहां हुए हंगामे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो में अभिभावकों के साथ करीब 30 छात्र भी देखे जा सकते हैं जिन्हें पट्टियां बंधी हुई हैं। अभिभावक दोपहर में स्कूल पहुंचे और प्रबंधन से सवाल किया कि शिक्षिका ने उनके बच्चों को क्यों पीटा। उन्होंने शिक्षिका के खिलाफ सख्त कार्वाई की मांग की और यहां कुछ घंटों तक हंगामे की स्थिति रही। संवाददाता से बात करते हुए एक अभिभावक ने कहा, शिक्षिका ने लोहे की छड़ से बच्चों को पीटा जिससे उन्हें गंभीर चोट आई। एक अन्य अभिभावक ने कहा, दो दिन पहले इसी शिक्षिका के खिलाफ हम शिकायत लेकर आए थे क्योंकि उनका पढ़ाया हुआ छात्रों को समझ नहीं आ रहा था। ऐसा लगता है उसने बदला लेने के लिए छात्रों को पीटा है। इस प्रकरण पर टिप्पणी को लेकर कई बार प्रयास के बाद भी स्कूल प्रबंधन से संपर्क नहीं हो सका।

डगलस को सत्यजीत रे लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा: ठाकुर

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को घोषणा की कि लोकप्रिय हॉलीवुड अभिनेता माइकल डगलस को गोवा में आयोजित होने वाले भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में सत्यजीत रे लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभिनेता माइकल डगलस अपनी पत्नी कैथरीन जीटा जोन्स और पुत्र डायलन डगलस के साथ 20 से 28 नवंबर के बीच गोवा में आयोजित होने वाले 54वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में शामिल होंगे।अनुराग ठाकुर ने एक्स पर पोस्ट किया, मुझे यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि प्रख्यात हॉलीवुड अभिनेता एवं निर्माता माइकल डगलस को गोवा में आयोजित होने वाले 54वें अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रतिष्ठित सत्यजीत रे एक्सीलेंस इन फिल्म लाइफटाइम अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा, माइकल डगलस का भारत के प्रति प्रेम सर्वविदित है और भारत अपनी समृद्ध सिनेमाई संस्कृति तथा अनूठी परंपराओं को प्रदर्शित करने के लिए उत्सुक है। डगलस ने इसके बाद भारत में अपने प्रशंसकों के साथ आईएफएफआई की अपनी आगामी यात्रा के बारे में एक संदेश साझा किया। एनएफडीसी इंडिया ने एक्स पर अभिनेता का एक वीडियो साझा किया जिसमें उन्होंने कहा,'हेलो इंडिया, मैं माइकल डगलस हूं और आपसे मिलने आ रहा हूं। मैं गोवा में भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सत्यजीत रे लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार पाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। इसके लिए मैं और कैथरीन वहां आने वाले हैं। हम अपने प्रिय मित्र शैलेन्द्र सिंह और फिल्म व्यवसाय में उनकी 25वीं वर्षगांठ का भी सम्मान करने जा रहे हैं। मैं नवंबर में आपसे मिलूंगा। आपका दिन शानदार रहे। माइकल डगलस (79) ने पांच दशक से भी लंबे अपने

कोटा के छात्रावास में नीट की तैयार कर रही छात्रा का बलात्कार

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले मे कोचिंग कर रहे छात्रो के लिए खाना लाने वाले लड़के और एक छात्रावास के मालिक को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा(नीट) की तैयारी कर रही 15 वर्षीय छात्रा के साथ बार-बार बलात्कार और उसे धमकाने मामले मे शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। कोटा शहर के पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी ने बताया कि लड़की बिहार की रहने वाली है और अपनी बहन के साथ यहां छात्रावास मे रह रही थी। छात्रा ने मंगलवार को अपनी शिकायत मे बताया कि खाना लाने वाले लड़के ने बार-बार उसका बलात्कार किया जबकि छात्रावास के मालिक से इसके बारे मे किसी को कुछ भी नही बताने की धमकी दी। पीड़िता ने अपनी शिकायत मे बताया कि लड़का खाना देने के लिए उसके कमरे मे आता था और दोनो मे परिचय हो गया था। जान-पहचान का फायदा उठाकर फरवरी मे लड़के ने उसे शराब पीने का लालच दिया और जब वह नशे मे हो गई तो उसके साथ बलात्कार किया। उसने इस घटना की वीडियो बना ली थी। पीड़िता ने आरोप लगाया कि इसके बाद लड़के ने ब्लैकमेल कर छह से सात बार उसका बलात्कार किया।

लेक्सिकॉन इंस्टीट्यूट करेगा करियर काउंसलिंग

जोधपुर। द लेक्सिकॉन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, लेक्सिकॉन इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया एंड एनिमेशन (लेक्सिकॉन ग्रुप के हिस्से के रूप में प्रतिष्ठित संस्थान) को लखनऊ व जोधपुर में अपने आगामी करियर काउंसलिंग कार्यक्रमों की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। इन इवेंट्स का लक्ष्य हॉस्पिटेलिटी, मीडिया और एनिमेशन के क्षेत्र में करियर बनाने की दिलचस्पी रखने वाले व्यक्तिगत लोगों को मूल्यवान आंतरिक बातें और मार्गदर्शन देना है। शामिल होने वाले लोगों को इन गतिशील इंडस्ट्रीज के अंदर विविध करियर संभावनाओं के बारे में विशेषज्ञ करियर सलाहकारों से जानकारी जुटाने का अवसर मिलेगा। लखनऊ करियर काउंसलिंग मीट 15 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। यह कार्यक्रम हिल्टन गार्डन इन, 7/7 विभुति खंड, गोमती नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश होगा। जबकि जोधपुर करियर काउंसलिंग मीट भी 15 अक्टूबर 2023 दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक द फर्न रेसीडेंसी, 1बी/ए, पुलिस लाइन, लोको शेड रोड से आगे, सुभाष चौक, रतनंदा, जोधपुर, राजस्थान में होगा।

बंगाल के राज्यपाल ने दुर्गा पूजा के दौरान 71 कैदियों को रिहा करने का आदेश दिया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने राज्य सरकार को दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान विशेष छूट देते हुए 71 दोषियों को रिहा करने का आदेश दिया है। राजभवन सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। 71 भारतीयों के साथ ही 16 विदेशी कैदियों को केंद्र सरकार की मंजूरी से रिहा करने पर विचार किया जा रहा है। मामला कुछ समय से लंबित है क्योंकि राज्य सरकार से संतोषजनक प्रतिक्रियाएं नहीं मिली है। केंद्र सरकार ने भारत की आजादी के 75वें वर्ष यानी आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में कैदियों की रिहाई के लिए एक योजना शुरू की है।

माता दुर्गा की प्रतिमा को संवारता कलाकार

वीवो से जुड़ा धन शोधन मामला: अदालत ने आरोपियों की हिरासत तीन दिन के लिए बढ़ाई

भाषा। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने चीनी स्मार्टफोन निर्माता वीवो के खिलाफ धन शोधन मामले में गिरफ्तार लावा इंटरनेशनल मोबाइल कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) और एक चीनी नागरिक समेत चार लोगों की हिरासत शुक्रवार को तीन दिन के लिए बढ़ा दी। चारों आरोपियों को उनकी तीन दिन की ईडी हिरासत पूरी होने पर अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश देवेंद्र कुमार जांगला के समक्ष पेश किया गया। शुक्रवार को ईडी ने चार अलग-अलग अर्जी दायर कर उनकी हिरासत 10 दिन के लिए बढ़ाने का अनुरोध किया, लेकिन अदालत ने आरोपियों से हिरासत में पूछताछ के लिए उसे केवल तीन दिन और दिए। न्यायाधीश ने आरोपी व्यक्तियों हरिओम राय, नितिन गर्ग, राजन मलिक और गुआंगवेन उर्फ एंड्रयू कुआंग को 16 अक्टूबर तक ईडी की हिरासत में भेजने का आदेश दिया। अदालत ने निर्देश दिया कि पूछताछ सीसीटीवी कवरेज वाले स्थान पर की जाए और फुटेज को संरक्षित किया जाए। अदालत ने सरकारी वकील के बयान का संज्ञान लिया, जिन्होंने मंगलवार को कहा था कि हिरासत में परोसे जाने के बावजूद हरिओम राय ने खाना नहीं खाया। अदालत ने कहा कि राय ईडी के उच्च अधिकारियों के साथ बातचीत करना चाहते थे। हालांकि, अभियोजक ने इस अनुरोध का कड़ा विरोध किया और कहा कि यह पीएमएलए के तहत निषिद्ध है। इस पर अदालत ने कहा, ईडी के अधिकारी भारत के संविधान के अधीन लोक सेवक हैं, इसलिए आरोपी सहित किसी भी व्यक्ति की शिकायत सुनने के लिए बाध्य हैं। अदालत ने यह भी कहा कि पीएमएलए के तहत ऐसी कोई रोक नहीं है। हिरासत के लिए अनुरोध करते हुए अभियोजन पक्ष ने कहा कि साक्ष्य के संबंध में आरोपियों का 13 गवाहों से आमना-सामना कराया जाना है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कोई कारण नहीं होने सहित उनके वकील की विभिन्न दलीलों को खारिज करते हुए, अदालत ने कहा कि इन दलीलों पर 10 अक्टूबर के उसके आदेश में पहले ही विचार किया जा चुका।

तेदेपा के नेताओं ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

भाषा। नई दिल्ली

संसद में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेताओं ने जेल में बंद पार्टी प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में शुक्रवार को चिंता व्यक्त की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि उन्हें सर्वोत्तम चिकित्सा सेवाएं मिलें। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री नायडू (73) को कौशल विकास निगम के धन के कथित दुरुपयोग के आरोप में नौ सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है और राजमुंदरी केंद्रीय कारागार में बंद हैं। राज्यसभा में तेदेपा के नेता कनकमेदला रवींद्र कुमार और लोकसभा में पार्टी के नेता के. राम मोहन नायडू ने प्रधानमंत्री को एक सामान्य पत्र लिखा है, जिसमें कहा गया है कि नायडू की स्थिति के बारे में चिंताजनक खबरें आई हैं। उन्होंने प्रतिवेदन में वर्तमान राज्य सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया। शरीर में पानी की कमी आदि के कारण नायडू का वजन पांच किलोग्राम कम हो गया है।

पायनियर
नई दिल्ली , शनिवार,14 अक्टूबर, 2023

हमारा तो विश्वकप का फाइनल आज, हर हाल में चाहिए जीत

● विश्व कप में भारत का चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से मुकाबला

● प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी टीम इंडिया, बारिश का खतरा

भाषा। अहमदाबाद

रोहित शर्मा का संतुलन, विराट कोहली का जज्बा और जसप्रीत बुमराह की कलात्मकता भारत को शनिवार को यहां होने वाले विश्व कप मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ जीत का प्रबल दावेदार बनाते हैं। इस मुकाबले का हालांकि सामाजिक-राजनीतिक संदर्भ भी है और इसका असर 22 गज की पिच के इतर भी होगी। कागज पर भारत कहीं बेहतर टीम है और बल्लेबाजी क्रम में कई स्टार मौजूद हैं और ऐसे में पाकिस्तान के नजरिए से बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी का पहला स्पैल काफी महत्वपूर्ण होगा। यह एक ऐसा मैच है जहां भावनात्मक पहलू भी भूमिका निभाते हैं और इसने पिछले कुछ वर्षों में समान संख्या में नायक और खलनायक पैदा किए हैं। जावेद मियांदाद और चेतन शर्मा, सलीम मलिक और मनिंदर सिंह, अजय जडेजा और वकार यूनिस, ऋषिकेश कानिटकर और सकलेन मुश्ताक, सचिन तेंदुलकर और शोएब अख्तर, विराट कोहली और वहाब रियाज, जोगिंदर शर्मा और मिसबाह उल हक (टी20 विश्व कप में) से पूछें। यह प्रतियोगिता पीड़ा और परम आनंद, खुशी और दिल तोड़ने वाले उदाहरणों से भरी हुई है, जो कभी खत्म नहीं होते। उर्दू में शाहीन का अर्थ है पक्षियों का राजा और रोहित को एक लाख 32 हजार दर्शकों की क्षमता वाले भव्य स्टेडियम में उनके पंख जल्द काटने में कोई आपत्ति नहीं होगी। डेंगू के बाद शुभमन गिल अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं और अगर वह शाहीन के साथ वही करने के लिए तैयार हैं जो उन्होंने कोलंबो में एशिया कप में पावरप्ले में आधा दर्जन चौकों के साथ किया था तो पाकिस्तानी टीम का हौसला तोड़ने का आधा काम हो जाएगा। पुल शॉट का माहिर यह खिलाड़ी अपने वर्चस्व को फिर से स्थापित करना चाहेगा जिससे कि कोहली, श्रेयस अय्यर और लोकेश राहुल जैसे खिलाड़ियों के लिए मजबूत मंच तैयार हो। स्तरीय स्पिनरों की कमी के कारण भी पाकिस्तान की राह मुश्किल होगी। पाकिस्तान के उप कप्तान शादाब खान ने दो मैच में 16 ओवरों में 100 रन दिए हैं और वह नई गेंद के गेंदबाज हसन अली के साथ भारतीयों के लिए आसान लक्ष्य हो सकते हैं। दूसरे स्पिनर को भी नहीं भूलना चाहिए जो अब तक पाकिस्तान की कमजोर कड़ी रहा है। खराब मौसम का पूर्वानुमान है लेकिन कोई नहीं चाहता कि क्रिकेट के मुकाबले में बाधा पड़े। रिजवान ने श्रीलंका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया और अब्दुल्ला शफीक ने अपना स्तर दिखाया। शकील किसी भी दिन मैच का रुख बदल सकते हैं लेकिन पाकिस्तान की बल्लेबाजी उसके कप्तान बाबर पर निर्भर है। कुलदीप के साथ बाबर की भिड़ंत रोमांचक होगी। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर की लेग ब्रेक ने 2019 में मैनचेस्टर में बाबर को परेशानी में डाल दिया था। कुलदीप बीच में खराब फॉर्म से जूझ रहे थे लेकिन अब फिर लय में लौट चुके हैं और बाबर तथा उनकी टीम को परेशान कर सकते हैं। कोलंबो में एशिया कप मैच इसका उदाहरण है लेकिन कुलदीप तक पहुंचने के लिए पाकिस्तान को जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के शुरुआती स्पैल से निपटना होगा। रिजवान और शफीक को पता होगा कि बुमराह और सिराज के खिलाफ रन बनाना मथीसा पथिराना को पीटने से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है। भारत अब जिस एकमात्र सवाल का जवाब चाहता है वह यह है कि रविचंद्रन अश्विन को खिलाया जाए।

गिल ने किया जमकर अभ्यास, रोहित ने कहा 99 प्रतिशत खेलना तय

अहमदाबाद। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने शुक्रवार को यहां कहा कि सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल पाकिस्तान के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले विश्व कप मैच में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार है। रोहित ने मैच की पूर्व संध्या पर संवाददाताओं से कहा, वह कल के मैच के लिए 99 प्रतिशत उपलब्ध है। गिल ने भी शुक्रवार को जमकर अभ्यास किया और वह अच्छी लय दिख रहे थे। उन्होंने नेट पर जिस तरह से गेंदबाजों का सामना किया उसे देखकर लग नहीं रहा था कि डेंगू होने के कारण वह पिछले रविवार को अस्पताल में भर्ती थे। रविचंद्रन अश्विन का सामना करते हुए गिल ने कुछ आकर्षक ऑन ड्राइव लगाए। अश्विन एक बार भी उन्हें परेशान नही कर पाए। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के सामने हालांकि गिल ने थोड़ी सतर्कता बरती। लगभग 20 मिनट तक नेट पर गेंदबाजों का सामना करने के बाद गिल ने थ्रो डाउन पर अभ्यास किया। इससे यह लगभग सुनिश्चित हो गया कि उन्हें ईशान किशन की जगह अंतिम एकादश में लिया जाएगा। जहां तक किशन का सवाल है तो उन्होंने आज बल्लेबाजी का अभ्यास नही किया।

भारत में जीतना बेहद कड़ी चुनौती लेकिन हमारे पास ऐसा करने वाले खिलाड़ी हैः वोक्स

नई दिल्ली। ऑलराउंडर क्रिस वोक्स ने कार्य की कठिनता को स्वीकार करते हुए कहा कि इंग्लैंड मौजूदा विश्व कप में भारत को करारी शिकस्त देने में सक्षम है। भारत ने प्रत्येक चार साल में होने वाले विश्व कप में अपने अभियान का आगाज शुरुआती दो मैच में ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के खिलाफ दो आसान जीत के साथ किया। गत चैंपियन इंग्लैंड हालांकि बांग्लादेश को मात देने से पहले न्यूजीलैंड से हार गया। स्काई स्पोर्ट्स ने वोक्स के हवाले से कहा, भारत में जीतना बेहद कठिन चुनौती है। मुझे लगता है कि उपमहाद्वीप की टीमें घरेलू परिस्थितियों में अधिक सहज महसूस करेंगी। इंग्लैंड की 2019 की विश्व चैंपियन टीम के सदस्य वोक्स ने हालांकि कहा कि उनके पास भारत को मात देने की क्षमता है। भारत और इंग्लैंड 29 अक्टूबर को लखनऊ में आमने-सामने होंगे। वोक्स ने कहा, इससे हमारे लिए उन्हें उनकी सहजता से बाहर करना बेहद कठिन हो जाता है।

लाबुशेन को ऑस्ट्रेलिया के वापसी करने की उम्मीद

लखनऊ। स्टार बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने विश्व कप में खराब शुरुआत से उबरने और दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए ऑस्ट्रेलिया का समर्थन करते हुए कहा कि यह शुरुआत है, अंत नहीं। लाबुशेन ने गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे नहीं पता कि अंक प्रणाली कैसे काम करती है, लेकिन मुझे लगता है कि हमें यहां से प्रत्येक मैच जीतना होगा या कम से कम शीर्ष चार के करीब आना होगा। उन्होंने कहा, लेकिन यही कारण है कि ऑस्ट्रेलिया ने पांच बार विश्व कप जीता है क्योंकि हम दबाव में अच्छा खेलते हैं। हमने अच्छी शुरुआत नहीं की है, लेकिन यह शुरुआत है, अंत नहीं।

प्रबल दावेदार के ठप्पे को अधिक तवज्जो नही दे रहे रबादा

लखनऊ। दक्षिण अफ्रीका अपनी शुरुआती दो मैच में शानदार जीत से विश्व कप में प्रबल दावेदार बनकर उभरा है लेकिन तेज गेंदबाज कागिसो रबादा ने जोर देकर कहा कि अब भी लंबा रास्ता तय करना है और टीम एक समय मे एक मैच पर ध्यान केंद्रित कर रही है। रबादा ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हमें अब भी लंबा रास्ता तय करना है लेकिन अब भी बहुत सारी सकारात्मक चीजें हैं। यह अच्छी बात है लेकिन हम अगले मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। हम देखेंगे कि हम कैसा महसूस करते है, हम सुधार करना चाहते हैं, अपने मजबूत और कमजोर पक्षों को देखते हुए सुधार करने पर ध्यान देंगे। उन्होने कहा, लेकिन मुझे लगता है कि हमने लगभग परफेक्ट क्रिकेट खेला है। पर अब यह बीती बात है और हमें इसे पीछे छोड़ना होगा। एक बार जब हम इसे पीछे छोड़ देते है तो फिर अगले मैच पर ध्यान केंद्रित करते है।

पीसीबी प्रमुख ने पाकिस्तानी टीम का हौसला बढ़ाया

अहमदाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख जका अशरफ ने भारत के खिलाफ शनिवार को होने वाले विश्व कप के महत्वपूर्ण मैच से पहले शुक्रवार को यहां पाकिस्तान के खिलाड़ियों से बात करके उनका हौसला बढ़ाया। अशरफ ने खिलाड़ियों के साथ एक बैठक की जिसमें उन्होंने खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस बैठक में कोच ग्रांट ब्रैडबर्न, पीसीबी के क्रिकेट निदेशक मिकी आर्थर और कप्तान बाबर आजम सहित सहयोगी स्टाफ के अन्य सदस्यों ने भी हिस्सा लिया। पाकिस्तान की टीम 2016 के बाद पहली बार भारत के दौरे पर आई है। उसने विश्व कप में अपने पहले दोनो मे जीते है लेकिन उसकी असली परीक्षा भारत के खिलाफ होगी।

कुक ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लिया

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया है जिससे उनके 20 साल तक चले पेशेवर करियर का भी अंत हो गया। कुक ने 2018 में ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था लेकिन वह काउंटी टीम एसेक्स की तरफ से अगले पांच वर्षों तक खेलते रहे। इस सलामी बल्लेबाज का एसेक्स के साथ अनुबंध वर्तमान सत्र के समाप्त होने के साथ ही खत्म हो गया था और उन्होंने इसे बढ़ाने का फैसला नही किया। उन्होंने 2003 में काउंटी चैंपियनशिप मे पदार्पण किया और तब से वह एसेक्स की टीम का अहम हिस्सा थे। कुक ने बयान मे कहा, क्रिकेट को अलविदा कहना आसान नही है। क्रिकेट मेरे लिए मेरे काम से भी बढ़कर है। इसके कारण में उन स्थानो पर भी गया जहां जाने के बारे मे मैने सपने मे भी नही सोचा था। मै उन टीमो में शामिल रहा जिनका हिस्सा बनने के लिए मैने कभी सोचा नही था। सबसे महत्वपूर्ण मैंने कुछ अच्छे दोस्त बनाए जिनके साथ मेरी दोस्ती ताउम्र रहेगी।

भारत-पाक मैच के दौरान गुजरात अलर्ट मोड पर , अहमदाबाद में 6000 पुलिसकर्मी तैनात

गांधीनगर। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को अहमदाबाद मे होने वाले विश्व कप के मैच के दौरान गुजरात में विभिन्न ईकाई के पुलिस प्रमुखो को अलर्ट मोड पर रहने , असामाजिक तत्वो और संवेदनशील इलाको पर पैनी नजर रखने के लिए कहा गया है। प्रदेश के डीजीपी विकास सहाय ने कहा कि गुजरात पुलिस बल के 6000 पुलिसकर्मी, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड, त्वरित कार्यबल, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के साथ अहमदाबाद और नरेंद्र मोदी स्टेडियम में तैनात होंगे। सुरक्षा के पांच पहलू होंगे , स्टेडियम और दर्शको की सुरक्षा , यातायात और पार्किंग का इंतजाम, क्रिकेट टीमों की सुरक्षा, असामाजिक तत्वो पर नजर और यह सुनिश्चित करना कि पूरे प्रदेश में कोई अप्रिय घटना नही घटे। गुजरात पुलिस पूरी तरह से तैयार है।

डब्ल्यूएफआइ की तदर्थ समिति की याचिका पर न्यायालय का नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव पर पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई रोक के खिलाफ महासंघ की तदर्थ समिति की याचिका पर उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को केंद्र ओर अन्य से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति अभय एक ओका और पंकज मित्तल की पीठ ने केंद्र, हरियाणा कुश्ती संघ, हरियाणा ओलंपिक संघ और अन्य को नोटिस जारी करके तीन नवंबर तक जवाब मांगा है। तदर्थ समिति ने महासंघ के चुनाव पर रोक लगाने के 25 सितंबर के अदालत के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में अपील की थी।

भारतीय टीम मिस्र में विश्व कैडेट शतरंज चैंपियनशिप से हटी

चेन्नई। भारतीय टीम ने इजराइल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष के मद्देनजर शनिवार से शर्म अल शेख में शुरू होने वाली विश्व कैडेट शतरंज चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है क्योंकि डर है कि इससे खिलाड़ियों और अधिकारियों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। टूर्नामेंट में देश के 39 खिलाड़ियो को हिस्सा लेना था जिसका आयोजन स्थल इजराइल सीमा से 400 किमी से कम की दूरी पर है। टूर्नामेंट में अंडर-12, अंडर-10 और अंडर-8 वर्ग की स्पर्धाएं होनी है। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने गाजा में तनावपूर्ण स्थिति को ध्यान में रखते हुए विश्व संस्था फिडे से टूर्नामेंट को स्थगित करने का अनुरोध किया है।

कंपाउंड तीरंदाजी को नहीं मिला आईओसी कार्यकारी बोर्ड का समर्थन

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) के कार्यकारी बोर्ड ने शुक्रवार को यहां संपन्न हुई बैठक में लॉस एंजेलिस में 2028 मे होने वाले ओलंपिक खेलो मे कंपाउंड तीरंदाजी को शामिल करने को मंजूरी नही दी जो भारतीय तीरंदाजी के लिए निराशा की बात हो सकती है। विश्व तीरंदाजी ने पिछले साल जून मे आईओसी के सामने कंपाउंड तीरंदाजी को 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलो मे शामिल करने का प्रस्ताव रखा था। कंपाउंड तीरंदाजी लॉस एंजेलिस खेलो के कार्यक्रम मे शामिल नही थी। कार्यकारी बोर्ड ने जिन खेलो को लॉस एंजेलिस खेलो मे शामिल करने का प्रस्ताव रखा है उनमे टी20 क्रिकेट भारत के लिए सबसे बड़ा आकर्षण है।

आकृति-सोहिनी की जोड़ी ने अंडर 16 लड़कियों का युगल खिताब जीता

नई दिल्ली। महाराष्ट्र की आकृति नारायण और ओडिशा की सोहिनी ने फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैम्पियनशिप में शुक्रवार को लड़कियों का अंडर 16 खिताब जीता। दोनो ने नयनिका बेडराम और इशि माहेश्वरी को 6-4, 6- 4 से हराया। लड़को के अंडर 16 युगल वर्ग मे गुजरात के व्रज गोहिल और महाराष्ट्र के समर्थ सहिता ने गुजरात के कबीर चोथानी और उत्तराखंड के अर्नव यादव को 7-5, 6-2 से मात दी। लड़को के अंडर 14 युगल वर्ग मे तेलंगाना के स्तिक के और हरियाणा के तवीश पाहवा ने शौर्य भारद्वाज और रणवीर सिंह को 6-4, 7-5 से हराया। लड़कियो के वर्ग मे पश्चिम बंगाल की अलीना फरीद और ओडिशा की आराध्या वर्मा ने खिताब जीता। अंडर 14 एकल वर्ग मे स्तिक ने अनुराग कालाम्बेला को 6-4, 6-1 से हराकर फाइनल मे जगह बनाई।

विलियमसन ने वापसी पर खेली उम्दा पारी

● न्यूजीलैंड ने लगाई जीत की हैट्रिक, बांग्लादेश को हराया

भाषा। चेन्नई

केन विलियमसन की वापसी पर खेली गई अनुशासन से भरी आकर्षक पारी और डेरिल मिशेल के बड़े अर्धशतक की मदद से न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को यहां बांग्लादेश को 43 गेंद शेष रहते हुए आठ विकेट से हराकर एकदिवसीय विश्व कप में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड के सामने 246 रन का लक्ष्य था और उसने 42.5 ओवर में दो विकेट पर 248 रन बनाकर आसान की दर्ज की। विलियमसन ने अंगूठे की चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट होने से पहले 107 गेंद पर 78 रन बनाए जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल है। उन्होंने एक छोर संभाल कर पारी संवारने का काम किया। न्यूजीलैंड के कप्तान ने डेवोन कॉनवे (59 गेंद पर 45 रन) के साथ 80 रन की साझेदारी की जबकि मिशेल (67 गेंद पर नाबाद 89 रन, छह चौके, चार छक्के) के साथ उन्होंने 108 रन जोड़े। मिशेल ने छक्के से अपनी पारी की शुरुआत की थी और उन्होंने छक्के से ही मैच का अंत भी किया। न्यूजीलैंड की यह लगातार तीसरी जीत है जिससे वह 6 अंक लेकर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। बांग्लादेश की पारी शुरू में लड़खड़ा गई थी और एक समय उसका स्कोर चार विकेट पर 56 रन था। बांग्लादेश यदि नौ विकेट पर 245 रन तक पहुंचने में सफल रहा तो उसका श्रेय अपना पांचवा विश्व कप खेल रहे मुशफिकुर रहीम (75 गेंद पर 66 रन, छह चौके, दो छक्के) और कप्तान शाकिब अल हसन (51 गेंद पर 40 रन, तीन चौके, दो छक्के) की 96 रन की साझेदारी और महमुदुल्लाह की नाबाद 41 रन की पारी को जाता है। न्यूजीलैंड की तरफ से लॉकी फर्ग्यूसन ने 49 रन देकर तीन विकेट लिए। दो अन्य तेज गेंदबाजों ट्रेंट बोल्ट (45 रन देकर दो) और मैट हेनरी (58 रन देकर दो) ने उनका अच्छा साथ दिया। न्यूजीलैंड की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही तथा उसने पहले दो मैच में जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले रचिन रविंद्र (09) का विकेट जल्दी गंवा दिया।

स्कोरबोर्ड

बांग्लादेश पारी :दास का हेनरी बो बोल्ट 0,हसन का कोंवे बो फर्ग्युसन 16,हसन मिराज का हेनरी बो फर्ग्युसन 30, हुसैन शांतो का कोंवे बो फिलिप्स 7,हसन का लाथम बो फर्ग्युसन 40, रहीम बो हेनरी 66,हृदय का सेंटनेर बो बोल्ट 13, महमूदुल्लाह नाबाद 41,अहमद का मिचेल बो सेंटनेर 17, रहमान का लाथम बो हेनरी 4,इस्लाम नाबाद 2, **अतिरिक्त** : नौ रन , **कुल योग** : 50 ओवर मे नौ विकेट पर 245 रन ,**विकेट पतन** :1-0, 2- 40, 3-56, 4-56, 5-152, 6-175, 7-180 , 8-214, 9-225,गेंदबाजी : बोल्ट 10-0-45-2,हेनरी 10-0-58-2,फर्ग्युसन 10-0-49-3,सेंटनेर 10-1-31-1,फिलिप्स 2-0-13-1,रविंद्र 7-0-37-0,मिचेल 1-0-11-0

न्यूजीलैंडः कॉनवे पगबाधा बो शाकिब अल हसन 45 ,रचिन का मुशिफ्कुर रहीम बो मुस्तफिजुर रहमान 09 , विलियमसन रिटायर हर्ट 78,मिशेल नाबाद 89 , फिलिप्स नाबाद 16 ,**अतिरिक्तः** 11,**कुलः** (42.5 ओवर में 2 विकेट पर) 248 ,**विकेट पतनः**1-12, 2-92, **गेंदबाजीः** मुस्तफिजुर रहमान 8-0-36-1, शोरफुल इस्लाम 7.5-1-43-0, तस्कीन अहमद 8-0-56-0, शाकिब अल हसन 10-0-54-1, मेहदी हसन मिराज 9-0- 58-0.

एक मैच के कारण कप्तानी नही पाई, एक मैच के कारण इस गंवाऊंगा भी नही : बाबर

अहमदाबाद। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम का मानना है कि विश्व कप में भारत के खिलाफ शनिवार को होने वाले बहु प्रतीक्षित मैच के परिणाम का उनकी कप्तानी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इस महत्वपूर्ण मैच से पहले दोनों टीम के कप्तानों पर दबाव है क्योंकि किसी भी टीम के प्रशंसक अपनी टीम को हारता हुआ नहीं देखना चाहते हैं। बाबर ने हालांकि जताया कि उन पर किसी तरह का दबाव नहीं है। यह अलग बात है कि इस मैच के नतीजे का उनकी कप्तानी पर पड़ने वाले प्रभाव से संबंधित सवाल पर वह खुश नहीं दिखे। बाबर ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, मुझे कभी इस बात की चिंता नहीं रही कि इस एक मैच के कारण मैं अपनी कप्तानी गंवा दूंगा। खुदा ने मेरी किस्मत में जो कुछ लिखा होगा वह मुझे मिलेगा। मैं जिसका हकदार हूं वह मुझे मिलेगा। मुझे एक मैच के कारण कप्तानी नहीं मिली और मैं एक मैच के कारण उसे गंवाऊंगा भी नहीं। आईसीसी की प्रतियोगिताओं में भारत के खिलाफ उनका रिकॉर्ड अच्छा नहीं है और उन्होंने इसे स्वीकार भी किया।

विश्व कप क्वालीफाइंग में अर्जेन्टीना जीता, ब्राजील व वेनेजुएला ने ड्रॉ खेला

भाषा। साओ पाउलो

चोट के बाद वापसी कर रहे लियोनल मेस्सी के शॉट दो बार गोल पोस्ट से टकराए लेकिन इसके बावजूद दक्षिण अमेरिका फुटबॉल विश्व कप क्वालीफाइंग मुकाबले में अर्जेन्टीना ने पैराग्वे को 1-0 से हराया। अर्जेन्टीना की ओर से मैच का एकमात्र गोल तीसरे मिनट में डिफेंडर निकोलस ओतामेंदी ने दागा। दक्षिण अमेरिका में अर्जेन्टीना के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी ब्राजील को हालांकि सुइयाब में हूटिंग का सामना करना पड़ा जब मेजबान टीम ने वेनेजुएला से 1-1 से ड्रॉ खेला। यह पहला मौका है जब ब्राजील स्वदेश में वेनेजुएला को हराने में नाकाम रहा। ब्राजील के लिए 52वें मिनट में नेमार की कॉर्नर किक पर गैब्रिएल मेगालहेस ने हेडर से गोल दागा लेकिन 85वें मिनट में एडवर्डो बेलो ने वेनेजुएला को बराबरी दिला दी। इस नतीजे से ब्राजील के नए कोच फर्नांडो डिनिज पर दबाव बढ़ गया है जबकि अर्जेन्टीना अब तक अपने तीनों मैच जीतकर शीर्ष पर बना हुआ है। अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में होने वाले अगले विश्व कप में 48 टीम हिस्सा लेंगी जिससे दक्षिण अमेरिका की शीर्ष छह टीम को सीधे टूर्नामेंट में प्रवेश मिलेगा। सातवें स्थान की टीम अंतर महाद्वीपीय प्ले ऑफ मुकाबले में खेलेगी। अर्जेन्टीना दक्षिण अमेरिका विश्व कप क्वालीफाइंग में नौ अंक के साथ शीर्ष पर चल रहा है जबकि इसके बाद ब्राजील (07), कोलंबिया (05), उरुगवे (04), चिली (04), वेनेजुएला (04), इक्वाडोर (03), पैराग्वे (01), पेरू (01) और बोलीविया (0) का नंबर आता है। सभी 10 टीम मंगलवार को चौथे दौरे के मुकाबले खेलेंगी।

आज देश में छोटे शहरों की प्रतिभाओं को खुलकर आगे आने का मौका मिल रहा : मोदी

अमेठी (उप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि आज के बदलते भारत में छोटे शहरों की प्रतिभाओं को खुलकर आगे आने का मौका मिल रहा है और उन्हें निखारने के लिए सरकार की ओर से हरसंभव सुविधा दी जा रही है।प्रधानमंत्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से अमेठी संसद खेल प्रतियोगिता 2023 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, बदलते हुए आज के भारत में छोटे-छोटे शहरों की प्रतिभाओं को खुलकर आगे आने का मौका मिल रहा है। बीते वर्षों में खेल की दुनिया में छा जाने वाले कई नाम, छोटे शहरों से ही निकल कर आए हैं। यह इसलिए हुआ है क्योंकि आज भारत में पूरी पारदर्शिता से युवाओं को आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है।

ओलंपिक 2028 में क्रिकेट शामिल होना तय

आयोजन समिति के इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी

भाषा। मुंबई

लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में क्रिकेट का शामिल होना लगभग तय है चूंकि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के कार्यकारी बोर्ड ने शुक्रवार को आयोजन समिति के इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। आईओसी के कार्यकारी बोर्ड की यहां थॉमस बाख की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें टी20 क्रिकेट, बेसबॉल - साफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लेक्रोस (सिक्सेस) और स्क्वाश को भी 2028 खेलों में शामिल करने को मंजूरी मिली। इस प्रस्ताव पर रविवार को आईओसी के सत्र के दौरान मतदान होगा। अगर इसे मंजूरी मिल जाती है तो क्रिकेट की महाशक्ति होने के नाते 2028 ओलंपिक में भारत की पदक जीतने की संभावना बढ जाएगी। बाख ने कहा कि ए पांच खेल सिर्फ 2028 लॉस एंजिलिस खेलों में शामिल किए जाएंगे। कार्यकारी बोर्ड की दो दिवसीय बैठक के बाद बाख ने कहा , आईओसी को तीन अलग अलग फैसले लेने पड़े। पहला लॉस एंजिलिस ओलंपिक आयोजन समिति के पांच नए खेलों को शामिल करने के प्रस्ताव से जुड़ा था। ए पांच खेल क्रिकेट, बेसबॉल - साफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लेक्रोस (सिक्सेस) और स्क्वाश हैं। उन्होंने कहा , हमने क्रिकेट खासकर टी20 प्रारूप की बढती लोकप्रियता देखी है। पचास ओवरों का विश्व कप भी बेहद कामयाब हो चुका है। अगर मंजूरी मिल जाती है तो क्रिकेट 1900 के बाद पहली बार ओलंपिक का हिस्सा होगा।

बोर्ड ने मुक्केबाजी पर फिलहाल फैसला नहीं लिया

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के कार्यकारी बोर्ड ने शुक्रवार को कहा कि आईओसी ने चूंकि मुक्केबाजी के लिए किसी नियामक ईकाई को मान्यता नही दी है तो 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक मे उसके शामिल किए जाने पर फिलहाल रोक है जबकि आधुनिक पेटाथलन और भारोत्तोलन का सुझाव दिया गया है। आईओसी के कार्यकारी बोर्ड की दो दिवसीय बैठक के बाद यह घोषणा की गई। यहां 15 से 17 अक्टूबर तक चलने वाले आईओसी के 141वे सत्र का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

मलेशिया से हार कर भारतीय टीम मर्डेका कप से बाहर

भाषा। कुआलालंपुर

भारतीय फुटबॉल टीम शुक्रवार को यहां मेजबान मलेशिया से 2-4 से हार कर मर्डेका कप फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर हो गई ।भारत का यह पहला मैच ही सेमीफाइनल जैसा था जिसमें उसे अपनी गलतियों के कारण हार का सामना करना पड़ा ।मलेशिया ने सातवें मिनट में ही डियोन कूल्स के गोल की मदद से बढ़त बना ली, लेकिन 13वें मिनट में नाओरेम महेश सिंह ने खूबसूरत वॉली से भारत को बराबरी दिला दी।

निखिल पुजारी की गलती के कारण मलेशिया को 20वें मिनट में पेनल्टी मिली जिसे आरिफ अमीन ने गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की। मध्यांतर से चार मिनट पहले फैजल हलीम ने मलेशिया की तरफ से तीसरा गोल किया ।भारतीय कप्तान सुनील छेत्रीने 52वें मिनट में टीम के लिए दूसरा गोल किया लेकिन कोर्बिन ओंग ने 61वें मिनट में गोल करके मलेशिया की जीत सुनिश्चित की।

लखनऊ साइकिलिंग चैंपियनशिप 15 को

लखनऊ। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी लखनऊ साइकिलिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में जिला साइकिलिंग चैंपियनशिप-2023 का आयोजन दिनांक 15 अक्टूबरको सुबह 6 से 9 बजे के मध्य जी-20 रोड पर होगा। इसमें विभिन्न आयु वर्ग जैसे अंडर-14, अंडर-17, अंडर-19 एवं अंडर-23 आयु वर्ग के 4 प्रतिभागियों के लिए इंडिविजुअल टाइम और 50 वर्ष तक के लोगों के लिए एक विशेष रेस आयोजितकी जाएगी। लखनऊ साइकिलिंग एसोसिएशन के सचिव अनुराग बाजपेयी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग के आधार पर आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए टीम चयनित कीजाएगी। इसके अतिरिक्त यहां प्रतियोगिता में ट्रैक साइकिलिंग,रोड साइकिलिंग धा एवं माउंटेन साइकिलिंग की प्रतियोगिता कराई जाएगी। इसमें 14 से 17 साल तक की उम्र के प्रतिभागियों के लिए12 किमी एवं 17 से 23 वर्ष और श्एलीट ग्रुप के लिए 24 किलोमीटर की रेस और 50 वर्ष तक की उम्र के लोगों के लिए 10 किलोमीटर की मासस्टार्ट प्रतियोगिता होगी। इस प्रतियोगिता केलिए सभी नियमों के साथ सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

लिटिल, एसडब्लूएस, बाल निकुंज व फाइटर्स जीते

● स्कूल प्रीमियर लीग

लखनऊ। लखनऊ यूनिवर्सिटी में स्कूल प्रीमियर क्रिकेट लीग मुकाबलों का आयोजन बाक्स क्रिकेट लीग के तौर पर किया जा रहा है। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिवाजी मैदान पर खेली जा रही लीग के मुकाबलो में दूसरे दिन कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इसमें एसएमपीएस लिटिल किंग्स, एसडब्लूएस वारियस, बाल निकुंज और फाइव फाइटर्स ने जीत के साथ अगले दौर में जगह बनाई। फिट एक्स इंडिया आइकन के तत्वावधान में आयोजित लीग का पहला मैच फाइव फाइटर्स बनाम बीएनईएस थंडर्स के बीच खेला गया जिसे फाइव फाइटर्स ने 49 रन से जीता। फाइव फाइटर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 76 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में बीएनईएस थंडर्स लक्ष्य का पीछा करते हुए 27 रन ही बना सकी। वहीं एसडब्लूएस वारियर्स ने एसएमपीएस सुपर किंग्स को 37 रन से हराया। एसडब्लूएस वारियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 68 रन बनाए। जवाब में एसएमपीएस सुपर किंग्स की टीम 31 रन ही बना सकी थी। एक अन्य मैच में कंचन ने रेड टाइटन को हराया। इसके अलावा बाल निकुंज ने बीएनईएस वारियर्स के खिलाफ जीत दर्ज की। अब जिस बल्लेबाज का शॉट जिस बोर्ड पर लग जाता था। उसे उतने ही रन मिल जाते थे। स्कूल प्रीमियर क्रिकेट लीग के संयोजक अमिताभ सिन्हा ने बताया कि स्कूली बच्चों को आउटडोर एक्टिविटीज में शामिल करने के लिए हमने इस लीग का आयोजन किया है। उन्होंने कहा कि बॉक्स क्रिकेट मैच अभी लखनऊ में कम प्रचलित है। हम आने वाले वाले समय में इस तरह के और भी आयोजन करेंगे।

आर्थिक तंगी भी कम नहीं कर पाई रामबाबू का क्रिकेट का जुनून

अहमदाबाद। मेरे मां-बाप ने मेरी शादी करवाई थी ए सोच के कि ए क्रिकेट का भूत छूटेगा, पर मैने बीवी को साफ बता दिया, पहला प्यार क्रिकेट है। यह कहना है भारत के क्रिकेट प्रशंसक रामबाबू का जो महेंद्र धोनी के धुर प्रशंसक है। जहां भी भारतीय टीम खेल रही होती है उनकी उपस्थिति स्पष्ट तौर पर दिखती है।उनका शरीर तिरंगे के रंग से रंगा होता है और उनके शरीर पर धोनी और सात नंबर लिखा होता है। चंडीगढ़ का रहने वाला यह प्रशंसक 39 वर्ष का है तथा अपनी अलग पहचान बनाने के बावजूद वह किसी तरह की कमाई नही करता है। वह अपनी यात्रा, ठहरना और अन्य जरूरतो के लिए लोगो की दया पर निर्भर है।क्रिकेट देखने के अलावा उनकी जिंदगी के लिए कोई अन्य योजना नही है। भारतीय टीम जहां भी जाती है वह वहां का दौरा करते है।तो क्या उनके घर के प्रति कोई जिम्मेदारियां नही है। इस सवाल पर रामबाबू ने कहा, मेरी भी कुछ परेशानियां है लेकिन मै क्रिकेट को समर्पित हूं। यह मेरी जिंदगी है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।